मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.1	16.0
जमशेदपुर	31.0	18.6
डालटनगंज	30.4	18.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

पेज 8-9

www.lagatar.in | रविवार, 03 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 6, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 225 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- इंटरनेशनलहमले में 178 फिलिस्तीनी मारे गये
- संरा ने सूडान में समाप्त किया राजनीतिक मिशन
- पुतिन ने दिया 170,000 और सैनिक शामिल करने का आदेश
- ठंड के साथ ही रूस के साथ युद्ध नए चरण में है : जेलेंस्की

नेशनल
- ईडी ने धोखाधड़ी मामले में दर्ज किया मामला
- जजों ने मध्यस्थता प्रणाली को जकड़ रखा है : उपराष्ट्रपति
- छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के दो जवान घायल
- रूसी पर्यटक की कार से टक्कर, तीन की मौत

स्टेट
- विदेश में बैठ कर आपराधिक गिरोह चला रहे हैं अपराधी
- नक्सलग्रस्त सुदूर क्षेत्रों में 17 सड़कों का होगा निर्माण
- मालगाड़ी की चपेट में आने से दो की मौत
- साइबर हब बनता जा रहा बड़ंगाल

स्पोर्ट्स
- जू विश्व चैंपियनशिप : 12 भारतीय मुक्केबाज फाइनल में
- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवा टी-20 आज
- राष्ट्रीय टेबल टेनिस : मानव व श्रीजा बने चैंपियन
- रोनाल्डो को हार के बाद सुनने पड़े 'मेसी, मेसी' के नारे

किसने क्या कहा

- सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने देश की मध्यस्थता प्रणाली को जकड़ रखा है -उपराष्ट्रपति
- देश को ईडी जैसी एजेंसी की जरूरत नहीं है -कार्ति चिदंबरम
- बीजेपी से कभी हाथ नहीं मिलाएंगे -शरद पवार

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,900
चांदी (किलो)	79,000

ब्रीफ खबरें

हिमालय ने लगाई मदद की पुकार: संरा प्रमुख

दुबई। हिमालयी क्षेत्र में आपदा की चेतावनी देते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि यहां के पर्वत मदद के लिए चीख-पुकार कर रहे हैं और यहां जारी सीओपी28 वार्ता को प्रतिक्रिया देनी चाहिए. कहा कि वार्षिक जलवायु वार्ता को विकासशील देशों खासतौर पर उन कमजोर पर्वतीय देशों की जरूरतों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करनी चाहिए जिन्हें तत्काल मदद की जरूरत है.

हत्या के प्रयास में तीन व्यक्तियों को कैद

मेलबर्न। न्यूजीलैंड में खालिस्तान की विचारधारा के विरुद्ध मुखर रहे एक लोकप्रिय सिख रेडियो प्रस्तोता की हत्या के प्रयास के अपराध में भारतीय मूल के तीन व्यक्तियों को कैद की सजा सुनायी गयी है.आस्ट्रेलिया टुडे वेबसाइट की खबर के अनुसार 23 दिसंबर, 2020 को रेडियो प्रस्तोता हरनेक सिंह जब कहीं जा रहे थे तब उन पर धार्मिक चरमपंथियों ने घात लगा कर हमला किया था.

मणिपुर में शांति का नया अध्याय शुरू

इम्फाल। मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि सबसे पुराने उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ के बीच हाल में शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद राज्य में शांति व सामान्य स्थिति की शुरुआत का एक नया अध्याय शुरू हो गया है. उन्होंने कहा, मैं सचमुच में खुश हूं...मणिपुर में शांति और एकता की शुरुआत करने का एक नया अध्याय शुरू हुआ है.

लद्दाख में एक दिन में दो बार भूकंप आया

लेह। लद्दाख में शनिवार को 8 घंटे में दो बार भूकंप के झटके महसूस किये गये. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. हालांकि, किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है. पहली बार भूकंप सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता 3.4 मापी गई. इसका केंद्र सतह से 10 किमी नीचे 35.44 डिग्री अक्षांश और 77.36 डिग्री देशांतर में था. दूसरी बार भूकंप शाम चार बजकर 29 मिनट पर आया.

क्या महिला पर रेप का केस दर्ज हो सकता है?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट इस सवाल पर विचार को सहमत हो गया कि क्या किसी महिला पर रेप का केस दर्ज हो सकता है? एक महिला ने रेप के मामले में जमानत के लिए शीर्ष कोर्ट का रुख किया है. मामले में उसका बेटा भी आरोपी है. कोर्ट ने महिला की याचिका पर पंजाब से जवाब मांगा है. महिला को उसकी पुत्रवधू द्वारा दर्ज कराये गये मामले में नामजद किया गया है.

गौहर अली इमरान की पार्टी के अध्यक्ष बने

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने बैरिस्टर गौहर अली खान को नया अध्यक्ष चुना है. खान द्वारा नामित वकील गौहर निर्विरोध अध्यक्ष बने हैं. कई मामलों में जेल में बंद 71 वर्षीय इमरान खान पार्टी का संगठनात्मक चुनाव नहीं लड़ सके .

रेडियोलॉजिस्ट का दूसरे राज्य से है रजिस्ट्रेशन, तो नहीं कर सकेंगे प्रैक्टिस

बाहरी रजिस्ट्रेशन अमान्य

संवाददाता। धनबाद/रांची

झारखंड राज्य से बाहर के रजिस्ट्रेशन वाले रेडियोलॉजिस्ट यहां प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे. यह निर्णय झारखंड राज्यस्तरीय सलाहकार समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में लिया गया है. फैसले के मुताबिक झारखंड में प्रैक्टिस कर रहे या सेवा दे रहे सभी रेडियोलॉजिस्ट तथा अल्ट्रासोनोग्राफी करने वाले डॉक्टरों को झारखंड मेडिकल कौंसिल या मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से अनिवार्य रूप से रजिस्टर्ड होना होगा. सलाहकार समिति के इस फैसले से अब उन रेडियोलॉजिस्ट या अल्ट्रासोनोग्राफी करने वाले डॉक्टरों की मुसिबत बढने वाली है, जो बाहर के राज्यों में रजिस्ट्रेशन करवा कर धनबाद या झारखंड के अन्य इलाकों में अपने जांच घर चला रहे हैं. अब अगर झारखंड में जांच घर चलाना है, तो यहां से रजिस्टर्ड होना अनिवार्य कर दिया गया है. इससे होगा ये कि जैसे ही झारखंड से रजिस्टर्ड होंगे, दूसरे राज्य का रजिस्ट्रेशन स्वतः ही अवैध हो जाएगा. बता दें कि अकेले धनबाद में 69 रेडियोलॉजी केंद्र को लाइसेंस मिला हुआ है. इसके अलावा कई ऐसे रेडियोलॉजिस्ट हैं, जो धनबाद के बाहर जैसे बंगाल, ओडिशा एवं अन्य राज्यों से रजिस्ट्रेशन करवा कर धनबाद में जांच घर संचालित कर रहे हैं. लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा.

धनबाद में सिर्फ 69 जांच केंद्र और 19 रेडियोलॉजिस्ट हैं रजिस्टर्ड

दो से अधिक सेंटर पर नहीं दे सकते सेवा

बताते चलें कि बीते दिनों पीसीपीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के लिए मुख्यालय ने विभाग को निर्देश दिया था. इसके तहत निर्देश दिया गया था कि कोई भी रेडियोलॉजिस्ट या सोनोलॉजिस्ट दो से अधिक केंद्र पर अपनी सेवा नहीं दे सकता है. दो से ज्यादा जांच केंद्रों पर जाने पर ऐसे रेडियोलॉजिस्ट पर भी मुख्यालय ने कार्रवाई के निर्देश दिए था. जानकारी के अनुसार जिले में 19 रेडियोलॉजिस्ट लाइसेंस के तहत सेवा दे रहे हैं. निर्देश था कि जिस सेंटर पर सेवा दे रहे हैं उस सेंटर पर उनका नाम, टाइमिंग निश्चित मेंशन करना होगा. शुरुआत में इन नियमों की जांच धनबाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से की गई, लेकिन अब यह जांच बंद हो गई है. रेडियोलॉजिस्ट दो केंद्र में सेवा दे रहे हैं या उससे अधिक इसकी जांच नहीं हो रही है.

सैकड़ों डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन बाहर के

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि धनबाद ही नहीं राज्य के करीब-करीब हर इलाके में मेडिकल प्रैक्टिस करने वाले सैकड़ों के पास दूसरे राज्यों का रजिस्ट्रेशन है. इसकी जांच करवा कर सबको झारखंड से रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए कहा जाएगा. वरना राज्य में प्रैक्टिस करने पर रोक लगा दी जाएगी. राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर रहा है.

क्या कहते हैं रजिस्ट्रार

झारखंड मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ बिमलेश सिंह ने कहा कि राज्य में सेवा देने वाले रेडियोलॉजिस्ट या वैसे चिकित्सक जो प्रैक्टिस कर रहे हैं, उनका रजिस्ट्रेशन काउंसिल से होना अनिवार्य है. काउंसिल इसे गंभीरता पूर्वक देखती भी है. यह फैसला झारखंड के हित में लिया गया है. इसका उल्लंघन करनेवालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी. हमारी बैठक में यह फैसला आम सहमति से हुआ है. इस पर पूरी तरह अमल किया जाएगा.

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस आज...हमें न्याय चाहिए

झारखंड प्रदेश दिव्यांग संघ के सदस्य अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं. राजधानी रांची में राजभवन के पास धरना पर बैठे हैं. वे चाहते हैं कि उन्हें उनका जायज हक मिले, नौकरी में प्राथमिकता मिले. -फोटोः रमीज

संसद का सत्र कल से टीएमसी ने उठाई मांग

नई दिल्ली। टीएमसी के नेताओं ने शनिवार को धन के बदले सवाल मामले में पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा के सदन से निष्कासन की आचार समिति की सिफारिश पर लोकसभा में चर्चा की मांग की. संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू हो रहा है और 22 दिसंबर तक सदन की 15 बैठक होंगी. सर्वदलीय बैठक में सरकार ने साफ किया कि वह सदन में हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है. वहीं, टीएमसी नेता के निष्कासन की सिफारिश करने वाली लोकसभा की समिति की रिपोर्ट सत्र के पहले दिन सदन में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध है. शनिवार को सर्वदलीय बैठक में टीएमसी ने दावा किया कि समिति की रिपोर्ट सदन में पेश किए जाने से पहले बेशर्मी से सार्वजनिक कर दी गई. लोकसभा और राज्यसभा में टीएमसी के संसदीय दल के नेता क्रमशः सुदीप बंद्योपाध्याय और डेरेक ओ ब्रायन ने बैठक में इसका प्रतिनिधित्व किया.

संजय सिंह की बढ़ेंगी मुश्किलें, चार्जशीट पेश

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पर ईडी ने कड़ा शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. सिंह का जेल से बाहर आने का रास्ता मुश्किल होता जा रहा है. दरअसल शनिवार को ईडी ने संजय सिंह के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में 60 पेज की चार्जशीट फाइल कर दी है. जानकारी के अनुसार, ईडी ने शराब घोटाला मामले में संजय सिंह पर साजिश, मनी लॉन्ड्रिंग और आरोपियों की मदद करने का आरोप लगाया है. इस पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट 4 दिसंबर को सुनवाई करेगी. संजय सिंह को बीते अक्टूबर महीने में कई घंटों की पूछताछ के बाद संजय सिंह को गिरफ्तार किया गया था. जिसके बाद से वो तिहाड़ जेल में बंद हैं. ईडी की चार्जशीट के बाद संजय सिंह के जेल से बाहर आने की राह मुश्किल हो सकती है.

जनादेश

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के नतीजों पर नजर

एग्जिट कौन? फैसला आज

एजेंसी। नई दिल्ली

2024 में दिल्ली की गद्दी के लिए होने वाले चुनाव से पहले सत्ता का सेमीफाइनल कौन जीतेगा? चार राज्यों के विधानसभा चुनाव का फाइनल स्कोर क्या रहेगा? पीएम नरेंद्र मोदी को अगले लोकसभा चुनाव से पहले गुड न्यूज मिलेगी या राहुल गांधी चौका लगाएंगे? मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान,राजस्थान में अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल अपनी सरकार बचा पाएंगे या नहीं. इन सारे सवालों के जवाब मिलने में कुछ घंटे बाकी हैं. यानी शनिवार की रात कत्ल की रात है. सुबह होते ही देश की नजरें चुनाव नतीजों की तरफ होंगी.

मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में नई सरकार बनने वाली है. इन पांच राज्यों की 675 विधानसभा सीटों के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. रविवार को सिर्फ चार राज्यों के 635 सीटों पर ही वोटों की गिनती होगी. मिजोरम के उम्मीदवारों के फैसला अब सोमवार को होगा. राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं, मगर वहां कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के बाद 199 सीटों पर ही मतदान हुआ. एग्जिट पोल के नतीजों के अनुसार, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है, जबकि राजस्थान में भाजपा का पलड़ा भारी है. हिंदी प्रदेश के तीन राज्यों में 519 सीटों पर फैसला होना है. एग्जिट पोल्स के मुताबिक, 119 विधानसभा वाली तेलंगाना में कांग्रेस ने बढ़त ली है. निर्वाचन आयोग मतगणना की तैयारियां पूरी कर चुका है. वोटों की गिनती रविवार सुबह सात बजे शुरू होगी. सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिने जाएंगे. इसके बाद सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों के सामने ईवीएम से मतगणना शुरू होगी.

चुनाव आयोग की विज्ञप्ति के मुताबिक चारों राज्यों में मतगणना की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. राजनीतिक दलों से संयम बरतने की अपील की गई है. पहला परिणाम छत्तीसगढ़ से दिन के 12 बजे के आसपास आने की उम्मीद की जा रही है. एग्जिट पोल को नकारते हुए भाजपा और कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन करने का दावा किया है.

कोर्ट में चपरासी का साक्षात्कार देने आए 4 मुन्ना भाई गिरफ्तार

हजारीबाग। व्यवहार न्यायालय सदर परिसर से फर्जी तरीके से साक्षात्कार देने वाले चार मुन्ना भाई को गिरफ्तार किया गया है . जिनके पास से फर्जी मोहर बनाकर जाली प्रवेश पत्र तैयार किया था. प्रवेश करने के समय ही इनका एडमिट कार्ड संदिग्ध पाया गया.

जब इनसे पूछताछ की गई तो फर्जी पाया गया है.पहले एक व्यक्ति और फिर एक के बाद एक तीन और फर्जी परीक्षा देने वाले युवकों को धर दबोचा गया.पकड़े गए चार में तीन आरोपित नालंदा और एक आरोपित बख्तियारपुर पटना का है. सुबह करीब दस बजे आरोपित उस वक्त पकड़े गए जब इनका रौल क्रमांक, शनिवार को जारी रौल क्रमांक से अलग निकला और गड़बड़ी की जांच प्रारंभ हुई.

- पकड़े गए चार में तीन आरोपित नालंदा और एक आरोपित बख्तियारपुर पटना का है

जांच में यह पता चला कि जिस नंबर क्रमांक का यह साक्षात्कार देने पहुंचे थे,वह तीन दिन पूर्व 29 नवंबर को हीं समाप्त हो चुका है.पकड़े गए आरोपितों में शंकर कुमार सिलौन, नालंदा ,सोनू कुमार,सुरुमपुर नालंदा ,दिलीप कुमार सुरुमपुर नालंदा तथा अभिषेक कुमार दियारा बख्तियारपुर पटना के रूप में हुई है.

राज्य में अपराधी बेलगाम: मरांडी

संवाददाता। धनबाद

राज्य की वर्तमान हेमंत सरकार काम करने के लिए नहीं कमाने के लिए बैठी है. अपराध, बालू और पत्थर से इनकी कमाई हो रही है. पूरे भारत में जितनी कोयला चोरी नहीं होती, उससे कई गुना ज्यादा चोरी चार साल में धनबाद में हुई है. यहां आए दिन ठेले खोमचे वालों से लेकर छोटे व्यापारियों से रंगदारी मांगी जा रही है, पैसा न देने पर गोली चलाई जा रही. वहीं सरकार ने पुलिस को वसूली में लगा रखा है. यहां के पुलिस कप्तान से लेकर थानेदार सब भ्रष्ट हो चुके हैं, अपराधियों से पैसे लेकर सरकार तक पहुंचाने का काम रहे हैं.

उक्त बातें शनिवार को रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित जन आक्रोश रैली में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कही. उन्होंने कहा कि विदेश और जेल में बैठ कर अपराधी अपराध की घटना को अंजाम दे रहे हैं. पुलिस चाहे तो एक दिन में इन्हें ठिकाने लगा सकती है, लेकिन पुलिस अपराधियों से मिली हुई है. अफसर हर माह हेमंत सोरेन सरकार को लाखों रुपए पहुंचाने का काम कर रहे हैं. व्यापारी यहां से पलायन कर रहे हैं, उद्योग धंधे बंद हो रहे, युवा उतराखंड के उत्तरकाशी में जान जोखिम में डाल कर काम करने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि इस प्रदेश की व्यवस्था पूरी तरह नष्ट हो चुकी है.

अपराध, कोयला, बालू और पत्थर से सरकार की कमाई

अपराधी प्रशासन को दे रहे चुनौती : सांसद

सांसद पीएन सिंह ने कहा, रंगदारी की घटना बढ़ रही है. व्यापारी शाम ढलते ही का शटर गिराने के लिए मजबूर हैं. लोग दशहत में हैं. अपराधी, प्रशासन को चुनौती दे रहे, प्रशासन दूसरे कामों में व्यस्त हैं. कृष्णा अग्रवाल का बिना नाम लिए कहा कि कुछ लोग सत्याग्रह करते हैं और उसमें ऐसे लोगों को बुलाते हैं जो इस सरकार में शामिल हैं.

अपराध मुक्त बनाने लिए होगा आंदोलन

धनबाद विधायक राज सिन्हा कहा धनबाद अब क्राइम केपिटल बन चुका है. प्रदेश की सरकार निक्कमी हो गई है. हमलोग भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ लगातार आंदोलन करते आ रहे है. इनता ही नहीं आंदोलन में पार्टी के प्रदेश स्तर के हमारे नेता भी धनबाद की जनता के सुख दुख में हमेशा साथ खड़े है.

तेतुलतल्ला मैदान से निकाली रैली

सांसद व विधायक के नेतृत्व मे तेतुलतल्ला मैदान से जन आक्रोश रैली निकाली गई. बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता शामिल हुए. काफिला बैंक मोड़ बिरसा चौक, सुभाष चौक, श्रमिक चौक, डीआरएम चौक होते हुए बैंक मोड़ पहुंचा. दो हजार से ज्यादा लोग हाथों में पोस्टर बैनर लिए हुए आगे बढ़ रहे थे.

विपक्ष ने उठाए सवाल | झारखंड में 3.5 लाख से अधिक सरकारी पद खाली, मगर सरकार चुप

श्रम मंत्री का बेटा बना चपरासी, भतीजा वेटिंग लिस्ट में

संवाददाता। चतरा

झारखंड के श्रम नियोजन सह प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता के बेटे मुकेश भोक्ता का चपरासी के पद पर चयन हुआ है. उनका चयन चतरा व्यवहार अदालत में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के रूप में हुआ है. वहीं मंत्री के भतीजे रामदेव भोक्ता का नाम वेटिंग लिस्ट में रखा गया है. चतरा कोर्ट ने शुक्रवार को नियुक्ति का रिजल्ट जारी कर दिया, जिसमें विभिन्न पदों के लिए कुल 19 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है. मंत्री सत्यानंद भोक्ता चतरा विधानसभा सीट से राजद कोटे से विधायक हैं.

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि नौकरी या काम कोई भी हो, बड़ा या छोटा नहीं होता. लेकिन राज्य में रोजगार के मौके कम हैं. झारखंड में 7.5 लाख से ज्यादा पंजीकृत बेरोजगार हैं. वैकेंसी होने के बावजूद सरकार कम पदों पर भर्तियां निकाल रही है. बेरोजगारी को लेकर झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने कुछ हफ्तों पहले अपने ही सरकार को कठघरे में खड़ा किया था. उन्होंने कहा कि पार्टी के घोषणा पत्र में हर साल 5 लाख रोजगार देने का वादा था.

झारखंड में अलग-अलग स्तर पर करीब 3.5 लाख पद खाली हैं. ऐसे में टैलेंटेड को भी अपने क्षमता के हिसाब से नौकरी नहीं मिल पा रही है. झारखंड में गृह विभाग में 73938 पद, स्कूली शिक्षा विभाग में 1.04 लाख पद रिक्त हैं. स्वास्थ्य विभाग में 35322, कृषि विभाग में 3500, विधि विभाग में 4036, पेयजल व स्वच्छता विभाग में 3464 पद रिक्त हैं. चतरा व्यवहार न्यायालय में विभिन्न पदों के लिए 19 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है. जिसमें श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता के पुत्र मुकेश कुमार भोक्ता का भी नाम शामिल है. मुकेश कुमार भोक्ता का चयन सूची में क्रमांक 1019 है और मंत्री भोक्ता के भतीजा रामदेव भोक्ता का क्रमांक 1018 है.

राज्य में पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 7.32 लाख

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने आगे कहा कि पथ निर्माण विभाग में 1729, ग्रामीण विकास विभाग में 7341, जल संसाधन विभाग में 5119, पंचायती राज विभाग में 6696 पद रिक्त हैं. राज्य में 2016 तक पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 5.50 लाख थी. वहीं 2019 के श्रम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अब यह संख्या 7.32 लाख पहुंच गई है. साल 2020 और 21 कोरोना महामारी में ही गुजर गया. सरकार नियुक्ति वर्ष मना रही है, तब भी वैकेंसी नहीं आई है. लगभग 3.5 लाख पद अलग-अलग विभागों में रिक्त हैं.

चाईबासा : नक्सली साजिश नाकाम, आईईडी बरामद

संवाददाता। चाईबासा

सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया. शनिवार को सुरक्षाबलों ने गोइलकेरा थाना क्षेत्र के मरादिरी के आस-पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र से पांच किलो का एक आईईडी बरामद किया है. ये आईईडी सुरक्षाबलों को टारगेट के लिए नक्सलियों ने बिछा रखा था. सुरक्षा दृष्टिकोण से सुरक्षाबलों ने मौके पर ही आईईडी को डिफ्यूज कर दिया.

बड़े नक्सली हैं सक्रिय : प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय हैं. इसे लेकर दस अक्टूबर से

एक संयुक्त अभियान गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कुईटा, छोटा कुईटा, मारादिरी मेरालगडा, हाथीगुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थाना क्षेत्र के हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका रेगड़ा. पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है.

संगठित अपराध : शारजाह में बैठ कर धनबाद का प्रिंस खान बन गया है पुलिस के लिए बड़ी चुनौती

विदेश में बैठ कर आपराधिक गिरोह चला रहे हैं अपराधी

सौरभ सिंह। रांची

विदेश में बैठ कर अपराधी झारखंड में आपराधिक गिरोह चला रहे हैं. ये अपराधी राज्य के अलग-अलग राज्य में आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिला रहे हैं. इन दिनों धनबाद पुलिस के लिए चुनौती बने प्रिंस खान और अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह विदेश में रह कर झारखंड में अपने शूटर के माध्यम से आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिला रहे हैं. प्रिंस खान जहां शारजह में रह कर तो वहीं अमन साहू गिरोह का मयंक सिंह सिंगापुर में रहकर गिरोह का संचालन कर रहा है, और हत्या रंगदारी जैसी घटनाओं को अंजाम दिलाकर पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है. शारजह में बैठा है वासेपुर का डॉन प्रिंस खान. धनबाद में गैंग्स आफ वासेपुर का आतंक है. प्रिंस खान इसी गैंग से ताल्लुक रखता है. अब यह धनबाद पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है. झारखंड पुलिस की टीम इसे गिरफ्तार करने का लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अब यह जानकारी मिली है कि प्रिंस खान भारत से बाहर शारजहां में बैठ कर अपना गैंग ऑपरेट कर रहा है और वहीं से धनबाद में हत्या तक करवा रहा है.

हत्या, रंगदारी जैसे तीन दर्जन मामले प्रिंस खान पर दर्ज हैं. लगातार वह वीडियो जारी कर कारोबारियों को धमकी देता है और उनसे रंगदारी वसूलता है.

झारखंड में सिंगापुर से मयंक सिंह दिला रहा घटनाओं को अंजाम

झारखंड में कई आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं. लेकिन इन दिनों अन्य गिरोह की तुलना में अमन साहू गिरोह का उत्पात बढ़ा है. खासकर यह गिरोह राज्य के लातेहार, चतरा, रामगढ़, हजारीबाग और रांची के कोयलांचल क्षेत्र में उत्पात मचा रहा है. इस गिरोह के द्वारा घटना को अंजाम देने के बाद मयंक सिंह नाम का व्यक्ति घटना की जिम्मेवारी भी लेता है. अमन साहू के जेल में बंद होने के बावजूद उसके गिरोह की सक्रियता कम नहीं हुई है. अमन साहू जेल से ही अपने गिरोह को चला रहा है. जानकारी के मुताबिक मयंक इन दिनों सिंगापुर में बैठकर एक के बाद एक अपराधिक घटनाएं को अंजाम दे रहा है.

इंटरनेट से आई कॉल को पुलिस ट्रेस करने में हो रही नाकाम

झारखंड के अलग-अलग जिलों में इन दिनों अपराधियों के द्वारा इंटरनेट कॉल के जरिए कारोबारी को फोन कर रंगदारी और जान से मारने की धमकी दी जा रही है. इंटरनेट के जरिए किए जाने वाले कॉल में वर्चुअल नंबर का यूज किया जाता है. इसे आसानी से ट्रेस नहीं किया जा सकता है. बिना सिम कार्ड के इस्तेमाल के होने वाली कॉल को वर्चुअल कॉल कहा जाता है. इसके लिए मोबाइल की भी जरूरत नहीं होती है और न ही सिम कार्ड की. सिमकार्ड का इस्तेमाल न होने से पुलिस टावर लोकेशन सहित अन्य जानकारी ट्रेस करने में नाकाम रह जाती है. राजधानी रांची में कई लोगों को धमकियां मिली है. जिसे ट्रेस करने में पुलिस नाकाम रही.

आपकी बात

> मुस्कान रानी कहती है कि अगर आप में हुनर है तो आप कहीं से भी अपना खुद का व्यापार शुरू कर सकते हैं.

नाम : मुस्कान रानी
पेशा : व्यापार
विशेषज्ञ : देवश्रृंगार
निवास : कोडरमा

मुस्कान रानी का जन्म 20 जून को 2000ई में हज़ारीबाग जिले में हुआ था.यह बचपन से ही क्रिएटिव माइंड की थी, उन्होंने दसवीं सीडी बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा से किया और बारहवी की पढ़ाई बिहार के गया जिले के मगध यूनिवर्सिटी से किया.ग्रेजुएशन वह जेजे कॉलेज से कर रही है, इसके साथ साथ वह म्यूजिक क्लासेज भी कर रही है. बचपन से क्रिएटिव होने के कारण वह 10h के बाद से ही लड्डू गोपाल के कपड़े और उनके श्रृंगार के सारे सामान को बनाने लगी,इसके साथ ही वह रेशम के धागे की चूड़ी और केक भी बनाने लगी. पिछले साल 2022 में उनकी शादी हो गई,जिसके बाद उन्होंने अपने घर से ही एक छोटा सा व्यापार शुरू किया. जिसमें वह लड्डू गोपाल के कपड़े,रेशम के धागे के चूड़ियां और केक बनाकर बैचती है,यह सारी चीजें वह खुद से ही बनाती है.

आज मुस्कान रानी अपने बल पर छोटे से व्यापार को एक मुकाम की ओर लेकर अग्रसर है.वहीं उनके काम की प्रशंसा भी हो रही है. आज वह ऐसी महिलाओं- बच्चियों के लिए प्रेरणा स्रोत है जो कहती है कि हम घर से क्या ही कर सकते हैं? मुस्कान रानी कहती है कि अगर आप में हुनर है तो आप कहीं से भी अपना खुद का व्यापार शुरू कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

विनोद नारायण बने रांची विवि के प्रभारी रजिस्ट्रार

रांची। रांची विश्वविद्यालय के प्रभारी रजिस्ट्रार के रूप में विनोद नारायण ने प्रभार लिया है. राजभवन के आदेश के बाद रांची विवि के कुलपति प्रो. अजीत सिन्हा ने प्रभारी रजिस्ट्रार नियुक्त किया. विनोद नारायण 6 महीने या नए रजिस्ट्रार नियुक्त होने तक प्रभार में रहेंगे. विनोद नारायण विवि सोशियोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर हैं. इससे पहले रजिस्ट्रार के रूप में डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता कार्यरत थे, उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है. रजिस्ट्रार नियुक्ति के लिए राजभवन के अधिसुचना जारी की है.रांची विश्वविद्यालय के प्रभारी रजिस्ट्रार के रूप में विनोद नारायण ने प्रभार लिया है. राजभवन के आदेश के बाद रांची विवि के कुलपति प्रो. अजीत सिन्हा ने प्रभारी रजिस्ट्रार नियुक्त किया.

बंदोबस्त पदाधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज

रांची। जिले के तत्कालीन वन बंदोबस्त पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में मामला दर्ज हुआ हैं. पद का दुरूपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन के निपटारा के एक मामले में 6.31 करोड़ रुपए का भुगतान नियम विरुद्ध करने के मामले में राजेंद्र प्रसाद गुप्ता एफआईआर दर्ज हुआ है. इस मामले को लेकर एसीबी ने कांड संख्या 5/2023 दर्ज किया है. मामले के सूचक एसीबी के इंस्पेक्टर विधा प्रसाद सिंह है. राजेंद्र प्रसाद सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, दुमका के पद से सेवानिवृत हुए हैं. मामले में एसीबी ने उन पर पद का दुरूपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन में नियम विरुद्ध भुगतान करने का आरोप लगाया है.

मुंबई व सूरत जाने वाली ट्रेनें कई दिन रहेंगी रद्द

रांची। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल पर नॉन इंटरलॉकिंग का काम चल रहा है. इसकी वजह से दिसंबर में सूरत और मुंबई जाने वाली ट्रेनों को रद्द कर दिया है. ऐसे में रांची से मुंबई और सूरत जाने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है.

ये ट्रेनें रद्द रहेंगी

1) ट्रेन संख्या 12812 – हटिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस – 8 और 9 दिसंबर को हटिया से रद्द
2) ट्रेन संख्या 12811 – लोकमान्य तिलक टर्मिनस-हटिया एक्सप्रेस – 10 और 11 दिसंबर को रद्द
3) ट्रेन संख्या 13425 – मालदा टाउन- सूरत एक्सप्रेस – 2 और 9 दिसंबर को रद्द
4) ट्रेन संख्या 13426 – सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस – 4 और 11 दिसंबर को सूरत से रद्द.

नक्सलग्रस्त सुदूर क्षेत्रों में 17 सड़कों का होगा निर्माण

बिछेगा सड़कों का जाल

अमित सिंह ।रांची

झारखंड में रोड कनेक्टिविटी प्लान फॉर लेफ्ट विंग के तहत 17 नई सड़कों का निर्माण होगा. केंद्र और राज्य सरकार का मानना है कि प्रदेश में नक्सल गतिविधि समाप्ति के कगार पर है. रोड व मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ने की वजह से यह संभव हो पाया है. नई सड़कों का निर्माण होने से लेफ्ट विंग एरिया तक सुरक्षा बल आसानी से पहुंच सकेंगे. प्रदेश में नक्सलवाद समाप्त करने में कई नई सड़कें ताबूत में अंतिम कील ठोकने जैसी साबित होंगी. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों सहित प्रदेशभर में सड़क परियोजनाओं पर तकरीबन 2 लाख करोड़ के निवेश की योजना है. केंद्र सरकर से योजनाओं के मंजूरी मिल गई है. 2025 तक झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र सहित कई इलकों की तस्वीर बदल जाएगी.

प्रदेश में नक्सल गतिविधियां पूरी तरह से समाप्त हो जाए, इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार योजनावद्ध तरीके से काम कर रहा है. पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, बूढ़ा पहाड़ से सटे क्षेत्र में 17 सड़कों का निर्माण होगा. इन सड़कों के निर्माण होने से लेफ्ट विंग के क्षेत्र को पूरी तरह से कवर किया जा सकेगा. सड़क निर्माण को लेकर जिलों में उपायुक्त द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है. पश्चिमी सिंहभूम जिले में चाईबासा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रोड और नेटवर्क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त अनन्य मित्तल और पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने अफसरों के साथ मिल कर मास्टर प्लान पर काम शुरू कर दिया है. नक्सल प्रभावित जिलों में नक्सल उन्मूलन के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं. वहीं सुरक्षा बलों के द्वारा घने जंगल क्षेत्रों में जाकर इस कार्यों को संपादित भी कराने की याजना है.

खास बातें

- नक्सल गतिविधियों पर पूर्ण लगाम के लिए कसी कमर
- रोड कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए निवेश होंगे 2 लाख करोड़

7770 किमी की 135 सड़कें बनेंगी

केंद्र सरकर से रोड कनेक्टिविटी प्लान फॉर लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिस्ट एरिया के तहत 770 किमी लंबाई की 135 सड़कों को स्वीकृति प्रदान की गई थी. कुल 65 पुलों के निर्माण के लिए 764 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है. ग्रामीण विकास विभाग के अनुसर राज्य के ग्रामीण इलाकों में कुल 1750 किमी सड़कों का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से होगा. स्वीकृत योजनाओं के पूरा होने से प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में आवागमन बेहतर हो जाएगा. जिन गांव में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, मुख्य सड़क तक अने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, ऐसी परेशानियां दूर हो जाएंगी.

2025 तक बदल जाएगी राज्य के कई इलाकों की तस्वीर

झारखंड के अस्पतालों को सतर्कता बरतने का दिया गया निर्देश

रांची। चीन में रहस्यमय निमोनिया फैलने के मद्देनजर झारखंड सरकार ने अपने अस्पतालों को सतर्कता बरतने और श्वसन संबंधी बीमारी के मामलों की निगरानी, निवारक उपाय और परीक्षण करने को कहा है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने जिला प्रशासन को लिखे पत्र में तैयारी रखने और स्थिति पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया है. सिंह ने पत्र में कहा, हाल के हफ्तों में, विशेष रूप से उत्तरी चीन में बच्चों में, श्वसन संबंधी बीमारियों में हुई वृद्धि को देखते हुए आपको ध्यान दिलाया जाता है कि निरंतर निगरानी रखने, मामलों की प्रवृत्ति की निगरानी करने और किसी भी उभरती सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने की तत्काल आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि मौजूदा 'इन्फ्लूएंजा' को देखते हुए सांस संबंधी बीमारी के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है.

कोर्ट की खबरें

पूजा सिंघल को फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से बेल नहीं

रांची/नई दिल्ली । मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत अर्जी पर शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच में सुनवाई हुई. पूजा सिंघल की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने बहस की. वहीं ईडी की ओर से एएसजी (असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल) एसवी राजू ने अपना पक्ष रखा. सुनवाई के दौरान ईडी के अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत को बताया कि पूजा सिंघल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में निचली अदालत में दो महत्वपूर्ण गवाहों का बयान दर्ज हो गया है. लेकिन चुनाव ड्यूटी में कार्यरत रहने के कारण एक गवाह का बयान फिलहाल दर्ज नहीं हो सका है. जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 दिसंबर की तिथि निर्धारित की. बता दें कि पूजा सिंघल ने इसी साल 12 अप्रैल को रांची ईडी की विशेष कोर्ट में सरेंडर किया था. तब से वह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद है. झारखंड के खूंटी में हुए मनरेगा घोटाला मामले में ईडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था. इसी केस में उनके पति अभिषेक झा भी आरोपी हैं. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अग्रिम बेल दे दी थी.

विधायक प्रदीप यादव की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

रांची। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव पर चल रहे यौन शोषण मामले की जांच और सुनवाई जारी रहेगी. विधायक ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को खारिज करने को लेकर एक याचिका दायर की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है. पोड़ैयाहाट सीट से कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव बड़ा झटका लगा है. एक सितंबर को हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा था कि प्रदीप यादव की ओर से दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका खारिज की जाती है. प्रदीप यादव ने दुमका कोर्ट में उनके खिलाफ यौन शोषण के केस में हुए चार्जफ्रेम करने की प्रक्रिया को चुनौती दी थी. इस केस में फिलहाल वह बेल पर हैं. अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से भी याचिका खारिज होने के बाद प्रदीप यादव को अब निचली अदालत में ट्रायल फेस करना होगा.

कांग्रेस जिला अध्यक्ष बोले, भाजपा के नेता गो-तस्करी में संलिप्त

धनबाद। भाजपा के अधिकतर नेता गो-तस्करी, कोयला का अवैध धंधा व वसूली में संलिप्त है. इसके बावजूद रैली आयोजित कर अपने काले कारतूत को छुपाने के साथ-साथ लोगों को दिग्भर्मित करने का काम करते हैं. इनकी जनाक्रोश रैली हास्यास्पद व नौटंकी है. उक्त बातें शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कही है. उन्होंने कहा रघुवर सरकार में भ्रष्टाचार, लूट व नाजायज वसूली चरम सीमा पर थी, यह बात किसी से छुपी नहीं है. उक्त मामले को लेकर एक ओर सरयू राय धनबाद में अपनी जमीन तैयार कर रहे हैं, दूसरी ओर भाजपा इस तरह का आंदोलन कर नंगा नाच करने का काम कर रही है. आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता भाजपा को मुंहतोड़ जबाब देने का काम करेगी.

छवि रंजन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

रांची/नई दिल्ली। लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से झारखंड हाईकोर्ट से जमानत याचिका रद्द करने के आदेश को चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है. रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट ने भी छवि रंजन की बेल पिटीशन खारिज कर चुका है. गौरतलब है कि ईडी रांची में लैंड स्कैम से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही है. दोनों ही मामलों में छवि रंजन को अभियुक्त बनाया गया है. फिलहाल जिस केस में उन्होंने जमानत अर्जी दाखिल की है, वह चेशायर होम रोड में फर्जी दस्तावेज के सहारे जमीन की खरीद-बिक्री का केस है. छवि रंजन की एक जमानत याचिका झारखंड हाईकोर्ट में भी लंबित है.

योगेंद्र तिवारी की जमानत पर अब 6 को सुनवाई

रांची। झारखंड शराब घोटाला के आरोपी शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका पर शनिवार को रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 दिसंबर की तारीख मुकर्रर कर दी. बता दें कि शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने 19 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था. उन पर शराब घोटाला के जरिये अवैध कमाई करने और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है. इस मामले में ईडी ने 23 अगस्त को 34 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी. इन ठिकानों में योगेंद्र तिवारी के देवघर स्थित होटल सिद्धार्थ के सामने स्थित गोदाम, बोंपासस टाउन स्थित डॉ. राजीव पांडेय अस्पताल के पास स्थित आवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी के डी-2 स्थित मेसर्स संथाल परगना बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड और जामताड़ा के दो ठिकाने शामिल हैं. छापेमारी के बाद ईडी ने कई बार योगेंद्र तिवारी को समन भेजकर पूछताछ के लिए रांची स्थित जोनल कार्यालय बुलाया था.

रिम्स की अव्यवस्था पर विधायक ने उठाए सवाल

रांची। रिम्स की अव्यवस्था को लेकर जामताड़ा के विधायक इरफान अंसारी ने सवाल खड़े किए हैं. दरअसल, जामताड़ा के मरीज राजकुमार रजक की इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गई. इरफान ने आरोप लगाया है कि डॉक्टरों ने इलाज में लापरवाही की थी जिस कारण उसकी मौत हुई. मरीज शाम में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा लेकिन देर रात तक किसी भी डॉक्टर ने उसे नहीं देखा. डॉक्टर मरीज के परिजनों पर झल्लाया कहा कि पैरवी दिखाते हो तो तुम्हें नहीं देखूंगा. लाख बोलने के बावजूद किसी डॉक्टर ने नहीं देखा आखिरकार राज की मौत हो गई.

झारखंड में भूगर्भ दोहन में 4 जिलों की स्थिति क्रिटिकल

विशेष संवाददाता। रांची

देश के ज्यादातर क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण में बढ़ोत्तरी हुई है. वहीं झारखंड के ज्यादातर जिलों में भूजल पुनर्भरण के बजाए भूजल के दोहन में बढोत्तरी हुई है. केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्लयूबी) द्वार भूजल की स्थिति का मूल्यांकन किया गया है. इस संबंध में केद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा रिपोर्ट जारी किया गया है. रिपोर्ट में बताया गया है कि पहाड़ी और पठारी इलाकों में भूजल की स्थिति बेहतर नहीं है. भूजल के स्तर में गिरावट जारी है. रिपोर्ट के अनुसार झारखंड के रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, बोकारो और धनबाद जिले में भूजल के दोहन में बढोत्तरी हुई है. धनबाद में 74.34 प्रतिशत, कोडरमा में 66.44 प्रतिशत और रामगढ़ में 63.33 प्रतिशत भूगर्भ जल का दोहन हो रहा है. पूर्वी सिंहभूम में भूजल स्तर में तेजी से गिरावट देखी जा रही है. वहीं पश्चिमी सिंहभूम में भूजल के स्तर में गिरावट कम है, वहां दोहन 10.45 प्रतिशत हो रहा है. वर्तमान समय में प्रदेश में 1.80 बिलियन क्यूबिक मीटर(बीक्यूएम) भूगर्भ जल का दोहन हो रहा है.

इन जिलों की हालत खराब : झारखंड के रांची, धनबाद, रामगढ़, कोडरमा की स्थिति क्रिटिकल है. प्रदेश के 11 क्षेत्रों में भूगर्भ जल की स्थिति सेमी क्रिटिकल पाई गई है. गोड्डा के 1664.2 स्क्वॉयर किलोमीटर क्षेत्र में सौ प्रतिशत भूगर्भ जल का रिचार्ज हो रहा है. खूंटी, गुमला और सरायकेला खरसावां में भी भूगर्भ जल के रिचार्ज की स्थिति संतोषजनक पाई गई है. प्रदेश में 60646.73 स्क्वायर किलोमीटर का क्षेत्र में ही भूगर्भ जल का रिचार्ज होता है. इसमें से 1068.48 स्क्वायर किलोमीटर का क्षेत्र में अतिदोहन हो रहा है. 2169 स्क्वॉयर किलोमीटर रिचार्ज वाले क्षेत्र में भी दोहन की स्थिति चिंताजनक है.

भूजल पुनर्भरण की हालत

2023 की आकलन रिपोर्ट के अनुसार, पूरे देश के लिए कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 449 .08 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है, जो पिछले वर्ष (2022) की तुलना में 11.48 बीसीएम की बढ़ोत्तरी दर्शाता है और पूरे देश के लिए वार्षिक भूजल दोहन 241.34 बीसीएम है. इसके अलावा, देश में कुल 6,553 मूल्यांकन इकाइयों में से 736 इकाइयों को 'अति-शोषित' इकाइयों की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है. इस वर्ष का विश्लेषण 2022 के आकलन आंकड़ों की तुलना में देश में 226 मूल्यांकन इकाइयों में भूजल की स्थिति में सुधार को दर्शाता है. इसके अलावा, अति-शोषित इकाइयों की संख्या में समग्र कमी और भूजल दोहन स्तर में कमी भी देखी गई है.

राजभवन ने फिर लौटाया स्थानीय नीति विधेयक

संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार को झटका

राज्य हेमंत सरकार को बड़ा झटका लगा है. राजभवन की ओर से खतियान आधारित स्थानीय नीति विधेयक को दूसरी बार फिर लौटा दिया गया है. सरकार यह विधेयक स्थानीय लोगों को कई तरह के लाभ देने के उद्देश्य से लाई थी. जानकारी के अनुसार, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति संबंधित विधेयक ''झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिणामी सामाजिक, सामाजिक सांस्कृतिक और अन्य लाभों का विस्तार करने के लिए विधेयक-2022 को एक बार फिर से राज्य सरकार को लौटा दिया है.

अटॉर्नी जनरल से सलाह के बाद लौटाया : राज्यपाल ने अटॉर्नी जनरल से परामर्श लेने के बाद इसका हवाला देते हुए राज्य सरकार को इस विधेयक पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है. अटॉर्नी जनरल ने अपने सुझाव में कहा था कि विधेयक में स्थानीय व्यक्ति शब्द की परिभाषा लोगों की आकांक्षाओं के अनुकूल है. यह स्थानीय परिस्थितियों के लोकाचार और संस्कृति के साथ फिट बैठती है, लेकिन लगता है कि विधेयक की धारा संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 16 (2) का उल्लंघन कर सकती है. हालांकि, पैरा 24 में मेरी राय पर अमल कर इसे बचाया जा सकता है. अटॉर्नी जनरल ने कहा कि इस विधेयक के मुताबिक राज्य सरकार की थर्ड व फोर्थ ग्रेड की नौकरियां केवल स्थानीय व्यक्तियों के लिए आरक्षित होंगी.

नौकरियों को लेकर फंसा है पेच

स्थानीय के अलावा उन लोगों की नियुक्तियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा. अटॉर्नी जनरल ने अपनी राय व्यक्त की है कि थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरियों के लिए आवेदन करने से अन्य लोगों को वंचित नहीं किया जा सकता. इसके बजाय सुरक्षित तरीका यह है कि सभी चीजों में स्थानीय व्यक्तियों को सामान प्राथमिकता दी जाए। हालांकि, फोर्थ ग्रेड के लिए स्थानीय व्यक्ति पर विचार किया जा सकता है. इधर, राज्यपाल ने कहा है कि राज्य सरकार चाहे तो स्थानीय के लिए तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पद पांच वर्ष के लिए आरक्षित कर सकती है. बता दें कि पूर्व राज्यपाल रमेश बैस ने भी इस विधेयक को संविधान सम्मत नहीं होने का हवाला देते हुए लौटा दिया था.

समस्या राज्य के 81 कॉलेजों में प्राचार्य नहीं, प्रभारी के भरोसे चल रही है सारी व्यवस्था

6 विवि के 90 कंस्टीट्यूएंट कॉलेजों में से केवल 9 में ही स्थायी प्राचार्य

रजनीश प्रसाद ।रांची

झारखंड के आठ विश्वविद्यालयों में कुल 90 कांस्टीट्यूएंट कॉलेज हैं, जिनमें से केवल 8 में ही स्थायी प्राचार्य कार्यरत हैं. बाकी के कॉलेजों में विश्वविद्यालय की ओर से प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किए गए हैं, जो कॉलेज का प्रशासनिक और वित्तीय कार्यभार संभाल रहे हैं. झारखंड में राज्य सरकार के 8 विश्वविद्यालय हैं, जिनमें से 6 विश्वविद्यालय ही कॉलेजों को एफिलिएशन (संबद्धता) दे सकते हैं. बाकी के दो विश्वविद्यालय संबद्धता (एफिलिएशन) नहीं दे सकते हैं. इन 6 विश्वविद्यालयों के अंतर्गत 90 कांस्टीट्यूएंट कॉलेज आते हैं. कॉलेजों में स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति जेपीएससी द्वारा की जाती है. राज्य गठन के छह साल पहले संयुक्त बिहार के दौरान 1994 में बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने कंस्टीट्यूएंट कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्ति की थी.उस वक्त दक्षिण बिहार यानी अभी के झारखंड के कंस्टीट्यूएंट कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्ति की गयी थी.

लेकिन झारखंड अलग राज्य का गठन होने के बाद बिहार की तर्ज पर झारखंड में विश्वविद्यालय सेवा आयोग का गठन नहीं किया गया. नतीजतन कंस्टीट्यूएंट कॉलेजों के प्राचार्य रिटायर होते गए, लेकिन उनकी जगह नए प्राचार्य नहीं बनाए जा सके. प्राचार्य का पद प्रभार के भरोसे से चलता रहा.

2017 में जीपीएससी ने प्राचार्य की नियुक्ति की थी

झारखंड अलग राज्य बनने के बाद पहली दफा 2017 में जेपीएससी ने प्रिंसिपल की नियुक्ति के लिए अधिसूचना जारी की थी.पहली दफा कॉलेजों के प्राचार्यों की नियुक्ति की गयी थी. धीरे-धीरे कांस्टीट्यूएंट कॉलेजों के प्राचार्य रिटायर करते गए, लेकिन नए सिरे से प्राचार्य की नियुक्ति नहीं की गयी. प्रभार के भरोसे ही काम चलाया जाता रहा. इससे पहले एकीकृत बिहार के समय वर्ष 1994 में प्रिंसिपल के पद पर नियुक्ति हुई थी.

किस विश्वविद्यालय के अंतर्गत कितने कंस्टीट्यूएंट कॉलेज

रांची विश्वविद्यालय	18
बिनोद बिहारी महतो विवि	13
कोल्हान विश्वविद्यालय	20
विनोबा भावे विश्वविद्याल	12
नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय	07
सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय	20

किस विवि के कितने कॉलेजों में स्थायी प्रिंसिपल

रांची विश्वविद्यालय	03
बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विवि	01
सिदो -कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय	01
विनोबा भावे विश्वविद्यालय	01
नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय	01
कोल्हान विश्वविद्यालय	02

प्रभारी प्राचार्य को सारे काम कुलपति

विश्वविद्यालय द्वारा कॉलेजों में जब प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया जाता है, तो उस वक्त कुलपति उन्हें सारे प्रशासनिक व वित्तीय कार्य सहित अन्य जरूरी निर्णय लेने की जिम्मेवारी देते हैं. विवि प्रशासन का दावा है कि प्रभारी प्राचार्य भी कॉलेज की पूरी जिम्मेवारी संभालते हैं. चूंकि उनके पास हर तरह के निर्णय लेने का अधिकार होता है, इसलिए न तो कॉलेज के शिक्षक-कर्मचारियों को किसी तरह की परेशानी होती है और न स्टूडेंट्स को ही.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रविवार, 03 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 6, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 225 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

अलबर्ट एक्का चौक का हुआ सौंदर्यीकरण

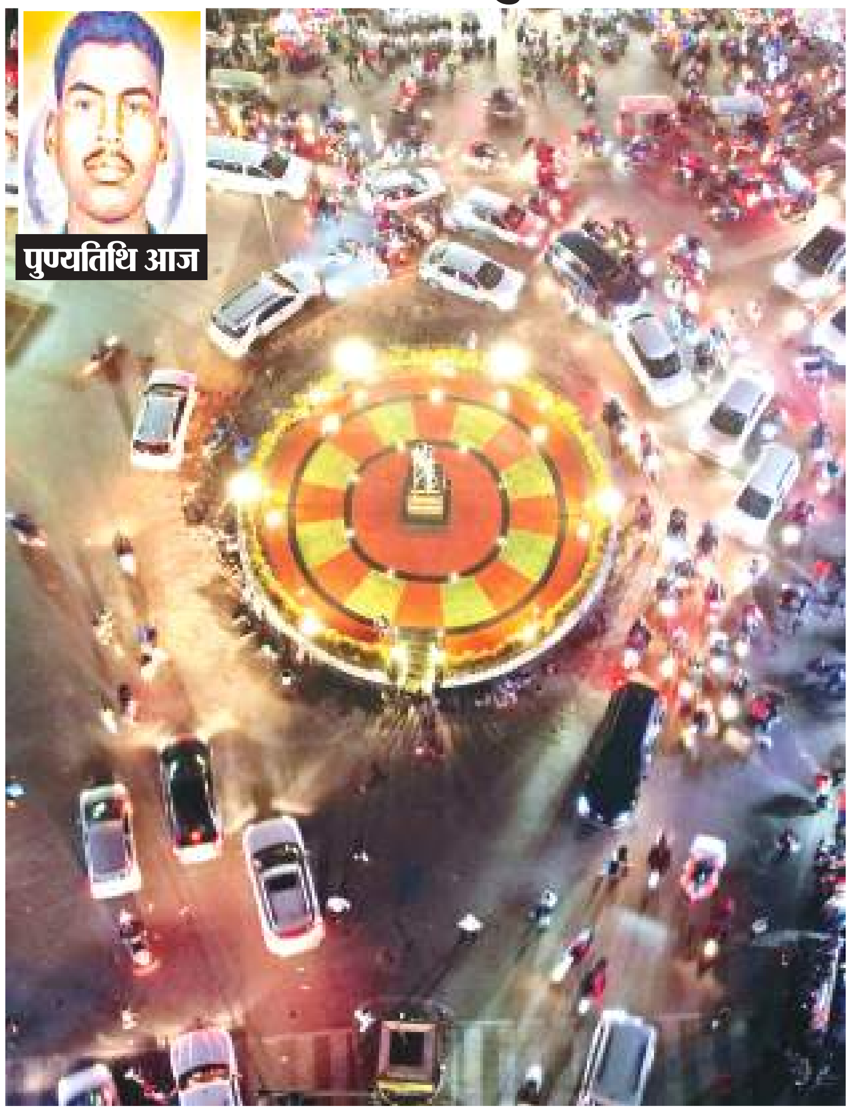

राजधानी रांची के एमजी रोड में अलबर्ट एक्का की प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण किया गया है. पुरानी प्रतिमा को शिफ्ट कर रंग-रोगन किया गया. इसके चारो ओर 150 पौधे लगाए गये हैं. अलबर्ट एक्का चौक अब रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग होगा. गोलंबर के चारों तरफ चमकीले पत्थर लगाए गए हैं. **फोटो-रमीज**

▪ गोविंदपुर में बिहार और झारखंड का इज्तेमा शुरू, लाखों अकीदतमंद जुटे

▪ आखिरी दिन होगी सामूहिक दुआ और करीब 200 जोड़ों का निकाह भी

अमन है इस्लाम का चेहरा

संवाददाता। धनबाद

गोविंदपुर के आसनबनी में शनिवार को तीन दिनी इज्तेमा शुरू हो गया. मुस्लिम समुदाय के एक लाख से अधिक की भीड़ शनिवार यहां उलेमाओं को सुनने के लिए पहुंच चुकी है, जबकि बिहार, झारखंड व बंगाल से अकीदतमंदों के आने का सिलसिला जारी है. इज्तेमा में देशभर के 4 हजार उलेमा शिरकत कर रहे हैं. हर दिन उलेमा यहां पर इस्लाम क्या है और कैसी जिदंगी जीनी है, इस पर चर्चा करेंगे. 100 एकड़ वाली खुली जगह में इज्तेमा हो रहा है. इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए स्थानीय लोग व रांची की टीम सक्रिय हैं. इमाम आलम खान व हाजी मासूक ने बताया कि इज्तेमा का मकसद देश में अमन व भाईचारा कायम करना है, क्योंकि पूरी दुनिया में इस्लाम पर गलतफहमियां फैली हैं. जबकि इस्लाम की मूलभावना ही मोहब्बत व अमन है. बताया कि पूरी व्यवस्था में कोई चंदा नहीं मांगा जाता. 80 हजार के लिए यहां व्यवस्था की गई थी, लेकिन कुछ लोगों को खुले आसमां के नीचे भी रात गुजारनी पड़ सकती है. क्योंकि अनुमान से अधिक की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं.

बता दें कि यह इज्तेमा झारखंड में अबतक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है. सभी जिलों के लिए यहां अलग टेंट बने हैं. एक मुख्यमंच है, जहां से उलेमाओं की तकरीर जारी है. नमाज के वक्त सभी एक साथ नमाज की अदायगी कर रहे हैं. यहां उलेमा दीन-ए-इस्लाम की बातों से लोगों को रूबरू करा रहे हैं. इसके साथ ही दुनिया में कैसी जिंदगी जीनी है. इस दुनिया में एक मुसलमान पर क्या फर्ज हैं, इन फर्ज की अदायगी के लिए क्या-क्या करने हैं, इन बातों को तफसील के साथ बताया और समझाया जा रहा है.

तीन दिनों में करोड़ों का कारोबार

आसनबनी पूरा टेंट सिटी में तब्दील हो चुका है. राज्य भर के सभी जिलों से आने-वाले लोगों के लिए अलग-अलग टेंट बनाया गया है. वहीं बिहार व बंगाल के भी काफी लोग जुटे हैं. इज्तेमा को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों से कारोबारियों का भी जुटान हो गया है. दैनिक जरूरत की लगभग सभी चीजें वहां उपलब्ध हो रही हैं. सिर्फ खाने-पीने के पचास से भी अधिक होटल खुल गए हैं. तीन दिनों तक यहां पर करोड़ों के कारोबार होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए व्यापारी यहां पहुंच रहे हैं.

तौल कर बिक रहा मुरादाबादी कंबल

यहां आए कारोबारियों में से मुरादाबादी कंबल की दुकानों में खासी भीड़ दिखी. यहां किलो में तौलकर कंबल बेचा जा रहा है. तीन सौ से पांच सौ रुपये किलो तक का कंबल मिल रहा है, जबकि गर्म कपड़े की भी दर्जनों दुकानें हैं. कोलकाता के कई मिठाई वाले अपनी दुकान सजाए हैं. ताजी सब्जियों से लेकर राशन तक की दुकान यहां लगी हैं. टोपी, लुंगी, कुर्ता, पजामा आदि की बहुत सारी दुकानें लगी हैं. यूपी के बस्ती के रहने मो. साद ने ड्राईफ्रूट की दुकानें सजाई हैं. बहराइच का हलवा-पराठा का स्वाद लेते लोग दिख रहे हैं. मुरादाबाद हैदराबाद, कोलकाता की बिरयानी भी खूब बिक रही है. जबकि अपने-अपने जिले के स्टाल पर भी 30 रुपये से लेकर 50 रुपये तक खाना उपलब्ध कराया जा रहा है.

रांची के 600 युवा संभाल रहे ट्रैफिक की जिम्मेवारी

आसनबनी में हो रहे इज्तेमा में सैकड़ों वाहन आ चुके हैं. यातयात व्यवस्था की कमान रांची की टीम के 600 युवाओं ने संभाल रखी है, जबकि जिला पुलिस की भी पूरे इलाके में तैनाती की गई है. गोविंदपुर मुख्य मार्ग से आसबनी जाने वाले रास्ते में अन्य धार्मिक स्थलों पर भी पुलिस तैनात है. गोविंदपुर जीटी रोड से ही वॉलिंटियर्स की टीम लगी है, ताकि बाहर से आने वाले भटक न जाएं.

दवाओं का फ्री वितरण

इज्तेमा में हर चीज की कीमत है, लेकिन दवा और पानी निशुल्क वितरण हो रहा है. दवा खाने में मौजूद लोगों ने बताया कि इमरजेंसी के लिए एम्बूलेंस की व्यवस्था है और प्रारंभिक उपचार के लिए कुछ लोग तैनात किए गए हैं. नमाज की अदायगी के लिए यहां पर अस्थायी वजू खाने भी बनाए गए हैं, जिनमें एक बड़ा सा टैंक बनाया गया है. आग लगने जैसी आपात हालत से निपटने के लिए अग्निशामक यंत्र भी रखे गए हैं.

ब्रीफ खबरें

बिना परमिट 43 ऑटो एवं 25 ई-रिक्शा जब्त

रांची। ट्रैफिक पुलिस ने 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक बिना परमिट वाले ऑटो और ई रिक्शा के विरुद्ध अभियान चलाया. इस दौरान बिना परमिट के 43 ऑटो एवं 25 ई-रिक्शा जब्त किए गए. जिनसे 5 लाख जुर्माना वसूला जाएगा. एमवी एक्ट की धारा 192ए के अंतर्गत बिना परमिट के ऑटो चलाने पर 10 हजार जुर्माना का प्रावधान है. वहीं बिना रूट परमिट के ई-रिक्शा चलाने पर 5 हजार जुर्माना का प्रावधान है.

अब कॉल सेंटर में सरकार आपके द्वार

रांची। आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान के लिए झारखंड में कॉल सेंटर्स खोले जाएंगे. आईटी विभाग ने इसे लेकर टेंडर जारी किया है. यह कॉल सेंटर 29 दिसंबर को अभियान के समाप्त होने के बाद सक्रिय होंगे. कॉल सेंटर में फोन करने वाले लाभुकों की शिकायतों को सुना जाएगा. उन शिकायतों को तत्काल संबंधित विभाग तक पहुंचाकर सरकार को सूचना दी जाएगी. जिन लाभुकों की शिकायत पर कार्रवाई होगी उनकी लिस्ट तैयार की जाएगी.

जामताड़ा व देवघर के दर्जन भर संदिग्ध हिरासत में

धनबाद। साइबर पुलिस ने जामताड़ा, देवघर व निरसा से साइबर अपराध में संलिप्त होने के संदेह में करीब दर्जन भर से अधिक संदिग्धों को पकड़ा है. शनिवार को एक टीम उपरोक्त इलाकों में गई थी और थाने में दर्ज विभिन्न मामलों के अनुसंधान के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर इनको दबोचा है. पुलिस टीम इन लोगों से पूछताछ में जुटी है. पुलिस फिलहाल बीसीसीएल के डिप्टी मैनेजर के साथ हुई ठगी के मामले में छानबीन कर रही है.

तूफान से दक्षिण जाने वाली कई ट्रेनें रद्द हुईं

रांची। चक्रवात माइचोंग के कारण रेलवे ने साउथ इंडिया जाने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. **ये ट्रेनें रद्द रहेंगी :** ट्रेन संख्या 03357 बरौनी-कोयंबटूर साप्ताहिक ट्रेन (वाया-रांची) 2 को रद्द रहेगी), ट्रेन 03358 कोयंबटूर - बरौनी साप्ताहिक ट्रेन (वाया-रांची) 6 को रद्द रहेगी. 13351 धनबाद - अल्लापुझा ट्रेन 3 और 4 को रद्द रहेगी. 13352 अल्लापुझा-धनबाद 6 और 7 को रद्द रहेगी. 18637 हटिया- विश्वईश्वरैया, बेंगलुरु, 2 को हटिया से रद्द रहेगी.

4 महीने बाद खत्म हो जाएगा स्कूलों का सत्र

17 लाख बच्चों को अबतक नहीं मिली है पोशाक राशि

सूरत-ए- हाल

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के 8 महीने खत्म होने के बाद भी आधे से अधिक स्कूली बच्चों को पोशाक राशि नहीं मिली है. शिक्षा विभाग की ओर से जुलाई महीने में ही 3493400 बच्चों के लिए पोशाक राशि स्कूलों को उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन अभी भी करीब 17 लाख बच्चों को पोशाक की राशि नहीं मिली है. नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने में अब सिर्फ 4 महीने बचे हैं. ऐसे में जिला के अधिकारी रेस हो गये हैं और दोषियों पर कार्रवाई करने का सिलसिला शुरू हो गया है. झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना की ओर से सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों को कई बार इस संबंध में रिमाइंडर भी भेजा गया था. अब सत्र के समाप्ति से पहले जिला शिक्षा पदाधिकारियों ने कोरम पूरा करने के लिए उन स्कूलों के हेडमास्टर पर कार्रवाई करनी शुरू कर दी है, जिन स्कूलों में बच्चों को पोशाक की राशि नहीं मिली है. हेडमास्टरों के वेतन पर भी रोक लगाया जा रहा है.

पोशाक राशि लेकर भी कई बच्चों ने नहीं खरीदी ड्रेस : बच्चों को पोशाक राशि डीबीटी और कैश दोनों माध्यम से दिये जाते हैं. क्लास 1 और 2 के बच्चों का बैंक अकाउंट नहीं होने के कारण उन्हें विद्यालय प्रबंधन समिति के माध्यम पोशाक राशि दी जाती है. क्लास 3 से 8 के बच्चों को डीबीटी के माध्यम से पोशाक राशि उनके खाते में दी जाती है. क्लास 9 से 12 के बच्चों को भी डीबीटी से ही राशि दी जाती है.

1 से 12 के बच्चों को मुफ्त ड्रेस देने का है प्रावधान

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले क्लास 1 से 12 तक के बच्चों को सरकार की ओर से मुफ्त पोशाक उपलब्ध कराने का प्रावधान है. क्लास 1 से 8 तक लिए समग्र शिक्षा के तहत प्राप्त राशि से पोशाक उपलब्ध कराये जाते हैं, जबकि क्लास 9 से 12 के बच्चों को राज्य योजना से पोशाक दी जाती है. क्लास 1 से 8 तक के बच्चों को दो सेट स्कूल ड्रेस, एक स्वेटर और एक सेट जूता-मोजा के लिए राशि दी जाती है, जबकि क्लास 9 से 12 के बच्चों को दो सेट स्कूल ड्रेस के लिए राशि दी जाती है. क्लास 1 से 5 के बच्चों को 600 रुपये पोशाक राशि दी जाती है, वहीं क्लास 6 से 8 के बच्चों को 760 रुपये पोशाक राशि दी जाती है.

धनबाद में फिर कांपी धरती शहर में मच गई अफरा-तफरी

संवाददाता। धनबाद

खास बातें

- पहले भी महसूस किए थे धनबाद में कई झटके
- घरों से बाहर निकल आए लोग, देर तक टहलते रहे

धनबाद में एक बार फिर धरती कांपी है. शनिवार सुबह नौ बजकर 8 मिनट पर लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किये. भूकंप की खबर से जिले के कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गयी. लोग घरों से बाहर निकल गये. हालांकि भूकंप से नुकसान की सूचना नहीं है.

मालूम हो कि धनबाद में लगातार भूकंप के झटके महसूस किये जा रहे हैं. इससे पहले 23 नवंबर को भी दोपहर लगभग 3:43 मिनट पर सरायढेला, स्टील गेट, कोयलानगर, कार्मिक नगर, जगजीवन नगर समेत विभिन्न क्षेत्रों में धरती कांपी थी. लोग दहशत में आ गये थे और घरों से बाहर निकल गये थे. हालांकि इस भूकंप से किसी तरह के जान- माल के क्षति नहीं हुई थी.

मलेरिया पीड़ित चुरगी गांव के 11 बच्चे भर्ती

मनोहरपुर

गांव पहुंची मेडिकल टीम, शुरू हुई जांच

संवाददाता । मनोहरपुर

सारंडा के चुरगी गांव में मेडिकल टीम ने शनिवार को मलेरिया पीड़ित दर्जनों बच्चों की जांच की. ब्लड जांच में 11 बच्चे पॉजिटिव पाए गए. इन 11 बच्चों को एंबुलेंस से सीएचसी में भर्ती कराया गया है.

चिकित्सकों की देखरेख में पीड़ितों का इलाज चल रहा. छह दिनों में चुरगी में मलेरिया से दो बच्चों की मौत को मंत्री जोबा मांझी ने गंभीरता से लिया और उनके निर्देश पर डीसी अनन्य मित्तल ने त्वरित कार्रवाई की. वहीं बीडीओ शक्तिकुंज ने भी चुरगी का दौरा कर जायजा लिया. साथ ही मेडिकल टीम से पीड़ित बच्चों का इलाज शुरू करवाया. गांव में सैकड़ों महिला, पुरुष व बच्चों की जांच हुई. अधिकतर लोग वायरल, सर्दी खांसी, बदन दर्द से पीड़ित पाए गए.

समस्या दलमा आश्रयणी क्षेत्र से बाहर निकल जा रहे हाथी, दहशत में ग्रामीण

गांव में घूम रहे हाथियों के झुंड, सैलानी मायूस

दिलीप कुमार। चांडिल

दलमा पहाड़ वन्य जीवों का आश्रयणी है. यह मुख्य रूप से हाथियों के अभयारण्य के रूप में विख्यात है. लेकिन अब जंगली हाथियों का झुंड दलमा के बाहर आबादी वाले क्षेत्र में रहना पसंद कर रहे हैं. दलमा पहुंचने वाले सैलानी जंगल में हाथी नहीं देख पाने से मायूस हो रहे हैं. फिलहाल अनुमंडल क्षेत्र के सिरुम और आसपास में 19 हाथियों का झुंड घूम रहा है. यह झुंड कभी-कभी अलग-अलग होकर भी गांवों में फसलों को निवाला बनाने के लिए घुस रहे हैं. इस क्षेत्र में एक दंतैल हाथी भी घूम रहा है. वहीं ईचागढ़ से सटे तमाड़, सोनाहातु, सिल्ली आदि क्षेत्र में भी 40-42 की संख्या में हाथियों का झुंड घूम रहा है. जंगली हाथियों के झुंड के आबादी वाले क्षेत्र में रहने के कारण लोग दहशत की जिंदगी जीने पर विवश हैं.

चार वर्षों से वापस नहीं लौटे सारंडा से आए हाथी

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र समेत तमाड़, सोनाहातु व सिल्ली क्षेत्र में घूम रहा हाथियों का झुंड चार साल पहले सारंडा से पहुंचा था. झुंड में 40 से 42 हाथी है, जिसमें बच्चे भी हैं. पहले हाथियों के झुंड आकर वापस चले जाते थे, लेकिन पिछले चार वर्षों से हाथियों के झुंड वापस सारंडा नहीं लौटे हैं. ये झुंड दलमा अभयारण्य की ओर भी नहीं जा रहे हैं. मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल में सीमावर्ती जंगली क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वायर फेंसिंग का काम किया गया है. जिसके कारण हाथियों का झुंड पश्चिम बंगाल की ओर भी नहीं जा पा रहा है. हाथी भगाओं दस्ता के अनुसार सिरुम के आसपास विचरण करने वाले हाथियों को कई बार वापस दलमा की ओर पहुंचाने की कोशिश की गयी, लेकिन हाथियों के झुंड उस ओर जा ही नहीं रहे हैं.

दलमा में हैं 60-62 की संख्या में हाथी : रेंजर

दलमा वन क्षेत्र के रेंजर दिनेश चंद्रा ने बताया कि दलमा के तराई वाले क्षेत्र में 60 से 62 की संख्या में हाथियों का झुंड है. जंगल में हाथियों के दिखाई नहीं देने पर उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी हाथियों के झुंड उपरी क्षेत्र की ओर पहुंचने लगेंगे. उन्होंने कहा कि 195 वर्ग किलोमीटर में फैले दलमा में हाथियों को एक स्थान पर देख पाना मुश्किल है. विशाल वन क्षेत्र में हाथियों का झुंड एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जाते रहते हैं. वहीं दूसरी ओर दलमा की तराई में रहने वाले ग्रामीण बताते हैं कि दलमा में सुविधाएं नहीं मिलने के कारण हाथी जंगल छोड़कर आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं.

बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने धनबाद पहुंचे जैप के 55 जवान

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में बढ़ते अपराध को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने जिले को अतिरिक्त बल दिया है. ये पुलिस बल अपराध नियंत्रण की दिशा में अलग-अलग क्षेत्रों में लगाए जाएंगे. बताते चलें कि धनबाद एसएसपी ने संगठित अपराध व विधि व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त बल की मांग की थी. धनबाद में अपराध की हालत देखकर मुख्यालय ने ये मांग पूरी करते हुए जिला को अतिरिक्त बल दिया है. इसी के तहत जैप के पचपन जवानों को धनबाद में तैनात किया गया है. सारे जवानों ने धनबाद पुलिस केंद्र में आकर रिपोर्ट दे दी है. अब इन जवानों की ड्यूटी लगाई जाएगी. इनकी तैनाती व ड्यूटी की विस्तृत रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भेजनी होगी. फिलहाल शनिवार तक ये लोग पुलिस केंद्र में ही थे.

थानेदार खुद करेंगे वाहन चेकिंग : एसएसपी ने शहर के थानेदारों को खुद से वाहनों की चेकिंग करने का निर्देश दिया है. आदेश पाते ही थानेदार सड़क पर उतर गए हैं. शहर के धनबाद, बैंकमोड़ व सरायढेला इलाके में वाहनों की चेकिंग की गई. टाइगर जवानों को भी बाइक वालों की डिक्की चेक करने और नाम,पता, मोबाइल नंबर लिखकर डायरी मेंटेन करने को कहा गया है. धनबाद में आपराधिक वारदातों को देखते हुए पुलिस व्यवस्था चुस्त किया जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल, हालत गंभीर

लातेहार। रांची-चतरा मार्ग पर बारियातू थाना क्षेत्र के बरनी पेट्रोल पंप के पास एक सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना शनिवार की शाम तकरीबन सात बजे की है. जानकारी के अनुसार बालुमाथ से बारियातू जाने के क्रम में एक स्कोर्पियो वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया. बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गये. घायलों की पहचान चंदवा थाना क्षेत्र के मल्हान पंचायत के लोहरसी गांव निवासी बोधन भगत के पुत्र विकास भगत और विष्णु भुइयां के पुत्र रामलाल भुइयां के रूप में की गयी है.

चार को कई पंचायतों में होगा शिविर का आयोजन

लातेहार। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत चार दिसंबर को प्रखंड के विभिन्न पंचायतों मे शिविरों का आयोजन किया जायेगा. चार दिसंबर को लातेहार प्रखंड के मोंगर, चंदवा के माल्हन, बालुमाथ के बालू, बारियातू के शिबला, मनिका के जान्हो, बरवाडीह के छेछा, गारू के मायापुर व महुआडांड़ प्रखंड के दुरूप गांव में शिविर का आयोजन किया जायेगा. डीडीसी आलोक कच्छप ने शिविरों में भाग ले कर योजनाओं की जानकारी व लाभ देने की अपील की.

सड़क निर्माण कार्य की जांच कराने की उठी मांग

लातेहार। शहर के केश्वर आहर में दो महीने पहले ही बने पीसीसी सड़क में दरार आ गयी है. इसे ले कर स्थानीय लोग काफी मुखर हो गये हैं. स्थानीय लोगों ने इस सड़क की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग नगर पंचायत के प्रशासक राजीव रंजन से की है. लोगों का कहना है कि यह एक महत्वपूर्ण पथ है. काफी लंबे अरसे से इस पथ की सुदृढ़ीकरण की मांग की जा रही थी. पहले इस पथ का निमार्ण आरइओ से कराया गया था. बाद में इस पथ का निर्माण नगर पंचायत के द्वारा तकरीबन आठ लाख रुपये की लागत से कराया गया.

विधायक ने रात में किया स्टेडियम का निरीक्षण

लातेहार। आगामी दस दिसंबर को जिला स्टेडियम में मोहन बागान एवं बंगाल इलेवन के बीच सदभावना फुटबॉल मैच खेला जायेगा, जिसके आयोजन की तैयारियों में स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम दिन रात ल हुए हैं. विधायक बैद्यनाथ राम ने शनिवार की दोहपर जिला स्टेडियम पहुंच कर किये जा रहे तैयारियों का जायजा लिया. जबकि शनिवार की रात तकरीबन सात बजे विधायक पुनः जिला स्टेडियम पहुंचे. वहां उन्होंने रात में किये जा रहे कार्य का जायजा लिया. स्टेडियम में पर्याप्त रौशनी एवं साफ सफाई कराने का निर्देश दिया.

श्री बागेश्वर सरकार का आगमन सौभाग्य की बात

पलामू। शनिवार को गढ़वा एवं मेदिनीनगर के बीच औरनार ग्राम में वहां के प्रबुद्ध लोगों ने ग्राम सभा कर कहा कि यह पलामू ही नहीं पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है कि श्री बागेश्वर सरकार झारखंड में पहली बार वह भी पलामू की धरती पर आने का निमंत्रण स्वीकार किए है. ग्राम सभा में सभी प्रबुद्ध लोगों ने निर्णय लिया कि यहां निजी जमीन हम सबों का लगभग 500 एकड़ है, जो हम पूरे गांव वाले सहर्ष इस कार्यक्रम के लिए अपनी भूमि देने को तैयार हैं. सभी लोगों ने कहा कि सरकार एवं जिला प्रशासन जल्द इसकी अनुमति दे.

विभाग और संवेदक के उदासीन रवैये के कारण हर घर नल जल योजना हो रही है फ्लॉप

संवेदकों पर शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

संवाददाता । चंदवा

ठेकेदार भागा

- हर घर नल जल योजना में बिचौलियागिरी हो रही है
- लिपिक ही संवेदकों के अधूरे कार्य पर पर्दा डालते हैं

कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने चटुआग गांव में सरकार की हरघर नलजल योजना का जायजा लिया. कहा कि सरकार घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन पर जोर दे रही है. हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए गांव-गांव में टावर टंकी पाईप नल के सहारे पानी की सप्लाई देने का प्रयास किया जा रहा है. सरकार के इस प्रयास से ग्रामीणों को लगा था कि अब घर तक पहुंच शुद्ध पेयजल योजना का लाभ मिलेगा. लेकिन ऐसा नहीं हो सका. विभाग और संवेदक मिलकर इन गांवों में जल जीवन मिशन का हाल खराब करके रख दिए हैं.

विभाग और संवेदक के उदासीन रवैये के कारण यह योजना फ्लॉप हो रही है. शिकायत के बाद भी इस पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है. विभाग के प्रधान लिपिक हर घर नल जल योजना के कार्य में बिचौलियागिरी कर रहे हैं. जब विभाग के लोग ही बिचौलियागिरी करने लगे हैं तो योजना का क्या हश्र होगा, इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है. कहा कि प्रधान लिपिक ही संवेदकों के घटिया कार्य और अधूरे कार्यों पर पर्दा डाल देते हैं. संवेदकों पर शिकायतों का भी प्रधान लिपिक ही मैनेज करा देते हैं.

इसलिए संवेदक अधूरे कार्य छोड़कर भाग गए हैं. अयुब खान ने संभावना जताई है कि विभाग और संवेदक द्वारा योजना में जमकर राशि की बंदर बांट किए जाने की संभावना है. पाइप तो घरों तक पहुंचा दिया गया है, लेकिन पानी कई इलाकों के ग्रामीणों के घरों में अब भी नहीं पहुंच पाई है. काम अधूरा पड़ा हुआ है. जिससे ग्रामीणों में काफी नाराजगी है. विभाग के प्रधान लिपिक से जब उन पर लगाये गये आरोप के बारे में जानकारी लेने के लिये फोन से संपर्क कि गया तो कहते हैं कि मैं फील्ड का स्टाप नहीं हूं. मेरा फील्ड से कोई लेना देना नहीं है. मेर उपर लगाए गये आरोप गलत हैं.

अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में तकरीबन 70 छात्र रहते हैं

हॉस्टल का हाल है बेहाल बाथरूम है पर पानी नहीं

आशीष टैगोर । लातेहार

समाहरणालय, जहां जिले के आला अधिकारियों का कार्यालय है, ठीक उसके पीछे है अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास. यहां तकरीबन 70 छात्र रहते हैं. हालांकि इसकी स्ट्रेंथ 50 सीटों की है. पिछले फरवरी माह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लातेहार में अपने दो दिवसीय प्रवास में आये थे. अपने प्रवास के पहले दिन सीएम इस छात्रावास में भी गये थे. यहां छात्रों ने एक स्वर में छात्रावास में पानी की समस्या से अवगत कराया था. छात्रों ने शिकायत की थी कि बरसात के दिनों में हॉस्टल की गलियारी व कमरों में पानी टपकते हैं. बेड की कमी है. छात्रों की शिकायत के बाद मुख्यमंत्री ने तत्कालीन उपायुक्त भोर सिंह यादव को छात्रावास को दुरूस्त करने का निर्देश दिया था. उनके निर्देश के बाद भवन का तो रंग रोगन कराया गया, लेकिन अन्य समस्याओं को दूर नहीं किया गया.

छात्रावास में चार बाथरूम हैं, लेकिन चारों में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है. ऐसा नहीं है कि यहां नल नहीं लगाये गये हैं. नल भी लगाये गये हैं और बाथरूम में ऊपर टंकी भी लगायी गयी है. लेकिन दीगर बात यह है कि इन बाथरूम में टंकी से कोई कनेक्शन नहीं किया गया है, इस कारण पानी बाथरूम तक नहीं जा पा रहा है. छात्रों को बाथरूम के बाहर लगे नलों से बालटियों में पानी भरकर बाथरूम जाना पड़ता है. हालांकि वार्डन संतोष कुमार ने पूछे जाने पर कहा कि कनेक्शन किया गया था, लेकिन छात्रों के द्वारा नल खुला छोड़ देने से टंकी का पानी बेकार बह जाता था, इसलिए कनेक्शन हटा दिया गया है.

काट दिया गया है पाइप लाइन

समाहरणालय के पीछे ही इवीएम हाउस बनाया गया है. छात्रों ने बताया कि जिस समय इवीएम हाउस की बुनियाद खोदी जा रही थी, उस समय छात्रावास के लिए शहरी जलापूर्ति के तहत बिछाये गये पाइप लाइन को मजदूरों ने काट दिया था. उसके बाद से छात्रावास में इस पाइप लाइन से पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है. छात्रों ने बताया कि पाइप लाइन से जिस पानी की आपूर्ति की जाती थी, वह बेहतर थी, अब उन्हें डीप बोरिंग का पानी पीना पड़ रहा है.

चहारदिवारी के अंदर मिली बीयर की बोतलें

गुरुवार को शुभम संदेश के संवाददाता अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में स्थिति का जायजा लेने पहुंचे. उन्होंने छात्रावास के एक परिसर में चहारदिवारी के पास कुछ बीयर की बोतलें और सिगरेट का पैकेट पाया. इस संबंध में पूछे जाने पर वार्डन संतोष कुमार ने तो पहले अनभिज्ञता जाहिर की. जबकि संवाददाता ने उन्हें तस्वीरें दिखायीं तो उन्होंने कहा कि बाहर के लड़के आकर यहां यह सब करते हैं. उन्होंने इसकी शिकायत की है.

उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित नहीं रहेंगे आकाश

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पंड़वा में आकाश कुमार अब उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज को दिशा देने का कार्य करेंगे. उनका यह सपना अब सरकार होता दिख रहा है. यह संभव हो रहा है, सरकार द्वारा संचालित "गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड" योजना से. आकाश ने बताया कि स्नातक की डिग्री लेने के बाद आर्थिक कर्मियों के कारण उन्हें उच्च शिक्षा का रास्ता नहीं दिख रहा था, लेकिन गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लागू होने से उनके मन में उच्च शिक्षा के प्रति रुचि जागृत हुई. उन्होंने बताया कि प्रचार- प्रसार के माध्यम से पता चला कि सरकार द्वारा गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना संचालित की जा रही है. आर्थिक कमियों के कारण जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते थे, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें.

सेविका के चयन में अनियमितता का आरोप

हुसैनाबाद। आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका चयन प्रक्रिया पूरी तरह विवादों में है. एक दिसम्बर को शहर के वार्ड नंबर- 3 के रामबीघा में आम सभा हुई थी. ग्रामीणों ने चयन प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाया. ग्रामीण अनुमंडल कार्यालय पंहुच कर पलामू उपायुक्त के नाम पत्र लिखकर अनियमितता कि आरोप लगाया. ग्रामीणों ने पत्र में लिखा है कि अंचलाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना के पदाधिकारियों ने बिना बैठक की सूचना दिए हुए रजिस्टर में हस्ताक्षर करवाया और पूर्व से फिक्स अभ्यर्थी का फॉर्म लेकर चलते बने, अन्य लोगों को बिना कोई ठोस कारण बताए अयोग्य घोषित कर दिया गया. ना कोई समर्थन, ना कोई जनमत फिर आम सभा किस बात की.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- 5वां वैश्विक आयुर्वेद महोत्सव कहां आयोजित हुआ – **केरल**
- भारत की पहली महिला सहायक-डी-कैंप (एडीसी) – **मनीषा पाढ़ी**
- इंडिका की रचना किसने की थी – **मैगस्थनीज**
- टाइगर स्टेट किस राज्य को कहा जाता है – **मध्य प्रदेश**
- ट्विंकल खन्ना की नई पुस्तक का नाम – **वेलकम टू पैराडाइज**
- नयी दिल्ली में जल इतिहास उत्सव किस मंत्रालय ने आयोजित किया – **जल शक्ति**
- त्रिपिटक साहित्य किस धर्म से संबंधित है – **बौद्ध धर्म**
- वेस्टइंडीज के क्रिकेटर ने संन्यास लेने की घोषणा की – **शेन डॉरिच**
- 13वां सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 2023 का विजेता – **पंजाब**
- किस मुगल सम्राट ने सबसे पहले तंबाकू का सेवन किया था – **अकबर**

मंत्री ने लिया दो गरीब और असहाय परिवारों को गोद

संवाददाता । गढ़वा

खास बातें

- परिवारों को 6-6 हजार रु सहयोग राशि प्रदान किया
- परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे मंत्री

गढ़वा विधायक और पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने जिले के दो गरीब असहाय परिवारों को गोद लिया है. मंत्री के निर्देश पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे एवं अन्य नेताओं ने शनिवार को इन परिवारों से मिलकर इन्हें सहयोग राशि प्रदान किया. मंत्री अब प्रत्येक माह इन परिवारों को तीन हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान करेंगे. साथ ही इनकी अन्य आवश्यक आवश्यकताओं की भी पूर्ति करेंगे. इसमें एक बेलचंपा पंचायत के मेढ़ना निवासी स्व. रणधीर पासवान का परिवार है.

बताया जाता है कि रणधीर पासवान की कुएं में डूबने से मौत हो गयी थी. उनके परिवार में कमाने वाला कोई नहीं बचा था. दूसरा परिहार पंचायत के ग्राम बलीगढ़ निवासी गोरख राम एवं उसकी पत्नी अनीता देवी थी. दोनों की मौत हो गई थी. परिवार में सिर्फ वृद्धा मालती कुंवर एवं तीन बच्चे हैं. जिनका भरण-पोषण मुश्किल हो गया था. मंत्री ने इन दोनों परिवारों को गोद लिया है. साथ ही इन परिवारों को मंत्री ठाकुर की ओर से छह-छह हजार रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया. इन परिवारों को प्रतिमाह तीन हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान किया जाएगा. इस संबंध में मंत्री ठाकुर ने कहा कि कई ऐसे परिवार हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब है या पूरी तरह से बेसहारा हैं. जिन्हें अपने जीवन बसर के लिए भी काफी परेशानी हो रही है.

छात्र का शव रेलवे ट्रैक से मिला

संवाददाता। पलामू

डालटनगंज शहर थाना क्षेत्र के बिस्फुटा रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे ट्रैक से शुक्रवार की देर शाम इंजीनियरिंग के छात्र लव कुमार (21) का शव बरामद हुआ. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे टीओपी 3 के प्रभारी मंटूस महतो और उनके जवानों ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया. शुक्रवार रात तक शव की पहचान नहीं हुई थी. शनिवार सुबह शव की पहचान हुई. इधर, पोस्टमार्टम कराने आए लव के पिता अशोक कुमार ने बताया कि लव को उसके दोस्तों के साथ शुक्रवार की शाम 4.30 बजे पुलिस लाइन के पास एक चाय दुकान में बैठा देखा था. उसके बाद देर शाम उसका शव बिस्फुटा रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे ट्रैक से बरामद होने की सूचना मिली. इस बीच उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई अता-पता नहीं चल पाया था. पुलिस से शव बरामद होने के संबंध में जानकारी मिली. शनिवार सुबह में एमएमसीएच पहुंचकर उसकी पहचान की. मृतक के पिता ने बताया कि लव रांची में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर डालटनगंज में अभी कंम्प्यूटर की तैयारी कर रहा था.

आयोजन प्रति वर्ष तीन दिसंबर को मनाया जाता है विश्व विकलांग दिवस

दिव्यांगों के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत

आशीष टैगोर। लातेहार

तीन दिसंबर को पूरे विश्व में दिव्यांगता दिवस मनाया जाता है. आंकड़ों के अनुसार पूरे विश्व में 45 करोड़ से अधिक दिव्यांगता हैं. भारत में दिव्यांगता की संख्या नौ करोड़ पार गयी है. हालिया सर्वे में लातेहार जिला में आठ हजार से अधिक दिव्यांग चिन्हित किये गये हैं. इसमें बच्चों की संख्या सबसे अधिक है. शारीरिक व मानसिक विकलांगता के कई कारण बताये जाते हैं, लेकिन उनमें प्रमुख कुपोषण, अशिक्षा, संक्रमण, गरीबी एवं मूलभूत चिकित्सीय अभाव होना बताया जाता है.

दिव्यांगता को लेकर कई तरह की भ्रांतियां हैं

यह बात तो स्पष्ट है कि चाहे वह शिक्षित वर्ग हो या अशिक्षित, ग्रामीण हो शहरी सभी वर्गों में दिव्यांगता को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां हैं. ऐसे में दिव्यांग समाज में अपने आप को सहज महसूस नहीं कर पाते हैं. कई बार तो उन्हें खुद उनके परिवार द्वारा तिरस्कार किया जाता है. उसे वह सहयोग नहीं मिल पाता है, जिसकी वह अपेक्षा करता है. आज जरूरत है दिव्यांगों के प्रति नजरिया बदलने की. उनमें दया एवं सहानुभूति की बजाय सहज मानवीय दृष्टि एवं रचनात्मक व्यवहार विकसित करने की.

4706 दिव्यांगों को मिलती है दिव्यांगता पेंशन

जिले के कुल 4708 दिव्यांगो को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिया जाता है. सामाजिक सुरक्षा के प्रभारी मोहनलाल मरांडी ने बताया कि इनमें स्वामी विवेकानंद प्रोत्साहन राशि के तहत 3743 एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के तहत 965 दिव्यांगों को राशि दिया जाता है. इंदिरा गांधी पेंशन योजना के तहत बालूमाथ में 149, बारियातू में 73, बरवाडीह में 126, चंदवा में 116, गारू में 49, हेरहंज में 159, लातेहार में 159, महुआडांड़ में 52, मनिका में 167, सरयु में 38 दिव्यांगों को पेंशन राशि दी जाती है.

समाज में कई हैं ऐसे प्रेरणादयी उदाहरण

समाज में कई ऐसे दिव्यांग हैं जो औरो के लिए प्रेरणादायी है. दृष्टि बाधित गौतम पाठक आज समाज के लिए एक उदाहरण है. लातेहार में पढ़े-पले गौतम पाठक आज एक राजस्व अधिकारी हैं और बखूबी अपना काम करते हैं. उन्होने शुभम संदेश से बात करते हुए कहा कि अगर मन में कुछ करने की ललक हो तो शारीरिक बाधाएं कुछ भी नहीं कर सकती हैं. दृष्टि बाधित निशि रानी संगीत के क्षेत्र में एक जाना पहचाना नाम है.

CLASSIFIED

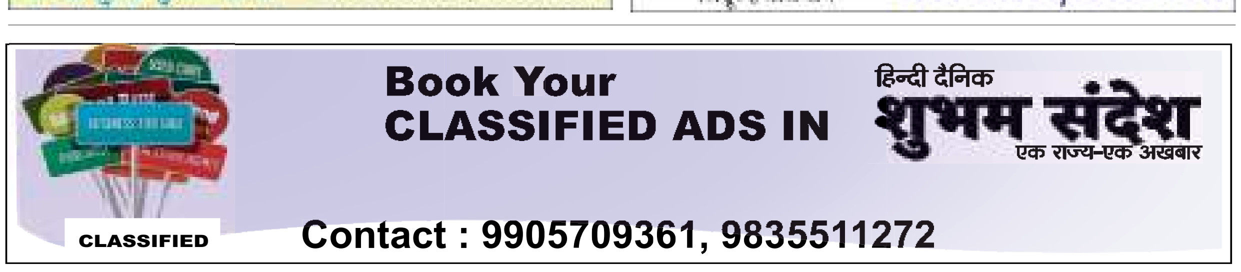

वकील के रूप में डॉ राजेंद्र प्रसाद ने जो मिसाल पेश की, वह अविस्मरणीय है

आज डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती यानि अधिवक्ता दिवस

देश के पहले राष्ट्रपति सह अधिवक्ता डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती (जन्मदिन) को अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाते हैं देश भर के वकील. डॉ राजेंद्र प्रसाद एक कुशल अधिवक्ता थे, गरीबों के केस-मुकदमे निःशुल्क लड़ा करते थे. जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के मकसद से ही वकालत करते थे और फीस के रूप में लोग जितने भी पैसे उन्हें दिया करते थे, उसे सहर्ष स्वीकार कर लिया करते थे. फीस को लेकर कभी कोई सवाल नहीं करते थे. उन्होंने फीस को कभी प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि गरीबों को सहज-सुलभ न्याय दिलाने में विश्वास किया. वकालत के पेशे में उन्होंने मिसाल कायम की. पेशे में कभी कोई गलती हुई, तो उसे स्वीकारा भी. माना कि उनसे गलती हुई. उनकी इन्हीं खासियतों की वजह से देश भर के वकील उन्हें अपना आदर्श और प्रेरणास्रोत मानते हैं और उनकी जयंती को अधिवक्ता दिवस के रूप मनाते हैं. पूर्व में छोटे स्तर पर अधिवक्ता दिवस का आयोजन हुआ करता था, लेकिन अब बड़े स्तर पर अधिवक्ता दिवस का आयोजन कर वकालत के पेशे में आए बदलावों पर चर्चा-परिचर्चा की जाती है.

परीक्षक ने लिखा था-परीक्षार्थी उनसे ज्यादा जानकार : राजेंद्र प्रसाद इतने कुशाग्र बुद्धि के थे कि उनकी विद्वता के कायल उनके शिक्षक भी थे. लॉ की पढ़ाई के दौरान वे अपने तर्कों से शिक्षकों को न सिर्फ संतुष्ट कर दिया करते थे, बल्कि उन्हें भी कई जानकारियां दे दिया करते थे. पढ़ाई के दौरान जब उन्होंने परीक्षा दी, तो उनकी उत्तरपुस्तिका देख परीक्षक हतप्रभ रह गए. परीक्षा में पूछे गए सवालों के जवाब जिस ढंग से राजेंद्र बाबू ने लिखे थे, उसे पढ़कर परीक्षक सोच में पड़ गए, क्योंकि विद्यार्थी के रूप में राजेंद्र बाबू ने जो जबाव दिए थे, उसमें उनकी (परीक्षक) की जानकारी से भी ज्यादा गहरी व विस्तृत जानकारी थी. उनके जवाब व तर्कों का लोहा परीक्षक ने भी माना. उत्तरपुस्तिका जांचते हुए परीक्षक ने अपनी टिप्पणी में लिखा था- परीक्षार्थी उनसे ज्यादा जानकार है.

अपनी बॉयोग्राफी में गलत केस लड़ने का भी जिक्र किया था : डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में एक गलत केस लड़ने का भी जिक्र किया है. वकालत के पेशे में रहते हुए इतनी साफगोई से अपनी गलतियों को भी सार्वजनिक तौर पर स्वीकार कर उन्होंने वकालत के पेशे से जुड़े लोगों के लिए आदर्श प्रस्तुत किया था. उनकी इन्ही सब खूबियों की वजह से 3 दिसंबर को राजेंद्र बाबू के जन्मदिन को देश भर के वकील अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाते हैं और पेशे में गर्व महसूस करते हैं.

लेखक : राजेश शुक्ल, वाइस चेयरमैन, झारखंड स्टेट बार काउंसिल

▼ ब्रीफ खबरें

फेल हुए डीएसपी और जिला कमांडेंट

रांची। झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में सीधे नियुक्त हुए डीएसपी, होमगार्ड के जिला कमांडेंट, प्रोबेशन पदाधिकारी और कारा अधीक्षक के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था. जिसमें डीएसपी दिवाकर कुमार व रामप्रवेश कुमार और होमगार्ड के जिला कमांडेंट चारो उरांव फेल हो गये हैं. वहीं डीएसपी प्रशांत कुमार, कारा अधीक्षक प्रभात कुमार और प्रोबेशन पदाधिकारी गौरव कुमार प्रशिक्षण में पास हो गये.

घर बनाने के नाम पर गबन का लगाया आरोप

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना अंतर्गत टीचर्स कॉलोनी निवासी अशोक कुमार सिंह ने गोलमुरी गाढ़ाबासा निवासी बाला जी इंटीरियर के मालिक टी शीनू के खिलाफ घर बनाने के नाम पर रुपये गबन करने का आरोप लगाते हुए कोर्ट परिवाद दर्ज कराया है. शिकायत में अशोक ने बताया कि है टी शीनू द्वारा घर बनाने के नाम पर रुपये लिए गए पर घर नहीं बनाया. घटना मई 2023 से लेकर अब तक की है. इधर, कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया है.

कुएं में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

चैनपुर । चैनपुर थाना क्षेत्र के कुड़केल गांव में कुएं में डूबने से गांव के अनिल टोप्पो पिता रामसेवार उरांव उम्र 40 वर्ष की मौत हो गई. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मृतक अनिल टोप्पो वृहस्पतिवार से लापता था. परिजन अपने स्तर से उसकी खोजबीन कर रहे थे इसी बीच शनिवार को ग्रामीणों ने उसका शव उसके खेत में स्थित कुएं में देखा. चैनपुर थाने के एएसआई मदन शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया.

सवारी लदा टेंपो नदी में गिरा, आठ घायल

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के टुडुरमा के समीप सवारी से लदा टेंपो नदी में गिरने से आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, घटना सुबह सात बजे की है. सभी लोग प्रखंड के काटु जामटोली के रहने वाले थे. बताया जा रहा है कि सभी लोग दोना पत्तल बेचने गुमला जा रहे थे, तभी ये हादसा हुआ. घटना की सूचना मिलते ही रायडीह पुलिस मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को अस्पताल भेजवाया.अस्पताल में चिकित्सकों ने बताया कि सभी घायलों का इलाज जारी है.

राम मिंज के रूप में हुई शव की शिनाख्त

रांची । तुपुदाना ओपी क्षेत्र के सौदाग पंचायत स्थित बांदा गांव के सड़क किनारे मिले अज्ञात शव की शिनाख्त भैया राम मिंज के रूप में की गई है. परिजनों के शव का पहचान करने के बाद शनिवार को हत्या का मामला दर्ज कराया गया. पत्थर से कूच कर भैया राम मिंज की हत्या कर दी गयी थी. घटनास्थल से पुलिस ने दाऊली भी बरामद किया है. बताया जा रहा है कि गांव में देर शाम तक सुलेमान तिर्की के घर भैया राम मिंज ने धान ढोने का काम किया. उसने सुलेमान के घर में ही खाना-पीना किया.

देवर ने लाठी से पीट कर भाभी को मार डाला

पलामू । चैनपुर प्रखंड के बसरिया कला में पारिवारिक विवाद को लेकर मारपीट में देवर ने अपनी भाभी को लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी. इसमें गोतनी और भतीजा भी शामिल था. मृतका की पहचान ललिता देवी, पति अरुण प्रजापति के रूप में हुई है. पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और हत्या के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. जमुना प्रजापति (देवर), आशा देवी (गोतनी), वासवा प्रजापति (भतीजा) और नागेश प्रजापति (भतीजा) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

पत्रकारों के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग

खूंटी । कर्रा की प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी द्वारा खूंटी जिले के दो पत्रकारों सोनू अंसारी और गुंजन कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराने के विरोध में खूंटी प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों ने शनिवार को उपायुक्त लोकेश मिश्र को ज्ञापन सौंपकर मामले के निष्पक्ष जांच कराने की मांग की. 30 नवंबर को दोनों पत्रकारों के खिलाफ महिला अधिकारियों से दुर्व्यवहार करने, सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज किया गया था.

नकली शराब बनाने के धंधे का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

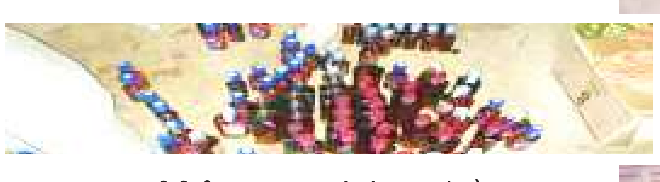

संवाददाता ।गिरिडीह

गिरिडीह पुलिस नकली शराब बनाने के धंधे का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने मनोज साव नाम के व्यक्ति के घर छापेमारी कर अलग-अलग ब्रांड की शराब की बोतलें, स्टिकर और ढक्कन भी बरामद किये हैं. साथ ही इस मामले में पुलिस ने मनोज साव को गिरफ्तार भी किया है. जानकारी के अनुसार, एसपी दीपक शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी कि केमिकल से नकली अंग्रेजी शराब का निर्माण कर उसे विभिन्न होटलों और गिरिडीह जिले के बाहर अन्य क्षेत्रों में सप्लाई किया जा रहा है. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने भरकट्टा ओपी क्षेत्र स्थित चरघरा गांव में मनोज साव के घर में छापेमारी की और नकली शराब बनाने के धंधे का भंडाफोड़ किया.

आओ जानें

किस राज्य में हुई एसिड अटैक की कितनी घटनाएं

आंध्रप्रदेश	: 10	महाराष्ट्र	: 5
अरुणाचल प्रदेश	: 00	पंजाब	: 3
असम	: 5	राजस्थान	: 2
बिहार	: 1	तमिलनाडु	: 2
गुजरात	: 11	उत्तरप्रदेश	: 7
झारखंड	: 2	पश्चिम बंगाल	: 11
कर्नाटक	: 3		
केरला	: 4		
मध्यप्रदेश	: 1		

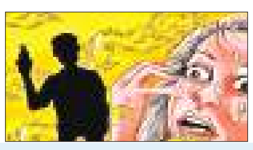

सीआइसी सेक्शन के बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड पर हुई हादसा

मालगाड़ी के चपेट में आने से दो मजदूरों की हुई मौत

रेलवे ट्रैक पर पड़ा दोनों का शव.

संवाददाता ।लातेहार

- दोनों युवक कंचनपुर कोयल नदी के किनारे संचालित दयाल चिमनी ईंट भट्ठे में काम करते थे

सीआइसी सेक्शन के बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड पर बरवाडीह थाना क्षेत्र के केचकी रेलवे स्टेशन के समीप कंचनपुर ग्राम में एक मालगाड़ी की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गयी. दोनों नाबालिग थे. उनकी पहचान गढ़वा जिला के रंका थाना के सीओ ग्राम निवासी गोपाल भुईंया के पुत्र राजन भुईंया (15 वर्ष) और दानीदान गांव निवासी महेंद्र भुईंया के पुत्र मनोज भुईंया (14 वर्ष) के रूप में की गयी है. घटना शनिवार की दोपहर की है. आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे. बरवाडीह आरपीएफ के एसआई ओपी महतो ने बताया कि दोनों युवक कंचनपुर कोयल नदी के किनारे संचालित दयाल चिमनी ईंट भट्ठा में काम करते थे. उनके परिवार के अन्य सदस्य भी उसी ईंट-भट्ठा के मजदूरी का काम करते थे. दोनों ट्रैक्टर से किसी गांव में ईंट पहुंचाने गये थे. वापस आने के दौरान रेलवे ट्रैक के पास दोनों ट्रैक्टर से उतर गये और बगल के दुकान से खैनी लेकर रेलवे ट्रैक पार भट्ठा जाने लगे. इसी दौरान डाउन लाइन में (रेलवे पोल संख्या 268/20) एक मालगाड़ी के चपेट में आ गये. जिससे घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गयी. बरवाडीह थाना के सब-इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार सरदार पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डाल्टनगंज एमएमसीएच भेज दिया.

भरभरिया बिरूवा टोंटो के पास सड़क दुर्घटना से दो व्यक्ति की मौत

तांतनगर । चाईबासा-भरभरिया सड़क पर मंझारी थाना अंतर्गत बिरूवा टोंटो के पास शुक्रवार शाम सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति की मौके पर मौत हो गयी. जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है. मंझारी पुलिस ने गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को मंझारी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां घायल व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने चाईबासा सदर अस्पताल रेफर किया गया है. वहीं मृतक दोनों का शव को पुलिस ने कब्जे में लिया. शनिवार को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा जायेगा. मृतक दोनों में अनीस गोंड (22), उद्धव नायक (20) शामिल है. वहीं विष्णु नायक (24) गंभीर रूप से घायल हो गया है. सभी मंझारी थाना क्षेत्र के थई गांव के रहने वाले हैं. प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनों केटीएम मोटरसाइकिल से काफी तेज रफ्तार से मंझारी स्थित भरभरिया साप्ताहिक बाजार जा रहे थे. इसी दौरान बिरूवा टोंटो के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर में धक्का मार दिया. धक्का इतना जबरदस्त था कि मोटरसाइकिल का आगे का हिस्से की परखच्चे उड़ गया. दुर्घटना स्थल पर चीख पुकार व कोहराम मंच गई. दुर्घटना की सूचना मिलते ही मंझारी पुलिस प्रभारी अशोक कुमार ने दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और लुहलूहान पड़े तीनों को मंझारी सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया. जहां चिकित्सकों ने अनीस गोंड तथा उद्धव नायक को मृत घोषित किया. गंभीर रूप से घायल विष्णु नायक को चाईबासा सदर अस्पताल रेफर किया गया.

नये आईपीएस को चढ़ा इंटर नेशनल ब्रांड के जूते का बुखार

विनीत आभा उपाध्याय/ सौरभ सिंह।रांची

- कीमत कम कराने के लिए दुकानदार को दिखाई धौंस

झारखंड के एक नये-नये आईपीएस को महंगे और इंटरनेशनल ब्रांड के जूतों का शौक चढ़ा है. लेकिन महंगे जूते के लिए वह अपनी जेब ढीली नहीं करना चाहते. साहब को किसी ने कान में बता दिया कि आपके मनचाहे ब्रांड का जूता एक बड़े मॉल में मिलने लगा है. बस इतना सुनना था कि साहब लाव-लश्कर छोड़ कर चल दिये मॉल की तरफ. मॉल नया-नया था और साहब का शौक भी. जल्दी-जल्दी में साहब मॉल के पहले तल्ले पर स्थित इंटरनेशल ब्रांड के जूते के आउटलेट पर धमक गये. काफी देर के बाद साहब को एक जूता जंचा. साहब ने जूते पैक कर बिलिंग के लिए कहा. लेकिन जैसे ही बिलिंग काउंटर पर बैठे कर्मी ने जूते की कीमत 20 हजार बतायी, साहब के होश उड़ गये. इसके बाद साहब ने रौब दिखाते हुए कहा कि कीमत थोड़ी कम करो. जिसपर बिलिंग काउंटर पर बैठे कर्मी ने असमर्थता जाहिर की.

इतना सुनते ही साहब आग-बबूला हो गये और बिलिंग काउंटर पर बैठे कर्मी को अपनी पहचान बताने लगे. साहब ने कहा हमको पहचानते हो. इस मॉल का मालिक मुझे सलामी ठोकता है. लेकिन इसके बावजूद जूते वाले ने पैसे कम नहीं किये. नतीजन साहब बिना जूता लिये मॉल से निकल गये. वर्तमान में साहब की ठसक काफी ज्यादा है. साहब खुद को पावरफुल समझते हैं और उनको इस बात का गुमान है कि मौजूदा व्यवस्था में उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता. लेकिन उनकी गतिविधियों पर मुख्यालय में बैठे वरीय अधिकारियों की पैनी नजर है.

गोमिया के प्रवासी मजदूर की मुंबई में मौत

बेरमो । बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड क्षेत्र के छोटकी सिधाबारा के एक मजदूर की मुंबई के पोलवा स्थित खारकोपर में शनिवार की रात मौत हो गयी. मृतक गोमिया के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटकी सिधाबारा निवासी भरत महतो का 22 वर्षीय पुत्र अमींद्र महतो है. सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. अमिंद्र महतो मुंबई में हाइवा ट्रक चलाता था. इस घटना को लेकर प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड के नौजवानों की मौत दूसरे राज्यों में लगातार हो रही है. इससे पहले भी कई लोगों की मौत हो चुकी है. रोजी-रोटी की तलाश में वे परदेश जाते हैं. हर रोज झारखंड के किसी न किसी इलाके से प्रवासी मजदूर की दूसरे राज्यों या विदेश में मौत और फंसे होने की खबरें आती रहती है. प्रवासी मजदूरों की सबसे ज्यादा तादाद गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिले से रोजी कमाने गये लोगों की है.

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

संवाददाता | बहरागोड़ा

बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के राजलाबांध पंचायत अंतर्गत कालिया मौज में शनिवार की सुबह एक अज्ञात युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. उक्त घटना की सूचना गाय बकरी चरा रहे स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान दुर्गापद मानकी को दी उन्होंने तत्पश्चात बहरागोड़ा पुलिस को दी. घटना की सूचना पाकर मौके पर बहरागोड़ा पुलिस पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा किया तथा शव वाहन के द्वारा पोस्टमार्टम के लिए जमशेदपुर स्थित सदर अस्पताल भेज दिया गया. जानकारी के अनुसार उक्त शव लगभग 32 वर्षीय युवक की है और शव देखकर यह प्रतीत होता है कि शनिवार की सुबह ही जिया का पेड़ में गमछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या की है. पुलिस घटना की जांच अपने स्तर से करने में जुटी हुई है.

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के पल्हैया गांव में शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी. यह घटना गांव की लालती कुंवर के घर में घटी. इस आगलगी में घर में रखा अनाज व कपड़ा समेत अन्य जरूरी समान जलकर राख हो गया. लालती कुंवर ने बताया कि घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी. आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. उन्होंने बताया कि तकरीबन एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है. सूचना पाकर पंचायत समिति सदस्य बाबूलाल रवि घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने सरकार द्वारा मिलने वाली सहायता दिलाने का भरोसा दिया. बाद में पंचायत सेवक भी घटना स्थल पहुंचे और नुकसान का आकलन किया.

माओवादियों ने की पोस्टरबाजी

संवाददाता ।पलामू

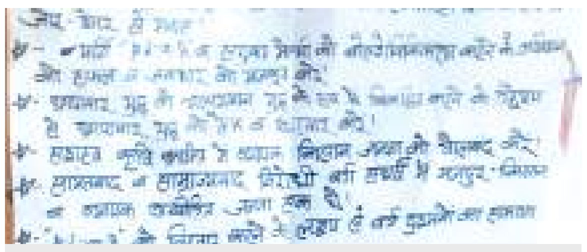

जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सोहदागखुर्द पंचायत में नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों ने सोड़महुआ विद्यालय और नावा बाजार से सोढ़महुआ होते हुए जमारी से मुसीखाप बन रहे पुल-पुलिया पर पोस्टर चिपकाये हैं. पुलिस ने पोस्टर को उखाड़ कर जब्त कर लिया है. चिपकाए गए पोस्टर में नक्सलियों ने 2 से 8 दिसंबर तक जनमुक्ति छापामार सेना (पीएलजीए) की 23वीं वर्षगांठ और 24वीं स्थापना दिवस को साप्ताहिक दिवस के रूप में जोर-शोर से मनाने की अपील की है. पीएलजीए अभियान को सफल व जनाधार को मजबूत करने की बात पोस्टर में लिखी गयी है. पोस्टर में छापामार युद्ध को चलायमान रूप में विकसित करने के उद्देश्य से छापामार युद्ध को तेज व विस्तार करने को कहा गया है. साथ ही मजदूर किसान व व्यापक उत्पीड़ित जनता को सामंतवाद व साम्राज्यवाद विरोधी वर्ग संघर्ष में एक होने पर जोर दिया गया है. पीएलजीए को विस्तार करने के लक्ष्य से दुश्मनों का सफाया कर हथियार जब्त करने की भी बात लिखी गयी है. पीएलजीए को पीएलए में विकसित करने के लिए बड़ी संख्या में युवक-युवतियों को भर्ती करें (भर्ती केंद्र प्रत्येक गांव का स्कूल भवन, सामुदायिक भवन, पंचायत भवन) को बनाने की बात कही है. इसके अलावा अन्य बातें लिखी गई है.

पीएलजीए की वर्षगांठ शुरू, पुलिस सतर्क

रांची। प्रतिबंधित संगठन माओवादियों के मारक दस्ता पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) शनिवार से आठ दिसंबर तक पीएलजी की 23वीं वर्षगांठ मनाएगा. इसे लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस सतर्कता बरत रही है. माओवादियों के विरुद्ध अभियान जारी है. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों को जंगल में सावधानी बरतने को कहा जा रहा है. केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) व भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने पुलिस बल पर हमला करने की बात कही है. इसे लेकर माओवादियों ने पर्चा जारी किया है. इसमें इलाका का विस्तार करने, पूंजीवादी, सामंतवाद व पुलिस के विरुद्ध संघर्ष तेज करने की बात लिखी है.

नाबालिग को मां बनाने वाले आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना अंतर्गत ईस्ट प्लांट बस्ती निवासी 16 वर्षीय नाबालिग ने शुक्रवार को टीएमएच में एक बच्चे को जन्म दिया था. मामला उजागर होने के बाद जमशेदपुर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरु की. इधर, शनिवार को महिला थाना प्रभारी सुषमा कुजूर ने पीड़िता का बयान दर्ज किया जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि साल 2022 में उसकी पहचान पड़ोस में रहने वाले युवक से हुई थी. युवक उसके घर आना-जाना करता था. इसी बीच दोनों के बीच शारीरिक संबंध बना. वह जब तीन माह की गर्भवती हुई तो उसने यह बात युवक को बताई. युवक गर्भवती होने की बात सुनकर बिहार के मुंगेर स्थित अपने गांव चला गया. उसने फोन पर कहा कि वह काम कर रहा है. छुट्टी मिलने पर वह वापस आएगा और फिर शादी कर लेगा.

एडीजी अभियान कल करेंगे समीक्षा बैठक, होगी चर्चा

संवाददाता।रांची

एडीजी अभियान सभी जिलों के एसएसपी, एसपी के साथ चार दिसंबर को समीक्षा बैठक करेंगे. इस बैठक में डायल-112 से संबंधित कार्यों के निष्पादन को लेकर चर्चा की जाएगी.

इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम है डायल-112 : डायल-112 एक इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (इआरएसएस) है. यह केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना है. इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से किसी भी मुसीबत में सिर्फ एक ही नंबर याद रखना होगा और किसी भी समय कॉल कर पुलिस की सहायता ले सकते हैं. वर्तमान में अपराध संबंधित सूचना के लिए डायल-100, आग लगने की स्थिति में डायल 101 और एंबुलेंस के लिए डायल 108 पर संपर्क करना पड़ रहा है. नये प्रोजेक्ट के शुरू होने से अब डायल-112 पर ही सभी सुविधाएं मिल रही हैं.

इन बिंदुओं पर होगी समीक्षा

- आवंटित टैब का उचित संचालन.
- यूपीएस, पावर सप्लाई के संबंध में.
- डीसीसी के डिस्पेचर की कार्य क्षमता और शैली के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण.
- डीसीसी में कार्यरत बल के अतिरिक्त नये पदाधिकारी और कर्मियों की आवश्यकता.
- सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर से संबंधित समस्याओं का निवारण.

छापेमारी कर छह साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

कोडरमा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने मरकच्चो थाना क्षेत्र के तेलोडीह में छापेमारी कर छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक ने यह जानकारी प्रेस-कांफ्रेस में दी. उन्होंने बताया की अपराधियों का गिरोह जिनके द्वारा सिम्पल स्कॉर्ट इंडिया एवं in.schloka.com के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों को लड़कियां उपलब्ध कराने के नाम पर उन्हें झांसे में लेकर उनसे पैसों की ठगी की जाती थी. पुलिस अधीक्षक ने गुप्त सूचना के आधार पर डोमचांच अंचल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर छापेमारी करते हुए एक अभियुक्त सचिन राणा को गिरफ्तार किया. इसकी निशानदेही पर गिरोह में शामिल 5 अन्य अभियुक्तों को भी गिरफ्तार करते हुए इन सभी के पास से कुल 11 मोबाइल फोन व इनमें लगे सिम कार्ड, विभिन्न बैंकों के पांच एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड एवं 20 हजार रुपये नकद बरामद किये गये.

शिकंजा पुलिस ने रंगेहाथ एक साइबर अपराधी को हिरासत में लेकर कर रही है पूछताछ

साइबर हब बनता जा रहा है कुमारधुबी क्षेत्र के बरडंगाल

संवाददाता ।मैथन

कुमारधुबी का बरडंगाल मोची टोला साइबर क्राइम का हब बनता जा रहा है. देश की राजधानी दिल्ली सहित अन्य कई राज्यों की पुलिस साइबर क्राइम के मामले में दबिश दे चुकी है. कईयों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज चुकी है. हाल ही में बुबाई रविदास दिल्ली के तिहाड़ जेल से छुटकर आया है. शुक्रवार की देर शाम भी मोची टोला से साइबर क्राइम का मामला सामने आया. दुलाल रविदास अपने घर के छत पर बैठकर साइबर क्राइम को अंजाम दे रहा था. जिसकी भनक कुमारधुबी ओपी प्रभारी संदीप कुमार यादव को मिली. उन्होंने रंगे हाथ दुलाल रविदास को दबोच लिया. इससे पहले भी वह कई बार पुलिस को चकमा देकर फरार हो चुका था. पुलिस को उसकी सरगर्मी से तलाश थी. आखिरकार वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया.

पुलिस उससे पूछताछ कर रही है. उसके पास से साइबर क्राइम में उपयोग लैपटॉप, मोबाइल और अन्य सामान भी बरामद होने की बात कही जा रही है. लेकिन पुलिस जांच की बात कह कुछ भी बताने से इंकार कर रही है. इससे पहले भी चार नंबर रेलवे गेट के समीप पुलिस ने एटीएम कार्ड की खरीदारी करते दो साइबर अपराधी को पकड़ा था. जिसे लेन-देन कर बाद में छोड़ दिया गया था. पहले यहां के युवक साइबर क्राइम को अंजाम देने में एजेंट की भूमिका में थे. उनका काम भोले-भाले लोगों का एकाउंट खुलवा एटीएम कार्ड की व्यवस्था करना था. पिछले माह दिल्ली पुलिस की टीम ने इसका खुलासा भी किया था. कुमारधुबी मुण्डाधौड़ा और बाघाकुड़ी से दो युवकों के एकाउंट का उपयोग साइबर क्राइम में किया गया था. दोनों को दिल्ली पुलिस ने सरकारी गवाह बना लिया था. अब वही एजेंट सीधे तौर पर साइबर क्राइम से जुड़ गये हैं. साथ ही जामताड़ा जाकर ट्रेनिंग भी ली. फिलहाल बरडंगाल के इस मोची टोला को जामताड़ा का ब्रांच माना जा रहा है.

टोला में झोपड़ी की जगह अब दिखता है आलीशान मकान

टोला में एक दो पक्के मकान को छोड़ झोपड़ी थी. यहां के लोगों का मुख्य पेशा जूता-चप्पल की मरम्मत व पालिश तथा गाड़ियों में ग्रीसिंग करना था. लेकिन कुछ लोग साइबर क्राइम से जुड़ गये और रातों रात ठग से अकूत संपत्ति बना ली. झोपड़ी की जगह आलीशान मकान बन गया. बताया जाता है कि टोला के राजनीतिक पहचान रखने वाले कुछ लोग इन्हें संरक्षण देते हैं.

चोरी के 4 आरोपित गिरफ्तार भारी मात्रा में सामान बरामद

- अभियुक्तों की निशानदेही पर एक दुर्घटनाग्रस्त ब्लू रंग की बोलेरो कार एवं पांच मोबाइल बरामद कर ली है

संवाददाता।दुमका

नगर थाना पुलिस ने चोरी की घटना का उद्भेदन करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुन्ना अंसारी, ईदउल सलामत उर्फ सोनू, तुफान खैरा उर्फ गोल्डन एवं शाहरुख अंसारी हैं. इसकी जानकारी एसडीपीओ, सदर मो नूर मुस्तफा ने दी.

उन्होंने बताया कि बीते 19 नवंबर को थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन के समीप पुराना डीआईजी आवास के समीप रहने वाले पीड़ित एसपी महिला कॉलेज के सेवानिवृत्त शिक्षक नरेश चंद्र यादव के लिखित आवेदन पर पुलिस कांड सं-268/23 के तहत 379 भादवि में मामला दर्ज कर अनुसंधान में जुट गई है. दर्ज प्राथमिकी में कार, मोबाइल, लैपटाप, रुपये एवं सोने-चांदी का आभूषण आदि चोरी होने की बात बताई थी.

एसपी के आदेशानुसार एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित कर कांड का उद्भेदन किया गया. गठित टीम ने कांड में चोरी की गई कार जामा थाना क्षेत्र से पुलिस बरामद की. अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम देने की स्वीकार कर लिया. पुलिस ने गिरफ्तार चारों अभियुक्तों की निशानदेही पर एक दुर्घटनाग्रस्त ब्लू रंग की बोलेरो कार एवं पांच मोबाइल बरामद कर ली है.

▼ ब्रीफ खबरें

पाटन में तोरण द्वार का किया शिलान्यास

पाटन (पलामू)। पाटन प्रखंड के ग्राम अकराहा में तोरण द्वार का शिलान्यास विधायक पुष्पा देवी और पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार एवं अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीय डॉ. जनेश्वर उपाध्याय ने मिलकर किया. डॉक्टर श्री जेनेश्वर उपाध्याय द्वारा अपने समय में बनाए गए विष्णु मंदिर के प्रांगण में एक सभा का आयोजन किया गया. इसमें सैकड़ो लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया. कार्यक्रम में संचालनकर्ता मणिकांत उपाध्याय समेत कई लोग मौजूद थे.

सीएम पलामू को लेकर संवेदनशील हैं: राजेंद्र

पलामू। झामुमो के पलामू अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यक्रम की सफलता के लिए चतरा, लातेहार, गढ़वा सहित पलामू जिले के पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और मीडिया को धन्यवाद दिया है. राजेंद्र सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री के दौरे से झामुमो के सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं. एक महीने में दो बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आना दिखाता है कि पलामू को लेकर वे काफी संवेदनशील हैं. पलामू में विकास की गंगा बहा रहे हैं.

शिविर में समस्याओं का हुआ समाधान

सिमडेगा। 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत कोलेबिरा प्रखंड के नवाटोली पंचायत मे शिविर का आयोजन किया गया. मौके पर सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लाभुकों को दिये गये. शिविर में धोती-साड़ी, कंबल, जॉब कार्ड, विभिन्न पेंशन योजना अंतर्गत पेंशन स्वीकृति, सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना के तहत स्वीकृति पत्र, स्वयं सहायता समूह को फूलो झानो आशीर्वाद योजना के तहत चेक का वितरण किया गया.

उपायुक्त ने अस्पताल का किया निरीक्षण

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर ने शनिवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में डीएस सदर अस्पताल डॉ0 हरेन चन्द्र महतो अनुपस्थित पाए गए, जिसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने सिविल सर्जन गढ़वा को डीएस से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया. इससे पूर्व भी उपायुक्त के पिछले निरीक्षण के दौरान भी डीएस अनुपस्थित पाए गए थे. डीसी ने कहा कि स्पष्ट है कि डीएस सदर अस्पताल में प्रायः नहीं रहते हैं.

दारुडीह पंचायत में सरकार आपके द्वार

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड के दारुडीह पंचायत सचिवालय में शनिवार को आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी सुकेशनी केरकेट्टा, अंचलाधिकारी आशीष कुमार साहू, बीपीआरओ विनय कुमार शर्मा तथा मुखिया विगन महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम का संचालन बीपीआरओ विनय कुमार शर्मा कर रहे थे. मौके पर समस्याओं का समाधान ऑन द स्पॉट किया गया.

कांग्रेस नेता रोशन झामुमो में हुए शामिल

रंका (गढ़वा)। रंका प्रखंड के जाने-माने कांग्रेसी नेता रोशन पाठक झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गये. इसके बाद शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता की अगुवाई में उनका अभिनंदन किया गया. इस अवसर पर पूर्व कांग्रेसी नेता और पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के करीबी माने जाने वाले रोशन पाठक को फूल माला और अंग वस्त्र देकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया.

केवि पलामू ने जीती संकुल स्तरीय प्रतियोगिता

लातेहार। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, लातेहार में शनिवार को संकुल स्तरीय मिनी स्पोर्टस का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता मे लातेहार, पलामू, गढ़वा और लोहरदगा केंद्रीय विद्यालयों के 120 छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया. प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय पलामू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर संकुल स्तरीय विजेता घोषित किया गया. जबकि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय लातेहार द्वितीय स्थान पर रहा.

वर्ष 2015 में तत्कालीन बीडीओ मनोज कुमार की उपस्थिति में कार्यालय का हुआ था उद्घाटन

प्रखंड कार्यालय भवन निर्माण के 8 वर्ष बाद हुआ जर्जर

अरुण कुमार यादव। गढ़वा

गढ़वा जिले के खरौंधी प्रखंड का प्रखंड कार्यालय निर्माण के आठ वर्ष बाद ही क्षतिग्रस्त हो गया. प्रखंड कार्यालय का भवन भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ गया है जिसके कारण निर्माण के आठ वर्षो के बाद ही जर्जर हो गया. प्रखंड कार्यालय भवन खरौंधी उद्घाटन के आठ वर्ष बाद ही हुआ जर्जर, जान जोखिम मे डालकर काम कर रहें हैं प्रखंड कर्मी.

खरौंधी प्रखंड कार्यालय भवन का शिलान्यास विगत वर्ष अप्रैल 2005 में किया गया था. जिसकी लागत राशि करोड़ों रुपये थी. इसके संवेदक गढ़वा निवासी उमेश सिंह थे. प्रखंड कार्यालय भवन का निर्माण कराने मे संवेदक को 10 वर्ष बीत गया था. इसके बाद नवम्बर 2015 मे प्रखंड कार्यालय को नये भवन मे शिफ्ट कराया गया था. उस वक्त प्रखंड कार्यालय का नया भवन अधूरा था. शौचालय तक अधूरा था. आज तक शौचालय का निर्माण नहीं किया जा सका. आज प्रखंड कर्मी प्रखंड कार्यालय के ऊपरी तल्ला में भगवान भरोसे ही अपने-अपने कार्यालयों मे बैठकर काम कर रहे हैं. भवन के ऊपरी तल्ले पर दस कमरा और दो शौचालय का कमरा है.

इन सभी कार्यालयों मे छत से पानी टपकता है. इन कमरों की दीवारें फटी हुई हैं. ऊपर का छत का पलास्टर झड़ चुका है. भवन मे पानी का व्यवस्था नहीं है. बिजली वायरिंग तक नहीं हुआ है. बरसात के दिनों मे सरकारी कागजातों को पानी से बचाना मुस्किल हो जाता है. इस भवन मे शौचालय की स्थिति काफी दयनीय है. प्रखंड कर्मी से लेकर जनता तक खुले मे शौच करने के लिए मजबूर हैं. इस भवन मे बने शौचालय के कमरों मे गंदगी का अंबार लगा हुआ है. इस भवन मे विकास मद के पैसों से रंग रोगन तक नहीं कराया गया है.

इधर प्रमुख आभा रानी ने बताया कि पूरे प्रखंड कार्यालय भवन की स्थिति जर्जर है. प्रखंड कार्यालय भवन न पानी, न शौचालय और ना ही बिजली वायरिंग की व्यवस्था है. ऊपर के सभी कमरों मे बारिश के दिनों में पानी टपकता है. सभी कमरों की दिवारों मे दरारें पड़ चुकी हैं. उन्होंने कहा कि इस संबंध मे उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी. जिसमें उच्चाधिकारियों ने मनरेगा से प्रखंड कार्यालय भवन का जीर्णोद्धार करने की बात कही गई थी. लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है.

भवन जर्जर

- इसके संवेदक गढ़वा निवासी उमेश सिंह थे
- भवन का शिलान्यास वर्ष अप्रैल 2005 में हुआ था
- भवन मे पानी की व्यवस्था भी नहीं है

आओ जानें

छतरपुर से कब कौन जीते

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	राजद	मनोज कुमार
2005	जदयू	राधाकृष्ण किशोर
2009	जदयू	सुधा चौधरी
2014	भाजपा	राधाकृष्ण किशोर
2019	भाजपा	पुष्पा देवी

लोग शिविर में आयें और योजनाओं का लाभ लें: सिंह

संवाददाता। लातेहार

मनिका प्रखंड के दुंदु पंचायत मे शनिवार को आपकी सरकार, आपकी योजना, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य बलवंत सिंह, विधायक प्रतिनिधि दरोगी प्रसाद यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी, अंचलाधिकारी संतोष कुमार शुक्ला व प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. संबोधित करते हुए जिप सदस्य श्री सिंह ने सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील ग्रामीणों से की. बीडीओ मनोज तिवारी ने कहा कि प्रशासन के अधिकारी आपके गांव तक पहुंचे हैं. आप आगे आयें और योजनाओं का लाभ लें. उन्होने संबंधित स्टॉल में जा कर योजनाओं की जानकारी हासिल करने की भी अपील की. शिविर में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, मुख्यमंत्री सारथी योजना समेत कई विभागों के स्टॉल लगाये गये थे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेम के बयान पर भाजपा विधायक ने किया पलटवार

बच्चियों को कमाने के लिए बाहर भेजा जा रहा है: पुष्पा

संवाददाता। पलामू

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुस्सा होकर मंच पर अपनी भड़ास निकाली. दरअसल अपने विधानसभा की कुछ समस्याओं को लेकर सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर अपनी बात रखी थी. हमने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि आप एक तरफ रोजगार मेला लगा रहे हैं और दूसरी तरफ पलामू के लोगों की नौकरी छीनी जा रही है.

इसी बात पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुस्सा होकर मंच पर अपनी भड़ास निकाली. पुष्पा देवी ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन की मानसिकता यही दर्शाता है कि वह महिला का सम्मान करना नहीं जानते. एक तरफ़ छतरपुर विधानसभा में पांच सौ पारा शिक्षकों को नौकरी से हटा दिया गया है. वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री रोजगार मेला लगा रहे हैं. बच्चियों को दस हज़ार में बाहर कमाने के लिए भेज रहे हैं. भाजपा विधायक ने कहा कि हमलोग जनप्रतिनिधि हैं. अगर अपनी विधानसभा की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री-मंत्री से नहीं मिल सकते हैं तो फिर किससे मिलेंगे. पुष्पा देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलते हैं तो क्या मुख्यमंत्री भी चुपके-चुपके प्रधानमंत्री से मिलते हैं. आज जब हम मुख्यमंत्री से समस्या को लेकर मिलने गए तो मंच पर कह रहे हैं कि एक बीजेपी महिला विधायक चुपके-चुपके मिलने आई थी. आपको तो शर्म आनी चाहिए कि एक महिला को कैसे अपमानित किया. पलामू की जनता आपको 2024 में सबक सिखाएगी. मुख्यमंत्री को हार का डर सताने लगा है, इसलिए पलामू बार-बार आ रहे हैं. पूरे राज्य में बालू बंद कर प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य को रोक दिया.

अब आवास के नाम पर 2 हज़ार बिचौलिया द्वारा लिया जा रहा है. मुख्यंत्री कहते हैं कि हम महिलाओं का सम्मान करते हैं. पुष्पा देवी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री महिलाओं का सम्मान नहीं, अपमान करते हैं. मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष समेत कई लोग मौजूद थे,.

बोला हमला

- विधायक ने सर्किट हाउस में सीएम से मुलाकात की थी
- पलामू के लोगों की अब नौकरी छीनी जा रही है
- विधायक ने सीएम से मिलकर अपनी बात रखी थी

बिस्मिल्लाह खां की कब्र पर की गई चादरपोशी

बिशुनपुर। बिशुनपुर प्रखंड के ग्राम पतिहारी में स्वतंत्रता सेनानी बिस्मिल्लाह खां की कब्र पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम से चादरपोशी किया गया. स्वतंत्रता सेनानी बिस्मिल्लाह खां आजाद हिंद फौज सुभाष चंद्र बोस के सिपाही थे, जो नेता सुभाष चंद्र बोस से 7 वर्ष उम्र में बड़े थे. जिनका जन्म 1890 ई 0 में अरसली गांव में हुआ था. इनकी शादी बिहार के दानापुर में हुई थी. बिस्मिल्लाह खान के चार पुत्र अनवर अंसारी, मुनव्वर अंसारी, बदरुद्दीन अंसारी और हसन अंसारी हैं. स्वतंत्रता सेनानी बिस्मिल्लाह खां का निधन 107 वर्ष में हुआ था. इस मौके पर अनवर मियां समेत कई लोग थे.

अध्यापकों का आंदोलन आज से: अतुल

संवाददाता। लातेहार

अपनी मांगों को लेकर झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर लातेहार जिले के सहायक अध्यापक 3 दिसंबर से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे. एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार व महासचिव अनूप कुमार ने कहा कि राज्य 62 हजार सहायक अध्यापक वेतनमान की मांग को लेकर तीन दिसंबर से चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर रहे हैं.

तीन दिसंबर को राज्य के सभी सत्ता पक्ष व विपक्ष के विधायक व मंत्री के आवास पर विधानसभा के सभी प्रखंड इकाई की संयुक्त बैठक की जायेगी और मांग पत्र सौंपा जायेगा. दस दिसंबर को सभी जिलों में संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की जायेगी. 16 दिसंबर को सभी सहायक अध्यापक के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से मांगों को लेकर मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षण कराया जायेगा. 19 दिसंबर को विधानसभा का एक दिवसीय घेराव किया जायेगा. जबकि 28 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जायेगा.

सियार के हमले से 5 लोग जख्मी, लोगों में है दहशत

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद प्रखंड के खैरा गांव में आज शनिवार अहले सुबह सियार ने पांच लोगों पर हमला कर दिया. जिससे पांचों लोग बुरी तरह से जख्मी हो गये. घायलों में खैरा गांव निवासी नेपुरी देवी (70 वर्षीय), अर्जुन भगत (75 वर्षीय), सुबी कुमारी (19 वर्षीय), मिंटू रजक (28 वर्षीय) और कृष्णा पाल (66 वर्षीय शामिल है. सभी को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सियार के हमले से महिला ज्यादा जख्मी हुई है. हालांकि वह खतरे से बाहर है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सभी लोग हर दिन की तरह सुबह उठकर अपना-अपना घरेलू काम कर रहे थे. इसी दौरान अचानक वहां सियार आ गया और उसने बैल बांध रहे एक व्यक्ति को काटा. इसके बाद उसने एक महिला पर हमला किया. फिर बारी-बारी से पांच लोगों को काट लिया. चीखें सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और सियार को भगाया. हालांकि घटना के बाद लोगों में भय का माहौल है.

चेटर पंचायत में शिविर का आयोजन हुआ

चंदवा। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को चंदवा प्रखंड के पंचायत चेटर सचिवालय परिसर में सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन जिप सदस्य सरोज देवी, बीस सूत्री अध्यक्ष शुरेश गंझू ,उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार,अंचल अधिकारी जयशंकर पाठक, झामुमो प्रखण्ड सचिव मो इजहार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. शिविर में अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी. जिप सदस्य ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सरकार की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की. वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार ने कहा कि ग्रामीण अपनी शिकायत लिखित रूप से शिविर में रख सकते हैं. उनकी शिकायतों का त्वरित निष्पादन किया जायेगा. साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हें दिलाया जाएगा. राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं.

स्कूलों में साप्ताहिक जांच का आयोजन

संवाददाता। गढ़वा

झारखंड शिक्षा परियोजना के निर्देशानुसार अनुमंडल मुख्यालय के सदर प्रखंड संसाधन केंद्र अंतर्गत सरकारी विद्यालयों के कक्षा 1 से लेकर 12 तक अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं का साप्ताहिक मूल्यांकन बच्चों का लिया गया. मूल्यांकन कार्यक्रम में प्रत्येक सप्ताह बच्चों का अध्यापन किए गए पाठ में से प्रश्न दिए जाते हैं, जिनके उत्तर छात्र-छात्राओं को देना होता है. प्रत्येक सप्ताह यह कार्यक्रम झारखंड शिक्षा परियोजना के निर्देशानुसार सरकारी विद्यालयों में की जाती है. साप्ताहिक मूल्यांकन जांच पर जानकारी देते हुए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रंभा चौबे ने बताया कि प्रखंड के 151 सरकारी विद्यालयों में साप्ताहिक जांच का आयोजन किया जाता है. इस मूल्यांकन जांच परीक्षा करने के पीछे अपने उद्देश्यों को प्रकट करते हुए पदाधिकारी ने कहा कि साप्ताहिक जांच परीक्षा लेने से बच्चों में एक दूसरे को पछाड़ने की प्रवृत्ति बनती है. साथ ही साथ देखा देखी आगे बढ़ाने की सिलसिला कायम होती है. परीक्षा के नाम पर बच्चों की विद्यालय में उपस्थिति बढ़ती है.

विभाग का भी मानना है कि इस तरह के कार्यक्रमों के करने से नियमित रूप से बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि हो रही है. बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए विद्यालयों में राज्य परियोजना के निर्देशानुसार प्रयास कार्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं. प्रयास कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय प्रबंधन समिति तथा संकुल के पदाधिकारी की देखरेख में कार्यक्रम संचालित की जाती रही है. बच्चों के नियमित उपस्थिति विद्यालयों में बन सके, यही कारण है कि प्रयास कार्यक्रम को दिन प्रतिदिन उसके ऊपर फोकस किया जा रहा है. इसके सफल संचालन करने के लिए संकुल स्तर के 10 संकुल प्रभारी को लगाया गया है. वह सभी संकुल के प्रभारी अपने संकुलाधीन विद्यालयों का नियमित अनुश्रवण कर रहे हैं. इस मौके पर संकुल के प्रभारी पंकज कुमार गुप्ता, देवेंद्र नाथ उपाध्याय, राकेश कुमार तिवारी, चंद्रमौली तिवारी, सतीश घर दुबे और देवेंद्र नाथ उपाध्याय मौजूद थे.

दी जानकारी

- कक्षा 1-12 तक के बच्चों का साप्ताहिक मूल्यांकन हुआ
- प्रत्येक सप्ताह बच्चों को पाठ से सवाल दिये जाते हैं

सुगना में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

पाटन (पलामू)। पाटन प्रखंड के सुगना पंचायत सचिवालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार झा, अंचलाधिकारी दीपक मिश्रा, प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, मुखिया मंजू देवी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, समाजसेवी सुरेंद्र कुमार सिंह ने संयुक्त दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. वहां पर सभी विभाग के स्टाल लगाए गए थे. इसमें जन वितरण प्रणाली, श्रम विभाग, गुरु जी क्रेडिट कार्ड, रजिस्ट्रेशन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन, मनरेगा, अबुआ आवास, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, 15वें वित्त आयोग, कल्याण विभाग, एसबीआई, आपूर्ति विभाग, आयुष्मान कार्ड व आधार कार्ड, पेंसन समेत अन्य के स्टॉल लगाए गए थे. शिविर में 10 लोगों को कंबल, 10 लोगों को साड़ी और 10 छात्रों को साईकल का चेक दिया गया. जिसमें 300 से अधिक अबुआ आवास का आवेदन प्राप्त हुआ.

सम्मान श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में महायज्ञ हुआ था

श्री लक्ष्मीनारायण कमेटी के अध्यक्ष हुए सम्मानित

संवाददाता। पलामू

झामुमो युवा मोर्चा ने झामुमो के वरिष्ठ नेता और श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी को, युवा मोर्चा के अध्यक्ष सन्नी शुक्ला के नेतृत्व में महायज्ञ के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया. इस कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के सचिव आशुतोष विनायक ने किया. युवा मोर्चा के युवाओं ने झामुमो के वरिष्ठ नेता देवेंद्र तिवारी का माला पहनाकर और अंगवस्त्र दे कर सम्मान किया. पलामू में हुए श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ में कथा वाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर भी आए थे. इस यज्ञ में लाखों की भीड़ आई थी, परंतु सब कुछ शांतिपूर्वक और ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ. देवेंद्र तिवारी ने युवा मोर्चा के सभी सदस्यों का धन्यवाद देते हुए कहा, झामुमो परिवार के सभी लोग एक दूसरे का साथ देते हैं. इस उत्साहवर्धन से मुझे और अपार ऊर्जा मिलेगी. उन्होंने मंत्री मिथिलेश ठाकुर को भी धन्यवाद दिया. बताया कि मंत्री जी ने यज्ञ समिति का बहुत सहयोग किया. इसके लिए उनका साधुवाद. अध्यक्ष सन्नी शुक्ला ने कहा कि हमारे अभिभावक और पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में महायज्ञ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. इसकी खुशी पूरे झामुमो परिवार को है. इनका मार्गदर्शन युवा मोर्चा को हमेशा मिलता है. देवेंद्र तिवारी का यज्ञ का नेतृत्व करना यह दर्शाता है कि झामुमो सबों को साथ ले कर चलती है. झामुमो नेता के नेतृत्व में सभी कार्य ऐतिहासिक और सफलतापूर्वक संपन्न होते हैं. आशुतोष विनायक ने बधाई देते हुए कहा कि देवेंद्र तिवारी की सफल नेतृत्व की जितनी सराहना की जाए कम है. इतने बड़े यज्ञ का सफल आयोजन करना आसान काम नहीं है. सबों को एकजुट करते हुए उन्होंने जिस तरह से इस महायज्ञ का आयोजन किया है, उसके लिए वो बधाई के पात्र हैं. इस मौके पर उपाध्यक्ष बबलू चौधरी, मुकेश चौधरी, संगठन अरविंद कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी प्रशांत सिन्हा, छात्र मोर्चा के कैशल कुमार, सौरभ पाठक, प्रभात तिवारी और अभिषेक सिंह उपस्थित थे.

किया सम्मानित

- यज्ञ में कथा वाचक देवकीनंद ठाकुर भी आए थे
- श्री लक्ष्मीनारायण कमेटी के अध्यक्ष हैं देवेंद्र तिवारी

स्टेडियम में 10 को होगा सदभावना फुटबॉल मैच

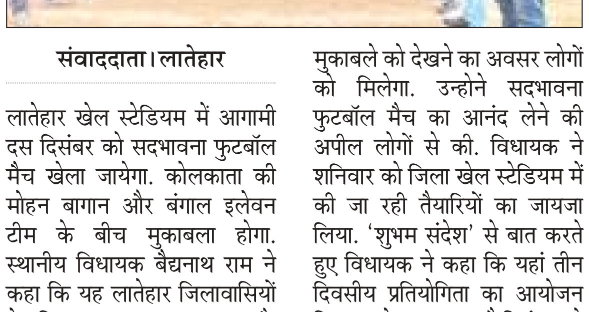

संवाददाता। लातेहार

लातेहार खेल स्टेडियम में आगामी दस दिसंबर को सदभावना फुटबॉल मैच खेला जायेगा. कोलकाता की मोहन बागान और बंगाल इलेवन टीम के बीच मुकाबला होगा. स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम ने कहा कि यह लातेहार जिलावासियों के लिए एक अच्छा अवसर है. राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त दो टीमों के बीच मुकाबले को देखने का अवसर लोगों को मिलेगा. उन्होने सदभावना फुटबॉल मैच का आनंद लेने की अपील लोगों से की. विधायक ने शनिवार को जिला खेल स्टेडियम में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया. 'शुभम संदेश' से बात करते हुए विधायक ने कहा कि यहां तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा. आठ व नौ दिसंबर को प्रखंड स्तरीय विजयी टीम भाग लेगी.

- कम पैसे में कैसे चलेगा, रोज काम नहीं मिलता, लंबे काम की गारंटी नहीं
- मनरेगा से जिंदगी कट सकती है, पर हमारे सपने पूरे नहीं हो सकते

अलग-अलग नाम और शक्ल सूरतें, पर एक सा जवाब

घर में मिले काम तो क्यों जाएं बाहर

झारखंड में पढ़े लिखे बेरोजगारों की एक बड़ी जमात तो है ही, कम या नहीं पढ़े लिखे लोगों के लिए भी काम की बहुत कमी है. यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में लोग काम के लिए दूसरे शहरों में चले जाते हैं. इनके अलग-अलग नाम, शक्ल और सूरतें हैं. पर पलायन पर उनका जवाब एक सा है. कम पैसे में कैसे चलेगा घर, रोज काम नहीं मिलता, यहां लंबे समय तक काम की गारंटी नहीं मिलती . आपको याद होगा कोरोना काल में बड़ी संख्या में झारखंड के मजदूर दूसरों शहरों में फंस गए थे और बहुत मुश्किल से अपने घर लौट पाए थे. तब पता चला था कितनी बड़ी तादात में लोग बाहर जाकर काम करते हैं. हालांकि ऐसा नहीं कि झारखंड में मजदूरी का काम नहीं मिलता . पर ज्यादा पैसा और लंबे समय तक काम के लालच में लोग बाहरी राज्यों में चले जाते हैं. इस समय झारखंड के ज्यादातर मजदूर पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, महाराष्ट्र, चेन्नई जैसे राज्यों में काम के लिए पलायन कर जाते हैं. संथाल परगना से बड़ी संख्या में लोग धान और गेहूं कटाई के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब जैसे राज्यों में चले जाते हैं. दूसरी ओर बहुत से मजदूर परिवार से दूर आंखों में बड़े सपने लिए अन्य राज्यों के महानगरों में जाते हैं और अपनी किस्मत आजमाते हैं. कुछ की जिंदगी थोड़ी आरामदायक जरुर हो जाती है. वहीं कभी कभी वे बड़े हादसे या ठगी का शिकार भी हो जाते हैं. पर सवाल यह है कि अगर इन मजदूरों को अपने राज्य में ही उचित पैसे और सहूलित मिले तो वे बाहर क्यों जाएंगे. सरकार को इस दिशा में सोचने की जरुत है. सरकार का यह दायित्व भी बनाता है कि वे पढ़े लिखे युवाओं के साथ साथ मजदूर वर्ग की भी चिंता करे और रोजगार सृजन के अवसर पैदा करे. मनरेगा जैसी योजना और छिटपुट कामों से ये जिंदा तो रह सकते हैं पर एक स्तरीय रहन सहन, बच्चों की पढ़ाई लिखाई, बड़ी बीमारियों का अच्छे अस्पताल में इलाज, अपना घर जैसे सपने पूरे नहीं हो सकते. शुभम संदेश की टीम ने अन्य राज्यों में जाकर काम करने वाले लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

चांडिल : युवा छऊ कलाकार भी कर रहे हैं पलायन

छऊ नृत्य के होनहार युवा कलाकार रोजगार की तलाश में परदेश पलायन कर रहे हैं. यह राज्य के लिए अफसोसजनक है. विलुप्त होती लोक कला को जीवित रखने वाले कलाकारों को अगर अपना और परिवार का भरण-पोषण करने के लिए परदेश जाकर मजदूरी करना पड़े तो यह समाज और सरकार के लिए दुर्भाग्य की बात है. झारखंड सरकार अगर पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की तर्ज पर लोक कलाकारों को मासिक प्रोत्साहन राशि देती तो शायद ऐसी नौबत नहीं आती. दरअसल, ईचागढ़ प्रखंड के चोगा स्थित नटराज कला केंद्र के सहयोगी कलाकार सुबोध चंद्र प्रमाणिक को परिवार के भरण-पोषण के लिए मजदूरी करने अन्य दो लोगों के साथ गोवा जाना पड़ रहा है. अब वह छऊ नृत्य में भगीदारी निभाने के बजाय गोवा के बीयर कंपनी में काम करेंगे.

नटराज कला केंद्र चोगा, ईचागढ़ के कलाकार सुबोध चंद्र प्रमाणिक खूंटी जिले के अड़की प्रखंड अंतर्गत कुजियामा गांव के रहने वाले है. अंतरराष्ट्रीय छऊ कलाकार प्रभात कुमार महतो ने बताया कि सुबोध छऊ नृत्य के ऑलराउंडर कलाकार है. छऊ के विभिन्न किरदारों में नृत्य करने के साथ वाद्य यंत्रों को बजाने में उन्हें महारथ हासिल है. सुबोध चंद्र प्रमाणिक ने बताया कि बरसात के दौरान काम नहीं मिलने के कारण उसके समक्ष आर्थिक स्थित पैदा हो गई है. परिवार में माता-पिता के अलावा एक छोटा भाई है. बीते वर्ष ही बहन की शादी करवाई थी. गोवा की बीयर कंपनी उन्हें प्रतिमाह 16 हजार रुपये देने के साथ रहने के लिए कमरा देगी. पहले ही दस लोग गोवा जा चुके हैं. अब जब छऊ नृत्य का सीजन आएगा तो वह वापस लौटेंगे.

झारखंड लोक कलाकार संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रभात कुमार महतो के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिलकर कलाकारों को होने वाली परेशानियों से उन्हें अवगत कराया था. इस दौरान पश्चिम बंगाल की तर्ज पर लोक कलाकारों को मासिक भत्ता, पहचान पत्र, सरकार के अन्य विभागों की भांति प्रत्येक जिला में जिला संस्कृति पदाधिकारी, प्रखंड में प्रखंड संस्कृति पदाधिकारी और पंचायत संस्कृति मित्र बहाल करने के लिए आवश्यक करवाई करने से संबंधित आवेदन दिया था. कलाकारों ने राज्य के वृद्ध एवं अस्वस्थ कलाकारों को मासिक पेंशन देने की भी मांग की थी. लेकिन सरकार ने कलाकारों की मांगों को सुनकर भी अनसुना कर दिया. जिसका नतीजा है कि कलाकार अब मजदूरी करने बाहर जाने को मजबूर हैं.

परदेश में जान भी चली जाती है

पलायन करने वाले युवाओं की कई दफा मौत भी हो जाती है बाद में परिवार के लोगों को इसकी जानकारी मिल पाती है इसी साल मार्च महीने में चाकुिलया निवासी पंकज गोप की मौत हो गई. पिछले साल देवा रजवार की मौत हो गई थी.

झारखंड से मजदूरों का पलायन नया नहीं है. कई घटनाएं हैं, जिसमें घर छोड़ कर दूसरे प्रदेश में काम करने गए लोगों की मौत हो गई है. दो दिसंबर 2023 को बोकारो के बेरमो प्रखंड के छोटकी सिधावारा निवासी मजदूर की मौत मुंबई में हो गई. मृतक गोमिया के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटकी सिधाबारा निवासी भरत महतो का 22 वर्षीय पुत्र अमिंद्र महतो है. सूचना मिलते ही परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है. अमिंद्र महतो मुंबई में हाइवा ट्रक चलाता था. इस घटना को लेकर प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड के नौजवानों की मौत दूसरे राज्यों में लगातार हो रही है. इससे पहले भी कई लोगों की मौत हो चुकी है. रोजी-रोटी की तलाश में वे परदेश जाते हैं. हर रोज झारखंड के किसी न किसी इलाके से प्रवासी मजदूर की दूसरे राज्यों या विदेश में मौत और फंसे होने की खबरें आती रहती है. प्रवासी मजदूरों की सबसे ज्यादा तादाद गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिले से रोजी कमाने गये लोगों की है. अभी सऊदी अरब में पांच मजदूर जो फंसे हुए हैं और उन्हें आठ महीने से वेतन नहीं दिया गया है.

पलायन का दंश झेल रहे हैं

रत्नगर्भा झारखंड में आज भी बेरोजगार युवा रोजगार के लिए पलायन का दंश झेल रहे हैं. अपने यहां रोजगार के अभाव में रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में पलायन करते हैं. ऐसे युवाओं में कई को मौत को भी गले लगाना पड़ता है. ऐसा ही एक घटना चाकुलिया प्रखंड की जमुआ पंचायत के माचाडीहा गांव के युवा 25 वर्षीय पंकज गोप के साथ घटी. रोजगार की तलाश में वह गुवाहाटी गया था. परंतु होली के दिन बंगाल से उसकी सड़ी गली लाश घर लाई गई.

केरल में ट्रेन की चपेट में मौत

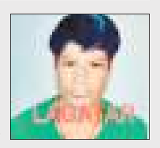

रोजगार के लिए केरल गए गोमिया के 53 वर्षीय देवा रजवार की ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई. वह गोमिया प्रखंड के महलीबांध गांव का रहने वाला था. मृतक की पत्नी सुगिया देवी ने बताया कि वह सोमवार को अपने ही गांव के कुछ लोगों के साथ रोजगार के लिए केरल गया था. शुक्रवार की सुबह ही वे लोग केरल पहुंचे थे. केरल पहुंचने पर वह दोपहर को नहाने के बाद टहलने के लिए निकला था. टहलने के क्रम में वह रेल के पटरी पर चलने लगा, और तभी वह ट्रेन की चपेट में आ गया.

हुसैनाबाद

राज्य में उचित मजदूरी नहीं मिलती है : गोलू चौधरी

अक्षय कुमार चौधरी उर्फ गोलू चौधरी महाराष्ट्र के सोलापुर में काम करते हैं. इनका कहना है कि हमारे झारखंड में रोजगार का सृजन नहीं हो रहा है. दूसरी यह कि झारखंड में हम युवाओं को उचित मजदूरी भी नहीं मिल पा रही है. हम लोग को अगर झारखंड में रोजगार मिलेगा तो दूसरे राज्यों में क्यों जाएंगे. अगर दूसरे राज्यों में काम करने नहीं जाएंगे तो परिवार का भरण पोषण ठीक से नहीं हो पाएगा. झारखंड में युवाओं को उचित मजदूरी नहीं मिलती है. जिसके चलते दूसरे राज्यों में पलायन करना हमारी मजबूरी हो जाती है. हम लोग को भी लगता है कि अगर घर के नजदीकी रोजगार मिले तो दूसरे राज्यों में क्यों जाएं. हम लोग अपनी समस्या को किसके सामने रखें. हमारे यहां जपला सीमेंट फैक्ट्री थी. वहां लोग काम करते थे. वह भी कई वर्षों से बंद पड़ी है. इस फैक्ट्री से हम युवाओं को बहुत आशा थी. लेकिन वह भी समाप्त हो गयी.

धनबाद

राज्य सरकार के तमाम दावों के बाद भी धनबाद जिले में बेरोजगारी का आलम है. ग्रामीण क्षेत्रों के पढ़े लिखे युवा नौकरी के लिए दूसरे राज्य में जाने के लिए मजबूर हैं. गोविंदपुर प्रखंड के कुछ युवाओं से बात करने बताया कि क्या करे घर में जमीन है, पर सिंचाई का साधन नहीं है. बारिश के पानी पर हमलोग आश्रित रहते हैं. मुश्किल से साल में एक फसल उगते हैं. उससे क्या होगा. राज्य गठन के बाद आज तक स्थानीय नीति ठीक से नहीं बनीं, तो रोजगार कहा से मिलेगा. परिवार चलाने के लिए पैसे की जरूरत पड़ती है, मजबूरन हमें दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है. सरकार गांव के युवा के बारे में गभीरता से सोचे तभी समाधान संभव है.

अधिक पगार मिलने के कारण बाहर जाते हैं : हारु

गोविंदपुर प्रखंड के बिराजपूर के ग्रामीण हारु दास ने बताया कि हैदराबाद में पिछले 2 सालों से काम कर रहे हैं. झारखंड मे रोजगार नहीं मिलने से राज्य के बाहर का पलायन करना पड़ा. यहां रोजगार है भी तो कम पैसे मिलते हैं. अभी त्योहार में गांव आया था, फिर से वहीं जाने की सोच रहा हूं. गांव में कुछ है ही नहीं तो यहां रुकने से क्या फायदा. यहां की सरकार जितनी घोषणा करती है, उसका लाभ हम जैसे को कहा मिलता है.

स्थाई रोजगार नहीं, इसलिए दूसरे शहरों में पलायन: उमेश

बिराजपुर निवासी उमेश दास ने बताया कि झारखंड बनने फायदा हमे तो अभी तक नहीं मिला है. यदि यही ठीक ठाक काम मिलता तो बाहर क्यों जाते. अभी चेन्नई के एक कपड़ा मील में काम करता हूं. घर के काम से गांव आया था, अब फिर से जाने का सोच रहा हूं. सरकार आपके द्वार कार्यक्रम करने से क्या होगा, यहां युवाओं को स्थाई रोजगार चाहिए, जो मिलता नहीं है. दिहाड़ी का पैसा भी दूसरे शहरों से कम है, फिर यहां रहने से क्या फायदा.

गांव में आमदनी नहीं, इसलिए बाहर जाना मजबूरी : आनंद

गोविंदपुर प्रखंड के तिलैया पंचायत के निवासी आनंद कुमार महतो ने बताया कि घर में खेती लायक जमीन तो है, लेकिन सिंचाई का साधन कहा है. गर्मी में तो कुंआ भी सूख जाता है, पीने के पानी की दिक्कत हो जाती है, खेती कहा से करे. बारिश के पानी से किसी तरह एक फसल होती है. उससे क्या होगा. अब तो मैं भी गुजरात जाने का सोच रहा हूं. कुछ लड़के पहले से वहां हैं, उन्हीं के साथ जाना है. यहां तो हमको कोई रोजगार नहीं दिख रहा है. सुना है गुजरात में कामगारों को अच्छी पगार मिल जाती है, इसलिए जाने का मन बनाया है.

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सैकड़ों युवा रोजगार की तलाश में देश के अलग -अलग प्रांतों में गए हुए हैं. कुछ युवा काम की तलाश में हैं. बाहर जाने का मन बना चुके युवाओं ने अपनी बात साझा की और कहा कि यहां रोजगार के अभाव में बाहर जाना पड़ रहा है.

बोकारो

बेंगलोर में जाकर काम करने का मन बनाया है : नेपाल करमाली

कसमार प्रखंड के सुरजुडीह निवासी नेपाल करमाली लंबे समय से बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं. उन्होंने बताया कि वे बंगलोर में जाकर अब काम करने का मन बनाया है. उनका कहना है कि घर गांव में काम ही नहीं मिल रहा है तो क्या करें. उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार दिलाने की बात तो सभी प्रतिनिधि व सरकार करती है, इसके बावजूद रोजगार उपलब्ध नहीं हो पा रहा है.

गांव में काम मिलता तो बाहर क्यों जाते : विपिन मुखर्जी

जमशेदपुर में रहकर गाड़ी चलाकर जीविका चलाने वाले कसमार निवासी विपिन मुखर्जी ने बताया कि घर में लगभग एक दशक तक रहे, लेकिन जब रोजगार नहीं मिला, तो जमशेदपुर में आकर गाड़ी चला रहे हैं. गांव घर में काम मिलता तो घर छोड़कर बाहर क्यों आते. उन्होंने बताया कि रोजगार के लिए बाहर में काफी मेहनत करनी पड़ रही है, तब जाकर पेट चलता है.

रोजगार का अभाव है, इसलिए जाना पड़ता है बाहर : इनामुल

कसमार के सुरजुडीह निवासी बिजली मिस्त्री इनामुल हक ने बताया कि वे समय समय पर रोजगार के लिए झारखंड से बाहर पलायन कर जाते हैं. उन्होंने बताया कि यहां रोजगार का अभाव है, साथ ही मजदूरी कम मिलती है.. बाहर जाने पर रोजगार भी आसानी से मिल जाता है एवं मजदूरी भी ज्यादा मिलती है. इस वजह से लोग बाहर जाकर काम करते हैं. कम पैसे में घर कैसे चलेगा.

काम की तलाश में भटक रहे हैं बाहर जाएंगे : सगीर आलम

कसमार के सुरजुडीह निवासी सगीर आलम अंसारी ने बताया कि पिछले एक साल से बोकारो में अलग अलग कम्पनियों व प्रतिष्ठानों में काम की तलाश में भटक रहे हैं, लेकिन अभी तक काम नहीं मिल पाया. लाचार होकर अब धान की कटाई खत्म होते ही दिल्ली पलायन करने की योजना है. उन्होंने बताया कि दिल्ली में गांव के कई साथी भी काम कर रहे हैं, उनसे काम के सिलसिले में बात हुई है.

हजारीबाग

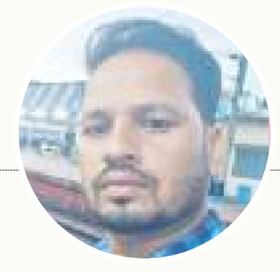

बाहर काम आसानी से मिल जात है, घर चलाना आसान : संतोष पासवान

झारखंड में आज के समय में पलायन एक बड़ी समस्या बन चुकी है.इससे कुछ नुकसान भी होते हैं और पलायन करने से कुछ फायदे भी होते हैं. यदि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शहरों की ओर पलायन करते हैं तो जाहिर सी बात है यहां उन्हें रोजगार नहीं मिलती है. मुंबई में रहने वाले संतोष पासवान का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर लोग खेती, किसानी पर निर्भर रहते हैं. लेकिन आज के समय में किसान पूरी तरह से खेती पर निर्भर नहीं रहना चाहते. क्योंकि समय से बारिश नहीं होने के कारण खेती पर विश्वास नहीं रह गया है. जिस वजह से घर चलना भी मुश्किल हो जाता है.बाहरी शहरों में काम आसानी से मिल जाता है और पैसे भी अच्छे मिलते हैं . जिससे घर चलना आसान हो जाता है.

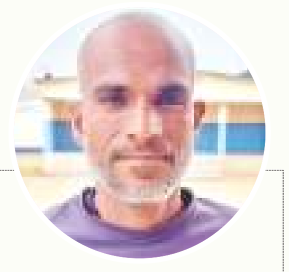

सरकार को रोजगार का सृजन करना चाहिए : राजेश राणा

गोरहर थान क्षेत्र के रहने वाले प्रवासी मजदूर मजदूर राजेश राणा का कहना है कि उनके क्षेत्र में रोजगार के साधन नहीं रहने के कारण परिवार के के भरन पोषण के लिए बाहर जाकर काम करना पड़ रहा है. प्रवासी मजदूरों को महाराष्ट्र, गुजरात जैसे शहरों में रोजीरोटी के लिए परिवार व बालबच्चों को छोडकर जाना पडता है. आज के इस आधुनिक युग में मजदूरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है .रोजगार पाने के लिए झारखंड सरकार को प्रवासी मजदूरों के हित में रोजगार का सृजन करना चाहिए.

जयपुर में अच्छा पैसा मिल रहा है, यहां काम मिलना बहुत मुश्किल : दिलशाद

महाराजगंज के दिलशाद अंसारी पेशे से नाई का काम करते हैं. वह कहते हैं कि कर्ज लेकर दुकान खोले हैं. पर काम कम होने के कारण कर्ज चुका नहीं पा रहे थे. तो जयपुर चले गए. झारखंड में काम मिलना बहुत मुश्किल है .पर जयपुर में काम भी मिल जाता है. पैसा भी अच्छा मिल रहा है .उस पैसे से कर्ज भी चुका रहे हैं . राज्य सरकार को इस दिशा में सोचने की जरुरत है कि कैसे रोजगार का सृजन हो सके. कुछ दिन पूर्व हजारीबाग में श्रम एवं नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता भी पहुंचे थे. उन्होंने कहा था कि हर व्यक्ति को रोजगार देना संभव नहीं है .इसलिए सरकार कौशल विकास योजना चल रही है. कई तरह के कामों के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है. लोगों को जुड़कर लाभ लेना चाहिए. उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि राज्य में रोजगार एक बड़ी समस्या है.

किरीबुरू

यहां काम मिलता ही नहीं है इसलिए बाहर जाते हैं : विनय

विनय दास उर्फ गुंडू (24 वर्ष, पिता स्व. कुंदन दास) ने अपनी बहन डौली थापा की मौजूदगी में बताया कि वह विशाखापट्टनम काम करने गया था. वहां 8 घंटा काम करता था. जिसके एवज में 7-8 हजार रूपये मिलते थे. कंपनी में रहने और खाने की सुविधा थी, लेकिन खाने का पैसा कटता था. यहां कहीं कोई काम नहीं मिलता था. जिस कारण वह काम करने बाहर गया. यहां से जाने के लिये कंपनी भाडा.का पैसा भेजती है तो जाते हैं. वहां हम काम करने वाले लोगों को पानी पिलाने का कार्य करते थे. सारंडा क्षेत्र की तमाम खदानें बंद होने एवं मनरेगा समेत विकास का कोई कार्य नहीं होने से यहां रोजगार नहीं मिलता है. परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है. परिवार में 5-6 सदस्य हैं. सरकारी राशन से जिंदा रह सकते हैं, लेकिन तमाम जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता है. महंगाई चरम पर है. ऐसे में बिना काम किये स्वयं और परिवार को जिंदा रख पाना मुश्किल है. झारखंड सरकार आसपास में हीं रोजगार की व्यवस्था कर दे और अच्छी मजदूरी दे तो हमें बाहर मजदूरी करने नहीं जाना पडेग़ा. सिर्फ हम हीं नहीं बल्कि हमारे आसपास के सैकड़ों बेरोजगार चेन्नई, बेंगलूर जैसे शहरों में काम करने जाते हैं.

लातेहार

सरकारी योजनाओं में समय पर मजदूरी नहीं मिलती है : पिंटू उरांव

सदर प्रखंड के जलता ग्राम निवासी पिंटू उरांव ने कहा कि सरकारी योजनाओं में समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं होता है. मजदूर जीवन यापन के लिए मजदूरी करते हैं और अगर मनरेगा समेत अन्य सरकारी योजनाओं में समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं हो तो, मजदूर कैसे अपना एवं अपने परिवार का भरण पोषण करेगा. यही कारण है कि सरकारी कामों से मजदूरों का मोह भंग होने लगा है और मजदूर दूसरे प्रदेशों में पलायन कर रहे हैं. मजदूर गुजरात, पंजाब व दिल्ली जैसे शहरों के कारखानों में काम करना अधिक पंसद करने लगे हैं. वहां मजदूरी भी अधिक मिलती है और समय पर मिल भी जाता है. हालांकि वहां काम अधिक करना पड़ता है.

यहां निर्धारित मजदूरी नहीं सरकारी योजनाओं में बिचौलिए हावी हैं : संदीप भुइया

जिला मुख्यालय के राजहार ग्राम निवासी संदीप भुइया ने कहा कि सरकारी योजनाओं में बिचौलियागिरी हावी है. सरकार के द्वारा निर्धारित मजदूरी भी मजदूरों को नहीं दी जारी है. ऐसे में मजदूर पलायन नहीं करेंगे तो क्या करेंगे. अभी धनकटनी का समय है, यहां के मजदूर उत्तर प्रदेश व अन्य जगहों पर जा कर धान की कटनी कर रहे हैं. इसमें उन्हें अधिक लाभ होता है. दूसरी ओर लोग यूपी व अन्य ईंट भठ्ठों में भी जाकर काम करने लगे हैं, वहां भी उन्हें यहां से अधिक मजदूरी मिलती है. इस कारण परिवार चलाने में थोड़ी सहूलियत मिल रही है.

अब तक 2732 श्रमिकों ने कराया है अपना निबंधन

श्रम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अब तक जिले में अक्टूबर 2023 तक कुल 2732 प्रवासी श्रमिकों ने अपना निबंधन श्रमदान पोर्टल पर बाहर जाने के लिए कराया है. श्रम अधीक्षक लक्ष्मी कुमारी ने बताया कि सरकार के द्वारा चलाई जा रही आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में श्रम विभाग का स्टॉल लगा कर प्रवासी मजदूरों का निबधन कराया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जो श्रमिक बाहर कमाने जाते हैं उन्हें अपना निबंधन अवश्य कराना चाहिए.

जमशेदपुर

वेतन कम, अब बाहर जाकर काम करने का बना चुके हैं मन : अजीत कुमार

बागबेड़ा आनंद नगर के गुलाब बाड़ी के रहने वाला अजीत कुमार फिलहाल ठेका मजदूरी का काम करते हैं. लेकिन इस काम से होने वाली आमदनी उसके लिए बहुत कम है. वेतन कम मिलने के कारण उसे अपना और अपने परिवार का भरण पोषण में काफी परेशानी होती है. अब वह राज्य के बाहर काम की तलाश में जाने का मन बना चुका है.

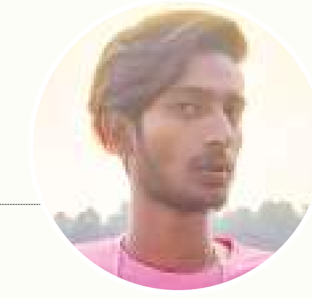

रोजगार नहीं मिलने पर मजबूरन सब्जी बेच रहा हूं : अमित कुमार शाह

बागबेड़ा रामनगर का रहने वाला और पेशे से सब्जी विक्रेता अमित कुमार शाह ने इंटर तक की पढ़ाई की है. उनके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण सब्जी बेचना शुरू किया. इससे पहले उन्होंने कई जगह काम की तलाश की. लेकिन रोजगार नहीं मिला. इसके बाद उन्होंने मजबूरन सब्जी बेचना शुरू कर दिया.

दूसरे राज्यों में कर रहे हैं काम की तलाश: मोहम्मद अजहर

रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी के रहने वाला सन्नी साहू पढ़ाई खत्म पिछले कई दिनों से रोजगार की तलाश में है. लेकिन उसे अब तक कोई काम नहीं मिला. वहीं, परसुडीह खासमहल का रहने वाला मोहम्मद अजहर खान रोजगार नहीं मिलने के कारण प्रखंड कार्यालय के पास अपनी छोटी सी दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है. अजहर के अनुसार दुकान से होने वाली आमदनी से उसका घर नहीं चल पा रहा है. इसलिए वह अब रोजगार की तलाश में दूसरे राज्य में जाने की तैयारी में है. सभी युवाओं को सरकार से रोजगार मिलने की आशा है. जमशेदपुर के उप श्रमायुक्त राकेश प्रसाद ने बताया कि रोजगार की तलाश में बाहर जाने वालों का आंकड़ा प्रवासी नियंत्रण कक्ष के पास उपलब्ध होता है. नियंत्रण कक्ष में फोन करने पर कर्मियों ने बताया कि झारखंड से पिछले एक साल में 1.30 लाख लोग रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में गए हैं.

बेरमो

यहां काम नहीं मिलता है, पति जाते हैं बाहर: कौशल्या देवी

नावाडीह प्रखंड के कंजकीरो पंचायत के पिपराडीह गांव के टैहरवासीरी टोला निवासी प्रेमचंद महतो गुजरात काम करने गया है. वह ट्रांसमिशन लाइन में काम करता है. उसकी पत्नी कौशल्या देवी और उसके दो बच्चे हैं. बच्चे का हाथ टूट गया है. इलाज कराने में परेशानी हो रही है. उन्होंने बताया कि यहां काम नहीं मिलता है इसलिए उसके पति को बाहर जाना पड़ता है. अभी आठ दिन पहले ही गुजरात गए हैं. प्रेमचंद दो साल पहले मलेशिया काम करके लौटा था. वीजा नहीं मिलने के कारण वह मलेशिया नहीं गया.

सरकार को रोजगार पर ध्यान देना चाहिए: एतवारी

अघनु मांझी भी इसी पिपराडीह गांव का रहने वाला है. मांझी आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम में काम करने गया है. पत्नी एतवारी देवी, बेटी रूबी कुमारी, बेटा अजय हेम्ब्रम, आरती कुमारी, बेटी अमित हेम्ब्रम सभी घर पर रहते हैं.पत्नी का कहना है कि यदि यहां रोजगार मिलता तो पति दूसरे राज्य क्यों काम करने के लिए जाते. राज्य सरकार को ध्यान देना चाहिए. आर्थिक अभाव में बेटी रूबी कुमारी मैट्रिक पास करने के बाद आगे की पढ़ाई नहीं कर सकी.

चक्रधरपुर

रोजकार के साधन नहीं हैं यहां, इसलिए मैं बाहर जाने के लिए सोच रहा हूं : मदन हांसदा

चक्रधरपुर निवासी ने मदन हांसदा ने कहा कि अगर अपने क्षेत्र में काम मिले तो दूसरे राज्य काम की तलाश में नहीं जाना पड़ेगा.यहां रोजगार के साधन नहीं हैं.गांव के कई लोग चक्रधरपुर शहर जाकर दुकानों में काम करते हैं या खेती के काम पर निर्भर हैं. दुकानों में काम करने पर भी बहुत कम पैसे मिलते हैं. परिवार बड़ा होने के कारण खर्च भी ज्यादा है. वहीं पिताजी भी बुजूर्ग हो गए हैं.इसे लेकर मैं चेन्नई जाने की योजना बना रहा हूं, ताकि वहां कुछ सालों में पैसे कमाकर जमा कर सकूं.चेन्नई की एक कंपन से बीस हजार रुपये महीने में बात हुई है. दूसरे गांव के कुछ युवा भी वहां पहले से काम कर रहे हैं. इसलिए वहीं जाने की सोच रहा हूं.

झारखंड में बेरोजगारी की समस्या का नहीं हो रहा समाधान, कोलकाता जाने की योजना : प्रकाश जामुदा

चक्रधरपुर के गुलकेड़ा गांव निवासी प्रकाश जामुदा ने कहा कि क्षेत्र में बेरोजगारी की समस्या व्याप्त है,जिसका समाधान नहीं हो पा रहा है. मनरेगा से संचालित होने वाली योजनाओं में काम करने पर भी सही समय पर मानदेय का भुगतान नहीं हो पाता है. वहीं गांव में जब अगर सड़क, नाली इत्यादि का काम प्रारंभ होता है तभी जाकर काम मिल पाता है, अन्यथा बेरोजगार रहना पड़ता है.पूर्व में मैं काम करने के लिए कोलकाता के ईंट भट्टा में गया था, वहां प्रत्येक महीने पंद्रह हजार रुपये मिल जाते थे. दो महीने बाद पुनः कोलाकाता जाने की योजना है. बढ़ती महंगाई में रोजगार नहीं होने से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. मुझे भी अपने गांव, घर को छोड़कर दूसरे राज्य में काम करने की ईच्छा नहीं होती, लेकिन मजबूरी में काम को परिवार छोड़कर दूसरे जगह जाना पड़ता है.

चांडिल

परिवार भी तो चलाना है : परेश

कुकडू प्रखंड के सापारूम निवासी परेश महतो ने कहा कि वे रोजगार करने गुजरात के राजकोट में हैं. राजकोट में चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के 40 से 45 युवा काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि काम करना तो मजबूरी है, आखिर परिवार भी तो चलाना है. उन्होंने कहा कि राजकोट में रहने के दौरान आधा दिमाग अपने गांव व परिवार के अन्य लोगों के ख्यालों में रहता है. अगर राज्य में ही उन्हें काम मिलता तो वे इतनी दूर कभी काम के लिए नहीं पहुंचते.

कोरोना में मिल चुका है सबक : मदन

कुकडू प्रखंड क्षेत्र के खुदीलौंग के रहने वाले मदन महतो फिलहाल गुजरात में रहकर काम कर रहे हैं. उन्हें काम करने दूसरे प्रदेश में जाना मंजूर नहीं था, कोरोना काल में सभी को इसकी सीख मिल भी चुकी है. मदन कहते हैं कि अपने गांव-घर के आसपास काम नहीं मिलने के कारण मजबूरन उन्हें गुजरात पहुंचना पड़ा. उन्होंने कहा कि गुजरात में चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के कई लोग है, जो अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए गांव से दूर रहकर काम कर रहे हैं.

बाहर जाना मजबूरी : चैतन्य

कुकडू प्रखंड के तिरुलडीह निवासी चैतन्य ने कहा कि काम करने बाहर जाना उनके लिए मजबूरी है. अपने क्षेत्र में काम नहीं मिलने और काम के ऐवज में सही दाम नहीं मिलने के कारण उन्हें दूसरे प्रदेशों पर आश्रित रहना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि झारखंड जब अलग राज्य बना था तब मन में आशा जगी थी कि अब अपने प्रदेश में काम कर खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे. लेकिन अब भी लोगों को अपना पेट भरने के लिए दूसरे प्रदेशों पर आश्रित रहना पड़ रहा है.

चाईबासा

- सरकारी आंकड़ों के तहत लगभग 29 हजार से अधिक मजदूर बाहर रहते

पश्चिम सिंहभूम में प्रत्येक दिन लोगों का अन्य प्रदेश काम को लेकर मजदूरों का पलायन होता है. इसको रोकने के लिये कई बार जिला प्रशासन से लेकर सरस्कार तक प्रयास किया है लेकिन अभी तक सफल नहीं हो सका. सरकारी आंकड़ों के तहत लगभग 29 हजारे जिले के मजदूर अन्य प्रदेशों में कार्यरत है. जबकि ऐसे भी कई मजदूर हैं जिनका अभी तक आंकड़ों में जुड़ा नहीं है.

घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं : शांति कुई

चाईबासा जिले के तांतनगर पंचायत के गितिलादेर गांव की माता शांति कुई ने अपने पुत्र का पलायन दर्द बताते हुये कहा कि घर में आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण बेटा माटा कालुंडिया काम करने बाहर गये है. माटा कालुंडिया मजदूरी का काम आंध्र प्रदेश में करता है. माता ने कहा कि माटा पैसा भेजता है, उसी से परिवार का भरणपोषण चल रहा है. गरीबी के कारण पलायन करने वेवश होना पड़ा. गांव में नियमित रूप से काम नहीं मिलता है. जिसके कारण बेटा बाहर काम करने जाने पर मजबूर है.

घर -परिवार चलाने में होती है परेशानी : नदी कुई

प्रदेश पलायन करने गये प्रकाश बिरूवा का माता नदी कुई का कहना है कि घर परिवार चलाने में काफी दिक्कतें आती है. इसलिए बेटा प्रकाश को काम करने के लिए प्रदेश चले गये हैं. गांव में नियमित काम नहीं मिलता है जिससे कारण यहां काम करते हैं.

नारी बिन सृष्टि अधूरी है, नारी से जग सिंदूरी है

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मान है, आदर्श है, विश्वास है, नारी. फिर भी सम्मान की मोहताज है नारी. शक्ति है, विश्वास है, श्रद्धा है नारी, अपने बल रूप और वैभव से अंजान है नारी. जब अपने पर आए तो तूफान है नारी. पहचान की मोहताज नहीं खुद पहचान है नारी. ऐसी पते की बात मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि ऐसा कह रही हैं कवयित्री पूनम निगम. भारतीय सनातन संस्कृति में नारियों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है. मनुस्मृति ने तो घोषणा कर दी है-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः, यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्र फलाः क्रियाः.. जहां नारियों की पूजा होती है, वहां सभी देवताओं का वास होता है और जहां नारियों का सम्मान नहीं मिलता, वहां किये गये सत्कर्म भी निष्फल हो जाते हैं. सनातन संस्कृति में नारी शक्ति का प्रतीक है. वह शारीरिक और भौतिक शक्ति के रूप में दुर्गा है, महाकाली है. सुख-सौभाग्य और समृद्धि की शक्ति के रूप में महालक्ष्मी है तो मेधा, सुबुद्धि, विवेक, ज्ञान की शक्ति के रूप में महासरस्वती है. वह सनातन संस्कृति ही है, जहां लोक मंगलकारी ईश्वर शिव के अर्द्ध नारीश्वर रूप की कल्पना की गयी है. शिव का यह रूप स्त्री और पुरुष के समान अधिकारों तथा उनके संतुलित संबंधों का परिचायक है. वैदिक काल में परिवार के सभी कार्यों और भूमिकाओं में पत्नी को पति के समान अधिकार प्राप्त थे. नारियां शिक्षा ग्रहण करने के अलावा पति के साथ यज्ञ का सम्पादन भी करती थीं. वेदों में अनेक स्थलों पर रोमाला, घोषाल, सूर्या, अपाला, विलोमी, सावित्री, यमी, श्रद्धा, कामायनी, विश्वम्भरा, देवयानी आदि विदुषियों के नाम प्राप्त होते हैं. आधुनिक युग में भी नारी क्या है, इस विषय पर प्रकाश डाल रही हैं जमशेदपुर की कवयित्री **माधवी उपाध्याय**-

नारी बिन सृष्टि अधूरी है. नारी से जग सिंदूरी है..
नारी प्रेम दया की मूरत, ज्ञान और प्रतिभा की सूरत..
नारी शीतल, शांत, मनोरम, सबकी करती पूर्ण जरुरत..
नारी से चाहत पूरी है. नारी से जग सिंदूरी है..
माता, बहन, सुता, भार्या बन, हर रूप में निभाया जीवन.
अपनों के सम्मान के लिए, विषपान किया है आजीवन..
नारी अनुपम दस्तूरी है. नारी से जग सिंदूरी है..
नारी अनबूझ पहेली-सी, मुखरित कलियों की बेली-सी..
मापना कठिन उसका मन है, सागर की गहन पहेली सी..
नारी मोहक कस्तूरी है. नारी से जग सिंदूरी है..

नारी ताकत से भरी हुई, मधुरिम भाषा से सनी हुई..
संताप सदा ही सहती है, संगत अपनों की धनी हुई..
नारी से दुनिया नूरी है, नारी से जग सिंदूरी है..
नारी ताकत है भूल नहीं, पगतल की कोई धूल नहीं..
नारी दुर्गा, काली जैसी, कोई पत्थर या शूल नहीं..
नारी से मन कर्पूरी है, नारी से जग सिंदूरी है..

नारी प्रकृति है. प्रकृति को अरबी भाषा में कुदरत कहते हैं. अगर कुदरत के साथ गुनाह करेंगे तो उसका फल भी भुगतना ही होगा. यह बात जानते और मानते तो सभी हैं, लेकिन बहुत सारे लग इस पर अमल नहीं करते. इस प्रसंग में रांची की कवयित्री **संध्या उर्वशी** यह रचना उपयुक्त जान पड़ती है. उर्वशी कहती हैं-

कुदरत के साथ गुनाह तो घिनौने हुए हैं साहब!
बरना गंगाजल के बजाय शराब से
हाथ न धोने पड़ते!!
क्योंकि
हंसता यदि तो आंसू गिरते, रोता यदि तो मोती झड़ते.
ऐसा यदि हो पाता मानव, तो दुख उसे न विह्वल करते..
इसीलिये
जीवन की परिभाषाएं सब,
प्रचलित अर्थों से हट जातीं.
कैद हवा होती मुट्ठी में,
किरणें चाकू से कट जातीं..
लेकिन
मेघ अगर न जल बरसाते, तो धरती न आहें भरती.
काम प्रकृति जो न कर पाती,वह मानव की वाहें करतीं..
इसीलिये
बात होने भी न पाई सांस थम गई,
साज बजने भी न पाया रात थम गई.
जीवन के रहस्य को कोई क्या जाने,
कली खिलने भी न पाई कि बात थम गई..

काटना या कटना कष्टकर होता है, लेकिन खेतों में जब धान कटता है तो खुशी से दिल नाच उठता है. इस आनंद को तो वही महसूस कर सकता है, जो खेतों में जाकर धान की बालियों को पकते हुए देखा है. ऐसा ही आनंद महसूस कराने की चेष्टा बोकारो जिले के बगदा गांव निवासी कवयित्री **कुमारी पुष्पांजलि** की इस रचना में दिखता है-

जब भी कुछ कटता है दर्द झलकता है,
जब धान कटता है हर्ष छलकता है.
जब जब मैं अपने खेतों पर जाती हूं,
गीतों पर झूमती महिलाओं को पाती हूं.
ये गीत उनके दुःख-दर्द के नहीं होते,
ये किसानों के मुस्कुराते चेहरे के स्वर होते हैं.
जब धान काट कर अपने घर लाती हूं,
सबों के संग मिलकर पर्व त्योहार मनाती हूं.
तुम कैसे समझोगे धान की महत्ता को,
देख लेना धान के पकने पर बैलों के शृंगार को.

कवयित्री कुमारी पुष्पांजलि मुख्य रूप से प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका हैं. इनकी इस रचना को देखकर यह महसूस किया जा सकता है कि ये शिक्षिका के रूप में बच्चों में अच्छे जमीनी संस्कार जरूर ही भर रही होंगी. मनुष्य अपने आप में रहस्यमय प्राणी है. उसके भीतर क्या है, यह किसी के चेहरे को देखकर नहीं समझा जा सकती, लेकिन रांची की कवयित्री **ऋतुराज वर्षा** तो कुछ और ही कह रही हैं. क्या? उनसे ही सुनिए-

मैं खुली किताब सी हूं.
पढ़कर बंद मत कर देना.
पसंद आऊं तो जिक्र कभी कभी कर लेना.
यूं तो सभी व्यस्त हैं अपनी जिंदगानी में.
कभी समझ में आऊं तो पुनः अवलोकन कर लेना.
देखा है हर किसी को मतलब से पढ़ते हुए.
खत्म जब होती जरूरत, किताबें सेल करते हुए.
धूल पड़ न जाये पन्नों पर.
कभी निकाल कर एक नजर दौड़ा लेना.
सिकन चेहरे से गायब हो जायेगी.
मंजिल तुम्हें नजदीक दिखने लगेगी हर पल
मैं खुली किताब सी हूं.
पढ़कर बंद मत कर देना.
हरेक पन्ने में मेरी कहानी है.
एक के बाद दूसरे पन्ने की कुर्बानी है.
कहां टिकेगी नजर बताओ.
खुशियों से भरी मेरी अलमारी है.
ढूंढ लोगे क्या कहां कहां मेरे अश्कों की चाभी है.
दिल्ली जाओ, देहरादून या फिर लखनऊ.
मैं खुली किताब सी हूं.
पढ़कर बंद मत कर देना.
विडंबना है मेरी की मुझे पढ़ते सभी बड़े चाव से.
दे जाते बदले में एक टोकरी भर घाव से.
कोई हंसकर कोई दुहाई देकर
खरीद जरूर लेता है पर घर लाकर
सेल्फ में रखकर छोड़ देता है.
उनकी मंशा क्या है इसके पीछे,
इसे कैसे समझ पाऊं.
मैं खुली किताब सी हूं.
पढ़कर बंद मत कर देना.

किताबें तो तबतक ही खुली रहती हैं, जबतक उन्हें पढ़ना होता है. पढ़ने के बाद तो किताबों को बंद करना ही होता है. अगर बंद न किया जाये तो उसे लापरवाही कहा जाएगा. किसी किताब के किस पन्ने में कौन सा रहस्य छिपा है, यह तो पढ़ने के बाद ही महसूस हो सकता है. इस पर हम विचार करते रहेंगे, लेकिन आगे का चिंतन अगले सप्ताह. तबतक के लिए दीजिए आज्ञा. जय हिंद! जय झारखंड!!

दो आरज़ू में कट गए, दो इंतज़ार में

मांग कर लाये थे चार दिन की ज़िंदगी, दो आरज़ू में कट गए दो इंतज़ार में... शायर ने लिखते समय शायद नहीं सोचा होगा कि उनकी इन पंक्तियों के आने वाले कल पर भी असर रहेगा. आज का समय सही मायने में इंतज़ार का ही समय है. बच्चे के जन्म के समय अस्पताल में लंबा क्यू से शुरुआत होती है इस इंतज़ार यात्रा की. बच्चे के जन्म के बाद इंतज़ार शुरू होता है इस बात का कि बच्चा इनक्यूबेटर से सही सलामत अभिभावक को मिल जाये. अस्पताल खड़ा करने का खर्च आने वाले मरीजों से धीरे-धीरे किश्तों में वसूला जाता है. लिस्ट में शामिल सभी प्रकार की जांच करवाने के बाद इस हिदायत के बाद बच्चा सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू होती है कि अगले बारह पंद्रह सालों तक बच्चे को सारे टीके समय पर दिलवाए जायें. बेहतर हो कि सारे टीके इसी अस्पताल में दिलवाये जायें, क्योंकि भविष्य में विदेश में अध्ययन हेतु जाते समय इसका पूरा विस्तृत विवरण चाहिए कि कब कहां सारे टीके दिए गए! पर ज़रा रुकिए इसके बाद जो शिशु आपको सुपुर्द किया गया वह आपका ही बच्चा है कि नहीं ! पूरी संभावना है कि बच्चे का टैग नंबर 66 के बदले 99 से बदल गया हो. यह तो पूर्ण रूप से आपके भाग्य पर निर्भर है. पर इसके बाद शुरू होता है इंतज़ार का. स्कूल में बच्चे के एडमिशन के लिए लंबी लाइन, लंबा इंतज़ार. संभव है आपको बहुत सारे स्कूलों का चक्कर लगाना पड़े, पर वह इंतज़ार बहुत ही दुखदायी होता है. पर कभी कभी इंतज़ार में बहुत रोचक लोगों से मुलाकात भी होती है. एक ऐसे ही इंतज़ार के समय एक दस साल के बच्चे और उसकी मां से भेंट हुई. हमलोग दांत के डॉक्टर से मिलने के अपने नंबर के इंतज़ार में दो घंटे से इंतज़ार कर रहे थे. उस रोचक बालक की गतिविधि आकर्षक थी. अस्पताल में सारी बातचीत, भुगतान बालक ही कर रहा था उसकी मां नहीं. बालक डिजिटल भुगतान करना चाह रहा था, पर नेटवर्क काम नहीं कर रहा था. उसने काउंटर क्लर्क से कहा कि वाई फाई तो होगा न. फिर पासवर्ड मंगवाया और भुगतान कर दिया! उसकी मां बेटे को लाड से देख रही थी. फिर बताने लगी कि कैसे उनका बेटा बहुत अच्छा कुक है. बाल्यावस्था से ही उसे पाक कला में रुचि है .कोई भी चीज़ पकाने के क्रम में छुटपन से मसालों की जानकारी लेता रहा है. भविष्य में बालक एक शेफ बनना चाह रहा है और मां की पूरी सहमति है! अपने भविष्य की दिशा का चयन बालक ने किया है और बड़े व्यवसायी परिवार के अभिभावकों को कोई एतराज भी नहीं है! इस इंतज़ार के दौरान इस मां-बेटे से मुलाकात हुई तो लगा कि काश आम भारतीय अभिभावक ऐसा ही सोचने लग जायें तो प्रतिवर्ष सैकड़ों आत्महत्या करने वाले बच्चों का जीवन बच जाएगा. 'मुझे माफ़ करना मां, मुझसे यह नहीं हो पायेगा' की हताश चिट्ठी के साथ आत्महत्या का निर्णय नहीं लेना होगा. वकील, अभिनेता, गायक, चित्रकार, मूर्तिकार बनने वाली कितनी प्रतिभाएं अवसर और अनुमति के इंतज़ार में या तो निरर्थक व्यवसाय चुनने को मजबूर होती हैं या फिर निराश और हतोत्साह होकर अपनी इहलीला समाप्त कर लेती हैं ! चर्चा तो इंतज़ार की हो रही थी ! नौकरी के लिए इंतज़ार, शादी के लिए इंतज़ार, बच्चे के लिए इंतज़ार, जन्म प्रमाण पत्र के लिए इंतज़ार, म्युनिसिपैलिटी के टैक्स भुगतान के लिए इन्तज़ार और हॉस्पिटल में होने वाले इंतज़ार तो जैसे खत्म ही नहीं होते ! वैसे अंतिम क्रिया के लिये लगी लाइन पर भी डॉक्टरों को इंतज़ार में झुंझलाहट होती है, पर अपने मरीजों को दस बजे सुबह बुलाकर दो बजे तक बिठाए रखने में उन्हें कुछ अनुचित नहीं लगता! बहुत सारे निर्देशों के बाद भी स्पष्ट दवाओं का नाम लिखना चिकित्सकों को बहुत अपमानजनक लगता है! प्रायः प्रत्येक शक्तिशाली व्यक्ति भूल जाता है कि उसका निरर्थक इंतज़ार करवाना बहुतों के समय का अपव्यय है. फिर यह भी उतना ही सच है कि उसे भी कहीं कभी निरर्थंक इंतज़ार करना पड़ सकता है इसी तरह!

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

बच्चों की उलझनों को कभी भी न करें नजरअंदाज

अभी एग्जाम आने वाले हैं. बच्चे, अभिभावक हर कोई परेशान हैं. बच्चों का कहना है कि मम्मी-पापा परेशान करते हैं. हर समय पढ़ने के लिए कहते रहते हैं. वहीं माता-पिता की शिकायत रहती है कि अपनी इच्छा से कभी किताब छूता भी नहीं.

पहल

रेनू गहलोत रॉय
क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

देर रात तक जगता है और देर तक सोता है. हर समय गुस्से में रहता है, अजीब व्यवहार करता है. मोबाइल पकड़ लेता है तो छोड़ता ही नहीं. मोबाइल ले लीजिए तो झगड़ा शुरू कर देता है. बच्चों की यह समस्या अभिभावकों के लिए विशेष परेशानी का कारण बन जाती है. यह समस्या जितनी सरल लग रही है, उतनी है नहीं. यदि आवश्यक उपाय नहीं किया जायें तो बच्चों की यह समस्या धीरे-धीरे मनोरोग का रूप धारण कर सकती है. इसलिए समय रहते ही समस्या के निदान के लिए आवश्यक उपाय किये जाने चाहिए. गौर करने की बात यह भी है कि अगर बच्चे उलझनों में रहेंगे तो आपके दबाव और जोर-जबर्दस्ती का कोई अच्छा परिणाम सामने नहीं आ पाएगा. अब सवाल तो यह है कि आखिर किया क्या जाये? तो आइए, इस विषय पर बात करते हैं. बच्चों की समस्या का समाधान मनोवैज्ञानिक विधियों से करना संभव है. इस संबंध में कुछ मनोवैज्ञानिक टिप्स हैं, जिनको फॉलो करके आप बच्चों की चिंता दूर कर सकते हैं.

- बहुत से बच्चे एग्जाम के पहले बहुत भयभीत हो जाते हैं. इसे एग्जाम फोबिया कहते हैं.
- बच्चे की दैनिक दिनचर्या निर्धारित करें.
- दिन की शुरुआत योगा मेडिटेशन से करवाएं. बीच-बीच में पढ़ाई के दौरान बच्चे को ब्रेक लेना सिखाएं ब्रेक के दौरान वह अपने छोटे-मोटे कामों को निपटा लें.
- बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने बड़ों से या शिक्षकों से अपने हर प्रॉब्लम को दूर करने की कोशिश करें.
- हर समय बच्चे पर हावी न रहें. दूसरे बच्चों के साथ तुलना ना करें और भूलकर भी यह न कहें कि आपका बच्चा पढ़ता ही नहीं है.
- हमेशा उसे मोटिवेट करने की कोशिश कीजिए. जिस प्रकार हमारी पांचों उंगलियां एक बराबर नहीं हैं, उसी तरह बच्चे भी एक जैसे नहीं होते. उनकी मानसिक क्षमता अलग-अलग होती है.
- बच्चों के साथ बैठकर उनकी प्रॉब्लम को समझने की कोशिश करें.
- उनके आहार का विशेष तौर से परीक्षा के समय ध्यान रखें.
- बच्चों को पौष्टिक आहार दें. ध्यान रहे जंक फूड से दूर रखें.
- उनकी नींद का भी ध्यान रखें. यह निर्धारित करें कि आपका बच्चा 7 से 8 घंटे की नींद अवश्य ले.
- बच्चों को ग्रुप डिस्कशन के लिए प्रेरित करें. समय निर्धारित कर क्वेश्चन सॉल्व करने की कोशिश करें.
- छोटी छोटी बातें जैसे डेट ईयर फॉर्मूला. इनके अलग से नोट बनाने के लिए प्रेरित करें.
- लॉन्ग क्वेश्चन को बच्चों की सरल भाषा में समझा कर बताएं, ताकि वे अच्छी तरह सीख सकें.
- बच्चों को खुली हवा में बैठकर पढ़ने के लिए प्रेरित करें.
- घर के माहौल को हमेशा खुशनुमा बना कर रखें.
- याद रखें यह समय आपके बच्चे के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है. इसे न खोएं. आप अपना हंड्रेड परसेंट देने की कोशिश करें आपका बच्चा भी हंड्रेड परसेंट देने के लिए तैयार हो जाएगा.

फायदे का प्यार

एक नेता और हीरोइन में प्यार हो गया. नेता अपने राजनीतिक करियर की ढलान पर था और हीरोइन का अभिनय करियर भी ढलान पर ही था. करियर की इसी ढलान पर दोनों के शरीर आपस में टकराये. टक्कर के बाद दोनों ने पकड़ कर एक-दूसरे को संभाला. नेता को लगा कि यही हीरोइन मार्लिन मुनरो है. हीरोइन को भी लगा कि अवश्य ही यह नेता अमेरिका के राष्ट्रपति जैसा बनेगा.

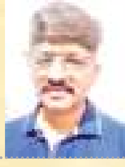

नश्तर

सुधीर राघव

हीरोइन समझ रही थी कि नेता के पास पावर है और अब पावर ही उसके करियर को बचा सकती है. नेता जान रहा था कि हीरोइन के पास ग्लैमर है. यह ग्लैमर ही उसके राजनीतिक करियर की चमक बढ़ा सकता है. इस तरह दोनों के फायदे का गणित एक ही नतीजे पर पहुंचा और दोनों को प्यार हो गया.

नेता के फोन कर देने पर इक्का दुक्का चापलूस किस्म के निर्माता निर्देशक हीरोइन को फिर से फिल्म में लेने लगे. 'हीरोइन नेता की दीवानी हो गई है', ऐसी खबरें भी न्यूज चैनलों पर चलने लगीं. हीरोइन जानबूझकर नेता के बारे में एक से बढ़कर एक रोमांटिक बयान देती. रोमांस जताती. और चटखारेदार खबर बन जाती.

हीरोइन की सुपरहीरो जैसी उड़ने वाली फिल्म आई. नेता ने जनता से फिल्म देखने की अपील की मगर कोई देखने नहीं गया. फिल्म पिट गई तो हीरोइन ने नेता को ताना दिया कि बाबू अब पब्लिक तुम्हारी नहीं सुन रही. इस पर नेता ने पलटकर कहा- बेबी तुम्हें ठीक से उड़ना नहीं आता. मैं तुम्हें उड़कर दिखाता हूं. यह कहकर नेता ने हेलमेट लगाया और हवा में उड़ने लगा. वह उड़ते- उड़ते हाथ भी हिला रहा था. मगर वह भूल गया कि उसकी इस हरकत से पब्लिक के साथ साथ हीरोइन भी हाथ से निकल चुकी है.

चार सौ बच्चे मीनू से सीख रहे जादोपटिया कला

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

झारखंड के जनमानस की भाषा, संस्कृति और रहन सहन दूसरे इलाकों से भिन्न हैं. इनकी एक अलग पहचान है. लोगों ने यहां की संस्कृति और परंपरा को शुरू से ही महत्त्व दिया है और इसे अपने आने वाली पीढियों के लिए खूबसूरती से संरक्षित भी किया है. यहां की कला का मोहक संसार अपने विविध रंगों, रेखाओं, रूपों, पृष्ठभूमि एवं प्रतीकों के माध्यम से कला की संपूर्णता का अहसास कराता है. झारखंड में लोक कला का विकास विभिन्न रूपों में हुआ. उसका एक रूप परंपरागत विश्वासों, रहस्यात्मक और अतीत के संस्कारों पर आधारित था. ऐसी ही संस्कृति झारखंड के संदर्भ में देखने को मिलती है. संताल जनजाति में चित्रांकन की एक लोककला काफी मशहूर रही है. अब यह कला लुप्तप्राय है. उसका नाम है जादोपटिया शैली. संथाल समाज के मिथकों पर आधारित इस लोककला में समाज के विभिन्न रीति-रिवाजों, धार्मिक विश्वासों और नैतिक मान्यताओं की प्रस्तुति की जाती है. उन चित्रों की रचना करने वाले को संताली भाषा में जादो कहा जाता है. यह कला पहले वंशानुगत हुआ करती थी. इस शैली में सामान्यतः छोटे कपड़ों या कागज के टुकड़ों को जोड़कर बनाये जाने वाले पटों पर चित्र अंकित किये जाते हैं. प्रत्येक पट 5 फीट से 20 फीट चौड़ा होता है. इन पर चार से सोलह चित्र तक बनाये जाते हैं. चित्रों में मुख्यतः लाल, हरा, पीला, भूरा और काले रंगों का इस्तेमाल किया जाता है. वैसे, जंगल, झरनों और पहाड़ों के बीच बसने वाले आदिवासियों का जीवन प्रकृति के सहज सौंदर्य से प्रेरित होता है. उनका सौंदर्य बोध उनके घरों की सजावट में प्रतिबिंबित होता है. आम तौर पर साफ-सुथरे घरों की दीवारों पर चिकनी मिट्टी का लेप और मिट्टी तथा वनस्पति से प्राप्त रंगों से उकेरी जाने वाली आकर्षक आकृतियां आदिवासी समाज के सहज-सरल जीवन में निहित कला और सौंदर्य बोध का प्रमाण हैं. झारखंड की इसी जादोपटिया कला पर मीनू आनंद ने तीस वर्षों तक निरंतर कार्य कर रही है. दुमका में रहकर जादोपटिया कला की हर पहलू को इन्होंने गंभीरता जानने समझने की कोशिश की. इसकी गहराई को जानने के लिए इन्होंने बांग्ला भाषा भी सीखी, ताकि इसकी बारीकी को गंभीरता से समझा जा सकता है. विलुप्त हो रहे इस कला को बचाने के लिए मीनू आनंद ने लंबा संघर्ष की. आज ये झारखंड की जादोपटिया कला की एक सुपरिचित कलाकार के तौर पर इनकी पहचान है. वैवाहिक बंधन में बंधने के बाद ये 2002 से मुंबई में रहने लगीं और वहां भी इस कला को बनाये बचाये रखने के लिए बच्चों को झारखंड की जादोपटिया पेंटिंग सिखाने लगीं. वहां जाने के बाद इन्होंने पहली बार इलाहाबाद में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया. मुंबई में इनकी जादोपटिया पेंटिंग की जादू इस तरह चली कि आज वहां चार सौ बच्चे और निफ्ट के विद्यार्थी इनसे जादोपटिया पेंटिंग सीख रहे हैं. इनमें एक भारतीय मूल की विदेशी महिला भी शामिल है. न्यूजीलैंड की रीत इनकी जादोपटिया पेंटिंग से काफी प्रभावित हुई और वर्ष 2022 से मीनू आनंद से कला का प्रशिक्षण लेने लगी है. मीनू आनंद मुंबई से कला की ऑनलाइन कक्षाएं भी लेती हैं, जिनके माध्यम से सैंकड़ों बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं. हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय वस्त्र मंत्रालय सरकार की एक वर्षीय योजना के तहत आदिवासी चित्रकला अकादमी के द्वारा इन्होंने 15 महिला प्रशिक्षुओं को जादोपटिया चित्रकला का प्रशिक्षण प्रदान किया था, जिसमें से कुछ प्रशिक्षुओं ने इनके इस अभियान को जारी रखा. उनमें से एक नाम है शिखा आनंद का, जिन्होंने 2007 से जादोपटिया प्रशिक्षक के रूप में जिला उद्योग केंद्र, दुमका झारखंड में अपनी सेवा दे रही है और ज़िला प्रशासन ने शिखा द्वारा जादोपटिया निर्मित शाल 2015 में दुमका आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट कर सम्मानित किया था.

आखर

वैचारिकता से समृद्ध क्रांतिधर्मी कथाकार

यशपाल

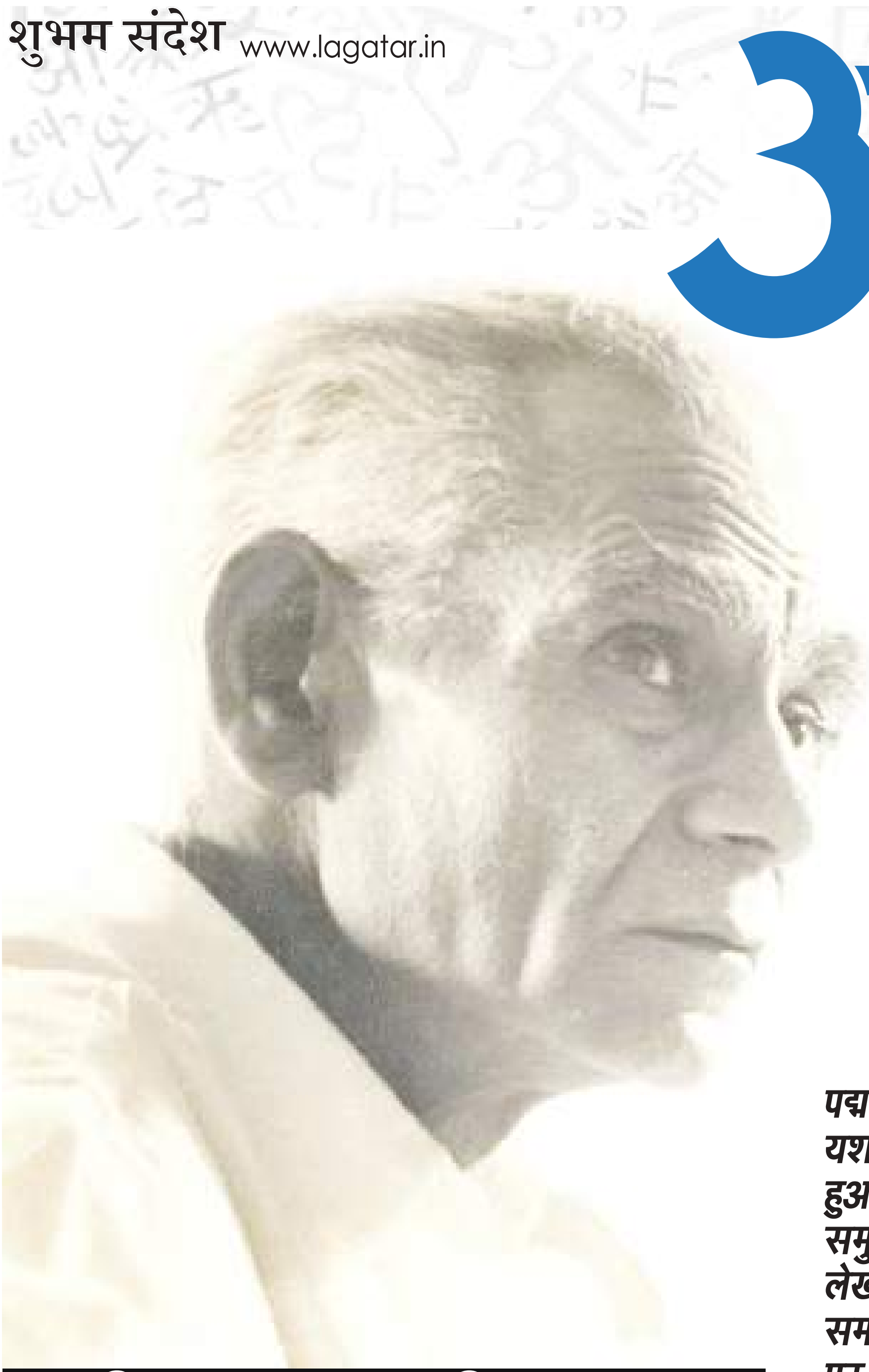

(3 दिसंबर 1903-26 दिसंबर 1976)

पद्म भूषण से सम्मानित हिन्दी साहित्य के प्रेमचंदोत्तर युगीन कथाकार यशपाल का पंजाब के फ़िरोज़पुर छावनी में एक साधारण खत्री परिवार में हुआ था. यशपाल के लिए साहित्यिकता अपने विचारों को एक बड़े जन-समुदाय तक पहुंचाने का माध्यम थी. उन्होंने खुद इस बात को अपने एक लेख "मैं लिखता क्यों हूं" में जाहिर किया था. विद्रोह और क्रांति यशपाल के समस्त लेखन का केंद्रीय भाव रही. आज यशपाल की जयंती है. इस मौके पर झारखंड के साहित्यकार बतौर पाठक उनकी रचनाओं से जुड़े अपने अनुभव साझा कर रहे हैं...

अपनी वैचारिकता से पाठक को आक्रान्त नहीं करते यशपाल

विद्याभूषण

'झूठा सच' दो खंडों में विभाजित बृहत फलक का उपन्यास है. इसके पहले खंड का उपशीर्षक है-वतन और देश तथा दूसरे खंड का उपशीर्षक-देश का भविष्य. डिमाई साइज के कुल 1250 पृष्ठों में कथाविस्तार को समेटने वाले इस उपन्यास को पढ़ते हुए बार बार यह भ्रम बनता है कि कथाकार घटनास्थल पर उपस्थित है और कथात्मक ब्योरे एक प्रत्यक्षदर्शी का आंखोंदेखा हाल बयान करते हैं. सच यह है कि ये दोनों अनुमान सही नहीं हैं, चूंकि यशपाल देश विभाजन से पहले लाहौर छोड़ कर दिल्ली आ चुके थे. यह यथार्थ की पुनर्रचना के कथा कौशल की उनकी महारत है कि रचना में विश्वसनीयता और प्रामाणिकता की अर्थसीमाएं टूट गई लगती हैं. और इस अर्थ में वहां भोगा हुआ, देखा हुआ, जाना हुआ जैसे जुमले एक सीमान्त पर एकीकृत हो जाते हैं.

निस्संदेह 'झूठा सच' विभाजन की त्रासदी के ऐतिहासिक संक्रमण काल का महाकाव्यात्मक चित्रण है. इस महाद्वीप के बंटवारे की परिस्थितियां धीरे धीरे किस्तों में बनती गयी थीं. पहले सियासत का रुख बदला, फिर देखते देखते हिन्दू-मुस्लिम की मिलीजुली आबादी के इलाकों में विरोध और समर्थन की तेज गतिविधियां चलीं, और अन्ततः केन्द्रीय स्तर पर लिये गये बंटवारे के फैसले के बाद शहरों, कस्बों और गांवों में फिजां बदली.

यह कथाबद्ध दस्तावेज एक पत्रकार या इतिहासकार की निरपेक्ष कलम से नहीं लिखा गया, बल्कि एक भोक्ता और कथाकार की साझा भूमिका निभाते हुए पूरा हुआ. इस उपन्यास में कोई केन्द्रीय कथा नहीं है और न ही उसकी उपकथाएं हैं. कथानक की विशृंखलता के बावजूद यह उपन्यास घटनाओं-प्रसंगों के तेज बहाव में पाठक को सरल सहज पारदर्शी विवरणों की मार्फत साथ ले चलता है. खास बात यह है कि कथाकार यशपाल अपनी वैचारिकता से पाठक को आक्रान्त नहीं करते, न कोई आरोपित संदेश देते हैं.

स्मृति में अटकी-भटकी बार-बार चली आती है यह कहानी

निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव

यशपाल हिन्दी के यशस्वी कथाकार और निबंधकार हैं. वे पहले-पहल कहानीकार के रूप में हिन्दी जगत में आए. उनकी गणना हिंदी साहित्य के निर्माताओं में की जाती है. विचारों से काफी दूर तक मार्क्सवादी होने पर भी उनकी कहानियां और उपन्यास बहुत लोकप्रिय हुए. यशपाल मुख्यतः मध्यवर्गीय जीवन के चितेरे हैं और इस वर्ग से संबंधित उनकी कहानियाँ बहुत ही मार्मिक बन पड़ी हैं. 'मेरी प्रिय कहानियां' उनकी चुनी हुई कहानियों का संग्रह है, जिसमें उनकी पन्द्रह कहानियां संकलित हैं. इसमें एक कहानी है 'फूलो का कुरता' जो महज पौने तीन पृष्ठों की कहानी है. कहानी की पृष्ठभूमि हिमाचल के आंचल में बसे कहानीकार का गांव है, जहां वह कालेज के अवकाश के दिनों भाग कर आया है. एक दिन वह एक प्रगतिशील लेखक का उपन्यास पढ़ रहा होता है. उस उपन्यास में व्यभिचार के लिए सफाई दी गई है. कहानीकार का मन ग्लानि से भर जाता है. उसके मन में प्रश्न उठने लगते हैं कि क्या पेट और रोटी ही सबकुछ है? मनुष्यता, नैतिकता और संस्कृति कुछ नहीं. फिर वह गांव के बंकू साह की दुकान पर अजवाइन लेने जाता है. दुकान के सामने बच्चे खेल रहे होते हैं. उनमें पांच बरस की लड़की फूलो भी थी, जो ढीला-ढाला कुरता पहने हुए थी, जो उसके कंधे से लटक रही थी. फूलो की सगाई फलांग भर दूर 'चुला' गांव के सात बरस के लड़के संतू से हुई थी. बच्चों को खेलते देख संतू वहां आ जाता है और उसे देख छः बरस का हरिया चिल्ला उठता है-'आहा, फूलो का दूल्हा आया.' फूलो लजा जाती है. दुकान के सामने हुक्के को घेर कर बैठे बुजुर्ग भी कहकहे लगाकर हंस पड़ते हैं. फूलो लजाकर कुरते से मुँह ढक लेती है. कहानी लेखक की इस टिप्पणी से समाप्त होती है कि हम फूलो के कुरते के आंचल में शरण पाने का प्रयत्न करते हैं और नया लेखक हमारे चेहरे से कुरता नीचे खींच देना चाहता है. यह कहानी परम्परा और आधुनिकता की अंधी दौड़ पर चोट करती है. जैसे डाल पर अटकी पतंग बहुत दिनों तक फड़फड़ाती है, वैसे यह कहानी मेरी स्मृति में अटकी-भटकी बार-बार चली आती है.

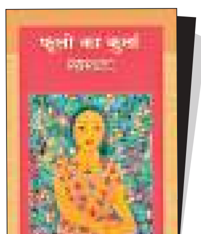

उपन्यास पढ़ कर कई रातों तक रही बेचैन

पद्मा मिश्रा

तब मैं दसवीं कक्षा में थी जब मुझे यशपाल का उपन्यास झूठा सच पढने को मिला. भारत की आजादी के लिए संघर्ष तथा देश के विभाजन की पीड़ा को बखूबी दर्शाया गया है. तत्कालीन दंगो, त्रासदी, भयंकर मारकाट तथा अपनो से बिछुडने का दर्द पाठको को झकझोर देता है. मैं उस समय इसकी गंभीरता को उतना नहीं समझ पायी थी. पर धीरे धीरे लगभग पंद्रह दिनों में उपन्यास पढकर बहुत कुछ समझ लिया था. देश की राजनीति भी कितने रंग बदलती है. कैसे लोगों का चारित्रिक पतन होता है और इस त्रासदी के दौरान घटित घटनाक्रमों ने मुझे बहुत प्रभावित किया था. इसके पात्रों के नाम मेरी यादों में आज भी अंकित हैं-जयदेव पुरी, पत्नी कनक तथा उनकी बहन तारा. जयदेव के परिवार और कनक के परिवार की कहानियों के माध्यम से उपन्यास आगे बढ़ता है. इसकी कहानी 1947 की है जब छुआछूत, सांप्रदायिकता और परस्पर वैमनस्य की भावना ने एक ज्वाला का रुप ले लिया था और पूरा देश धधक उठा था. हजारों लोग बेघर हो गये. मार डाले गये. इन घटनाओं के जीवंत चित्रण ने मुझे कई रातों तक सोने नहीं दिया था. तब मेरे प्रोफेसर पिता जी ने समझाया कि यह अंग्रेजो की सोची समझी चाल थी कि फूट डालो और राज करो. हमारा देश धर्म निरपेक्ष है और मानवता में विश्वास करता है.

इतिहास और कल्पना का समन्वय

यशपाल की दिव्या

डॉ संगीता नाथ

यशपाल एक क्रांतिकारी विचारधारा के लेखक थे. इंद्रप्रस्थ भारती यशपाल विशेषांक अक्तुबर-दिसंबर 2003 के संपादकीय में उनके व्यक्तित्व को परिभाषित करती निम्न पंक्तियां हू-ब-हू रख रही हूं - "यशपाल पाठक का मनोरंजन करने वाले लेखक नहीं थे, वरन उनकी कृतियों में विचार थे." उनके साहित्य के भंडार में लगभग पचास पुस्तकें हैं.

यशपाल का रचना संसार दो भागों में बंटा हुआ है. एक तो स्वाधीनता आंदोलन पर आधारित कथाएं दूसरा अतीत पर आधारित कथा संसार. प्रथम कथा संसार में हमारे समक्ष 'दादा कामरेड', 'देशद्रोही', 'पार्टी कामरेड', 'झूठा सच', 'तेरी मेरी उसकी बात'. दूसरी कथा-भूमि के अंतर्गत 'दिव्या ', 'अमिता और 'अप्सरा का शाप' जैसे उपन्यास आते हैं. उनकी अनेक कहानियों में भी कमोबेश इन्हीं रूपों को देख समझ सकते हैं. प्रायः दोनों कथा भूमि में जो एक बात कॉमन है वो है उनकी दोनो कथा भूमि में नारी प्रायः केन्द्र में है, और 'दिव्या' एक ऐसा ही उपन्यास है, जिसे पढ़ने और पढ़ाने का अवसर स्नातक स्तर पर प्राप्त हुआ.

'दिव्या' एक ऐसा उपन्यास है जिसमें इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय दिखाई पड़ता है. 'दिव्या' यशपाल की मानसी सृष्टि है. लेखक के अन्तर्मन की कल्पना है. स्वंय यशपाल ने स्पष्टीकरण करते हुए लिखा है कि 'दिव्या' इतिहास नहीं ऐतिहासिक कल्पना मात्र है. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर व्यक्ति और समाज की प्रवृत्ति और गति का चित्र है. काल्पनिक चित्र में ऐतिहासिक वातावरण के आधार पर यथार्थ का रंग देने का प्रयास किया गया है. वर्ग संघर्ष, शासन पद्धति आदि के संबंध में लेखक की अपनी मान्यताएं हैं. उन्हें प्राणवान बनाने के लिए उन्होंने परंपरा का सूत्र खोज निकालना चाहा है. दिव्या उसी प्रयास का फल है.

जहां तक दिव्या की ऐतिहासिकता का प्रश्न है उसके कथानक और पात्र सभी कल्पित हैं. उनका प्रणयन भी किसी ऐतिहासिक घटना के आधार पर नहीं किया गया है. दिव्या के लेखक ने अपनी उर्वर और कलात्मक कल्पना से बौद्ध कालीन भारत का जो चित्र प्रस्तुत किया है वह कल्पित होते हुए भी विश्वसनीय है. यशपाल ने बौद्ध कालीन भारत की सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक परिस्थितियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया है. लेखक को इतिहासकार का विवेक उपलब्ध है, अतः ऐतिहासिक वातावरण प्रस्तुत करने में उनकी लेखन कला को पूर्ण सफलता मिली है. दर्शन, संवादों, और घटनाओं सभी के द्वारा लेखक यथार्थता स्थापित करने में सफल हुआ है. उपन्यासकार ने तत्कालीन धार्मिक आडम्बर, वर्णभेद,दास-दासियों के क्रय विक्रय आदि कुप्रथाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया है. इतिहास उन बहुत सी बातों का साक्षी जिनका संकेत या विवरण दिव्या में मिलता है. उदाहरण के लिए दिव्या के चित्रों से स्पष्ट हो जाता है कि उस समय समाज में नारी और पुरुष के बीच इतना दूराव छिपा नहीं था. दास व्यापार खुल कर होता था पशुओं की भांति सवा सोलहआने में ठोक बजा कर मनुष्यों का क्रय विक्रय होता था तथा दास-दासियों के साथ स्वामी का व्यवहार अत्यंत कठोर होता था.

उपन्यास के अधिकांश पात्र, प्रसंग, वस्तुविन्यास, घटनाक्रम, इतिहाससम्मत नहीं हैं. वस्तुविन्यास में लेखक ने ऐतिहासिक तथ्यों और काल औचित्य पर ध्यान न दे कर उपन्यास के प्रतिपाद्य पर, अपने कथ्य पर अधिक बल दिया है, जिससे इतिहास भटक गया है, उसके तथ्यों और तिथियों दोनों में व्यतिक्रय आ गया है.

अतः दिव्या विशुद्ध ऐतिहासिक उपन्यास नहीं है, वह ऐतिहासिक कल्पना मात्र है. इतिहास के दो चार प्रख्यात संकेतों को ले कर विचार और कल्पना का कौशलपूर्ण चित्र मात्र है. उसमें एक ओर स्वच्छंदतावादी उपन्यासों का शिल्प अपनाया गया है तो दूसरी ओर समस्यामूलक उपन्यासों की तरह समस्याओं का विवेचन-विश्लेषण करते हुए इतिहास की नवीन व्याख्या की गई है. लेखक ने उसमें अपना समाजवादी जीवन दर्शन प्रस्तुत किया है, उसकी सार्थकता सिद्ध करने का प्रयास किया है.

दिव्या की सफलता का रहस्य है देशकाल एवं यथार्थ ऐतिहासिक वातावरण की सजीव सृष्टि. उपन्यास के देशकाल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक स्थिति का सजीव चित्रण हुआ है. लेखक ने कथानक का संगठन इतनी कलात्मकता से किया है कि असली औपन्यासिकता को कहीं आघात नहीं पहुंचा है. इसीलिए दिव्या उपन्यास को इने गिने सफल ऐतिहासिक उपन्यास की कोटि में रखा जाता है. इस सृजन में यशपाल का कथाकार भावुक कवि और मर्मज्ञ दार्शनिक की भांति मुखर हुआ है.

यशपाल ने सिखाया कि 'गुरदास' मत बनो

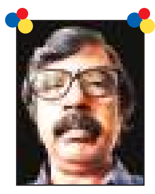

अनुराग अन्वेषी

मैं एक ऐसे माता-पिता की संतान रहा हूं जिनके नाम महीने-दो महीने में किसी न किसी पत्र-पत्रिकाओं में छपते रहे हैं. इसलिए मेरे बचपन में अखबार में नाम छपना बहुत ही सहज बात थी. यह शायद सातवीं कक्षा की बात है. हरमू कॉलोनी के सेंट लुइस में मैं पढ़ता था. उसी समय अपनी क्लास की हिंदी पुस्तक में कहानी पढ़ी थी 'अखबार में नाम'. इस कहानी का पात्र गुरदास मेरे जेहन में अटक कर रह गया. वह चाहता था कि स्कूल के लोग उसे उसके नाम से जानें. वह जब बड़ा हुआ तो उसकी यह चाहत और बड़ी होती गई. इसी क्रम में उसके शहर में कोई बीमारी फैली, उस बीमारी से पहली मौत उसके मुहल्ले में हुई. इससे पहले वह यह सोचकर संतोष कर लेता था कि उसके मुहल्ले में किसी का नाम कभी अखबार में नहीं छपा है. लेकिन इस बार जब मौत के बाद उसके मुहल्ले और उस आदमी का नाम अखबार में छपा तो गुरदास अफसोस से भर गया. उसे लगा कि काश उसकी ही मौत हो गई होती तो उसका नाम अखबार में छप जाता. उसे अपने इतिहास के मास्टर की बात याद रहती कि मरते तो हजारों लोग हैं, लेकिन कुछ लोगों के नाम ही मरने के बाद भी लोगों को याद रह जाते हैं. यही सब सोचता-विचारता वह सड़क पर अखबार में अपने मुहल्ले में हुई मौत की खबर पढ़ता जा रहा था कि एक कार की चपेट में आ गया. अस्पताल में जब उसे होश आया तो उसे अपनी चोट से ज्यादा इस बात की चिंता सता रही थी कि इस एक्सिडेंट के बाद उसका नाम अखबार में छपा या नहीं.

मुझे बचपन में भी यह लगता रहा कि गुरदास गलत तरीके से सोचता है. नाम कमाना तो मैं भी चाहता था, पर गुरदास के तरीके से नहीं. एवरेज स्टूडेंट था, कोई पूछ नहीं थी. ऐसे में मैंने बैंजो बजाना शुरू किया. स्कूल के कई कार्यक्रमों में बैंजो बजाए. शिक्षक व छात्र मुझे नाम से जानने लगे. महत्त्वाकांक्षा बढ़ती गई. मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया. खेलने में मैं ठीक-ठाक था. मैच जीतने के बाद स्कोर बोर्ड और टूर्नामेंट का नाम 'रांची एक्स्प्रेस' में दे आता था. कई दफे क्रिकेट की खबरों में मेरा नाम छपा. बहुत संतुष्टि हुई. पारिवार के साहित्यिक माहौल के बीच कविताएं लिखनी शुरू कीं. मैट्रिक की परीक्षा 28 मार्च 1987 दिन शनिवार को खत्म हुई थी और अगले दिन रविवार को 'रांची एक्सप्रेस' में मेरी दो कविताएं छपी थीं. अपना नाम देखकर रोमांचक संतोष हुआ था.

आज यह महसूस करता हूं कि यशपाल ने अपनी कहानी में गुरदास के चरित्र को गढ़ते हुए बहुत आसानी से उसके नकारात्मक सोच और उसके बुरे नतीजे को बताया. यशपाल की कहानी का मनोविज्ञान इतना सटीक रहा था कि उस बाल अनुराग के अवचेतन में हमेशा रहा कि नाम तो कमाना है पर गुरदास की तरह नहीं.

सर्वोत्कृष्ट यथार्थवादी उपन्यास है 'झूठा सच'

हिमकर श्याम

'झूठा सच' यशपाल के उपन्यासों में सर्वश्रेष्ठ है. यह हिन्दी का सर्वोत्कृष्ट यथार्थवादी उपन्यास है. 'झूठा सच' दो भागों में है -वतन और देश और देश का भविष्य. अपने दोनों खंडों में यह उपन्यास 1942 से 1957 तक के कालखंड को अंकित करता है. तत्कालीन राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन का विशदता से चित्रण करता है. देश के विभाजन की पूर्ववर्ती पृष्ठभूमि, उसकी यथार्थ प्रक्रिया तथा परवर्ती परिणति, सभी को प्रस्तुत करता है.

तारा, जयदेव, कनक इस उपन्यास के मुख्य पात्र हैं. अन्य पात्र हैं डॉक्टर नाथ नैयर, सूद जी, सोमराज और ईसाक. जीवन की सामाजिक और राजनैतिक परिस्थितियों का विस्तार से चित्रित किया गया है. मानव स्वभाव के कई रूपों के दर्शन इस उपन्यास में होते हैं. विभाजन भारतीय इतिहास का वह अध्याय है जो एक त्रासदी के रूप में अनेक भारतीयों के मन पर अंकित है. 'झूठा सच' विभाजन के कालखंड का महाआख्यान है. इसमें यशपाल ने मात्र विभाजन की त्रासदी का ही वर्णन नहीं किया है बल्कि सांप्रदायिकता, रक्तपात आदि के बीच जनता की उभर रही जिजीविषा को प्रस्तुत किया है.

देश स्वतंत्र हुआ, परन्तु विभाजन के परिणाम स्वरूप खंडित हो गया. लाखों घर बर्बाद हो गए. अनगिन लोग लुटे और मरे. लाखों विस्थापित हो गये. स्त्रियों और बच्चों के साथ अमानुषिक अत्याचार किये गये. इस उपन्यास के माध्यम से यशपाल ने देश-विभाजन और सांप्रदायिकता के प्रति एक समाजवादी-मार्क्सवादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है. इसमें देश की दुरवस्था के लिए जनता की अंदरूनी कमजोरियों को भी उत्तरदायी दिखलाया गया है. यशपाल साम्यवादी समाज के पक्षधर थे. उपन्यास की अन्तिम पंक्ति में जनता की शक्ति को सर्वोपरि बताते हुए लिखते हैं कि 'देश का भविष्य नेताओं और मंत्रियों की मुट्ठी में नहीं है, देश की जनता ही के हाथों में है.

और तब मुझे याद आ गई फूलों का कुर्ता कहानी

चारुमित्रा

रांची से सटा क्षेत्र है' कर्रा'. आदिवासी बहुल इलाका, जहां सरसों के फूल और मटर की बालियों से खेत रचे- बसे थे. उसी खेत में एक आदिवासी लड़की खड़ी थी. अचानक उसने हम लोगों को देखा और अपना चेहरा फ्रॉक से ढंक लिया, और सहसा याद आ गई कहानी 'फूलो का कुर्ता'. यह कहानी यशपाल की बहुत प्रसिद्ध कहानी है. 'फूलो का कुर्ता' बाल- मनोविज्ञान पर आधारित कहानी, परंपराओं पर गहरी चोट करती है. लेखक कहते हैं कि हमारे यहां गांव बहुत छोटे-छोटे थे. पहले बच्चों की शादी धुर बचपन में ही हो जाती थी. कहानी में संतू की शादी फूलो से होती है. फूलो पांच साल की बच्ची है. वह गांव के लड़कों के साथ खेल रही थी. उसी समय कहीं से वहां संतु चला आता है, वह भी खेलने लगता है. संतु को आया देख बच्चे चिल्ला उठते हैं- फूलो का दूल्हा आया है, फूलो का दूल्हा आया है. दूसरे बच्चे भी उसी तरह चिल्लाने लगते हैं. फूलो छोटी बच्ची है, लेकिन उसने अपनी मां और गांव घर की सभी स्त्रियों को लज्जा में घूंघट और पर्दा करते देखा है. उसके संस्कारों ने उसे यह सिखाया है कि लज्जा में मुंह ढंक लेना चाहिए. फूलो संतू को देखकर दोनों हाथों से कुर्ते को आंचल बना कर अपना मुंह छुपा लेती है. नीचे उसने कुछ नहीं पहना था. यही कहानी है 'फूलो का कुर्ता'. कहानी में यह बताया गया कि परंपराओं को निभाने के लिए हमें क्या-क्या करना पड़ता है.

समय

kha-
yaal

पापा जी का रिटायर होने का समय ज्यों-ज्यों पास आ रहा था वे जैसे अपने आप को दिलासा देने कि कोशिश करने में लग गए चलो भाई हफ्ते में एक दिन कि छुट्टी का जिस बेसब्री से इंतजार रहता था वैसी छुट्टी अगर दफ्तर से हमेशा के लिए मिल जाये तो फिर इसमें निरुत्साह होने जैसी बात क्या है? एक तो दूसरे के आदेश-पालन से छुट्टी और अध्ययन -अध्यापन का बढ़िया अवसर, अपने सगे-सम्बन्धियों और इष्ट-मित्र से मिलने का समाज में सभी से घुलने-मिलने का अवसर ही अवसर मसलन अवकाश प्राप्त करके अपनी सभी इच्छाओ कि पूर्ति करने का बढ़िया मौका मिल जाता है फिर लोग रिटायरमेंट से घबराते क्यों है? पापा जी नियम-कानून से रहने वाले व्यक्ति थे जिसका पालन वे अपने अवकाश प्राप्ति के बाद भी करते रहे. वे रोज शाम को मम्मी जी के साथ बाजार तक घूमने के लिए जाते थे. बचपन में जब मम्मी -पापा तैयार हो कर निकलते थे तो बच्चों को साथ ले कर जाने से बचने के लिए आया और नौकर से कह कर उन्हें इधर-उधर हटा दिया जाता था. मगर एक दिन परिवार की छोटी बच्ची मम्मी जी से आ कर लिपट गयी कि हम बच्चे भी बाजार जायेंगे तब से शाम को घूमने जाते समय किसी न किसी बच्चे को और कभी - कभी सभी बच्चो को हज़रतगंज तक घूमने जाने का मौका मिलने भी लगा और वहाँ पहुंच कर अपनी मनपसन्द आइसक्रीम-चाकलेट तथा अन्य वस्तुओं की फरमाइश पूरी की जाने लगी.

रोचक मोड़ आता है कहानी में जब पापा जी के अवकाश प्राप्ति के बाद उनका घूमने जाने की आदत में बदलाव तो नहीं आया मगर मम्मी जी के पांव में दर्द के चलते वे अब पापा जी का साथ नहीं दे पाती हैं. पापा जी चूंकि अकेले जाना नहीं चाहते इसलिए घर के किसी न किसी बच्चे को साथ ले कर जाना पड़ता है मगर अब समय बदल चुका है. वे बच्चे जो पापा जी के साथ हर समय बाजार जाने को तैयार रहते थे अब साथ जाने से कतराने लगे क्योंकि एक उम्र विशेष अथवा टीन एज में एक अजीब कशमकश का दौर चलता है जिसमे बच्चो को बड़े -बुजुर्गो का साथ अटपटा लगने लगता है फिर ऐसे में यदि पार्क, रेस्तरां और होटल में संगी-साथी दिख जाते हैं तो उनका करुणा और बेचारगी भरी मुस्कान को झेलना काफी कठिन हो जाता है. इसका यह अर्थ कदापि नहीं की पापा जी अन्य बुजुर्गो के समान कोई उपदेश या जमाने में खामियां निकालने जैसी बोरिंग बाते करते थे बल्कि उनका अनुभव और ज्ञान का दायरा अत्यंत व्यापक था जो युवाओ को भाता ही है. मगर उससे क्या बीस-बाईस वर्ष के लड़के-लड़कियों को निजी आजादी भी चाहिए होती है.

मगर उस दिन रोज की तरह शाम होते-होते पिताजी की आवाज आने लगी "गंज तक चलने के लिए कोई है!"

मगर हर कोई जैसे उनकी आवाज को अनसुना कर रहा था वो छोटी बच्ची जो कभी बचपन में मम्मी के साथ लिपट कर घूमने जाने की जिद करती थी, उससे कहने पर दीदी को उसने जवाब दिया -"तुम भी क्या दीदी..बोर बुड्ढों के साथ कौन बोर हो !"

उस बड़ी हो चुकी बच्ची ने आवाज दबा कर ही बात कही थी, मगर वह धीमी आवाज पापा के कानों तक पहुच चुकी थी.

पापा कुछ देर के लिए चुपचाप बैठे ही रहे नजर फर्श पर जमा कर चेहरे पर एक विषाद भरी मुस्कान के साथ. मगर फिर उठे हैंगर से कोट उतारा और मम्मी को आवाज दे कर कहा "सुनो, कई बार पहाड़ से छड़ियां लाए हैं, तो कोई एक तो दो!"

एक छड़ी उठा कर मैंने कमरे में रख ली थी. पापा को उत्तर दिया , "एक तो यही है चाहिए ?" छड़ी कोने से उठा कर पापा के सामने कर दी. "हां,यह तो बहुत अच्छी है!" पापा ने छड़ी की मूठ पर हाथ फेरते हुए कहा और छड़ी टेकते हुए किसी की ओर देखे बिना घूमने के लिए चले गए, मानो हाथ की छड़ी को टेक कर उन्होंने समय को स्वीकार कर लिया.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

▼ ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

नवादा। नवादा जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर मोड़ के समीप शनिवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत हो गई. मृतक युवक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेतरिया बेलदारी गांव निवासी सिपाही चौहान के पुत्र ललन चौहान है. मौत के बाद परिजन में कोहराम मचा गया. बताया जा रहा है कि युवक अपने ससुराल से परिवार को पहुंचाकर वापस अपने घर बाइक पर आ रहा था, तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई.

पटना में 4 साल की बच्ची का अपहरण

पटना । राजधानी पटना में चार साल की बच्ची का अपहरण हो गया है. परिवार वालों ने थाने में शिकायत दर्ज करायी. जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शख्स को हिरासत में लिया है. मामले में तफ्तीश की जा रही है. बच्ची के पिता ने बताया कि पुरानी दुश्मनी को लेकर ही गांव के लोगों ने मेरी बेटी का अपहरण किया है. जानकारी के अनुसार, पटना से सटे मनेर थाना क्षेत्र के बलुआ कठौतिया गांव से बच्ची का अपहरण किया गया है. इस अपहरण का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ चुका है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

खटाल संचालक की गोली मारकर हत्या

भोजपुर। बिहार में बढ़ते अपराध ने पुलिस की परेशानी बढ़ा दी है. भोजपुर के आरा में बेखौफ अपराधियों ने खटाल संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है.जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात खटाल संचालक को हथियारबंद बदमाशों ने गोली मार दी. जख्मी संचालक ने इलाज के लिए पटना ले जाने के क्रम में रास्ते में ही दम तोड़ दिया. खटाल संचालक के अलावा उनके बेटे पर भी अपराधियों ने गोली चलायी, हालांकि वो बाल-बाल बच गया. परिजनों ने घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है.

बोधगया आएंगे तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा

शनिवार को बोधगया में 18वें अंतर्राष्ट्रीय टिपिटका जप समारोह के पवित्र जुलूस के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध धर्म संघ एसोसिएशन के सदस्यगण

गया। तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा 15 से 20 दिसंबर के बीच बोधगया पहुंचेंगे. निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक 29 से 31 दिसंबर तक बोधगया के कालचक्र मैदान में अपने अनुयायियों को आध्यात्मिक प्रशिक्षण देंगे. एक जनवरी को उनके दीर्घायु के लिए विशेष पूजा होगी. बोधगया में आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा प्रवास पर रहेंगे. बोधगया के तिब्बत बौद्ध मंदिर में दलाई लामा प्रवास करते हैं. उनके आगमन को देखते हुए गया जिला प्रशासन तैयारियों में जोर शोर से जुट गया है. बता दें कि दलाई लामा के प्रवास स्थल पर सुरक्षा इंतजाम को पुख्ता बनाया जा रहा है.

आओ जानें

बिहार में ग्रामीण बैंकों की स्थिति

व्यवसायिक बैंक की शाखाओं की संख्या	5009
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की शाखाओं की संख्या	2110
सहकारिता बैंक की शाखाओं की संख्या	286
स्मॉल फाइनांस बैंक संख्या	184
बैंक शाखाओं की संख्या	7589
व्यावसायिक बैंकों में कुल जमा राशि	329965
स्वीकृत कुल राशि	125114
बैंकों में जमा राशि	36558
बैंकों द्वारा दी गई ऋण राशि	18928
ग्रामीण बैंकों की संख्या	4 .03
शहरी/अर्द्ध-शहरी बैंकों की संख्या	32 .89

(31.03.2020)

बेखौफ अपराधी : महाबोधि कॉलेज के प्रिंसिपल की मां थीं

घर के बाहर सो रही महिला को गला रेत कर मार डाला

एजेंसी ।नालंदा

नालंदा में महिला की हत्या कर दी गई. वह अपने घर के दरवाजे पर सो रही थीं. अचानक अपराधी आए और गला रेतकर हत्या कर दी. घटना बेन थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव की है. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई. पुलिस डॉग स्क्वायड की मदद मामले की जांच कर रही है. मृतका की पहचान भगवानपुर गांव निवासी स्व. रामचन्द्र प्रसाद की पत्नी फूल कुमारी (83) के रूप में की गई है. मामले में फूल कुमारी के पुत्र अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें शनिवार की सुबह पड़ोसियों के द्वारा पता चला कि उनकी मां की घर में गला रेत हत्या कर दी गई है. इसके बाद वे गांव पहुंचे. जहां देखा कि कान में सोने बाली और हाथ में पहले हुए सोने के कंगन गायब हैं. घर के अंदर गला रेता हुआ है. दीपावली के बाद से उनकी मां बिहारशरीफ से भगवानपुर गांव आ गई थी और अकेले ही रह रही थी.

प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत हैं अरविंद सिंह

बताया गया कि अरविंद प्रसाद सिंह सिलाव प्रखंड के नालंदा स्थित महाबोधि कॉलेज के प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत हैं और बिहार शरीफ में अपने आवास पर रहते हैं. दरअसल, पड़ोसी जब सुबह अपने-अपने कामों को लेकर घरों से निकले तो घर के आगे बुजुर्ग महिला का खून से लथपथ शव देखा.

दो दिनों से गायब शिक्षक का शव पेड़ से लटका मिला

बक्सर। डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत ओपी थाना क्षेत्र स्थित पुराना भोजपुर में शुक्रवार को बगीचे में आम के पेड़ पर लटकते हुए शिक्षक के शव की सूचना पर आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई. दरअसल, दो दिनों से शिक्षक जब स्कूल नहीं पहुंचे तो स्कूल प्रशासन ने उनके परिजनों से संपर्क किया. उसके बाद भी जब शिक्षक के बारे में नहीं जानकारी मिली. इसके बाद शुक्रवार को अचानक स्थानीय लोगों ने आम के पेड़ पर लटकते हुए एक व्यक्ति का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी. जानकारी मिलते ही पुलिस बगीचे में पहुंचकर शव को पेड़ से उतार कर जांच में जुट गई. फिर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया. शव की पहचान दार्जिलिंग के निवासी 25 वर्षीय अनिल छेत्री के रूप में हुई, जो

शिक्षक के पद पर कार्यरत थे. इस मामले की जानकारी पुलिस ने परिजनों को भी दे दी है. मामले में जानकारी देते हुए श्री राम आईटीआई के संस्थापक राम केसरी ने बताया कि अनिल छेत्री आईटीआई में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे. वो दार्जिलिंग के खोखर बाग थाना क्षेत्र के खास महल गांव के रहने वाले थे.

पेड़ से लटकता मिला शिक्षक का शव : वो पुराना भोजपुर स्थित इस आईटीआई के पास एक किराये के मकान में रहते थे. बावजूद इसके वे दो दिनों से गायब थे.

एडमिट कार्ड को लेकर नोटिफिकेशन जारी

पटना । शिक्षक भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण के लिए दो दिसंबर से अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड को डाउनलोड कर सकेंगे. आयोग ने इसके लिए नोटिस जारी किया है. दूसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन 7 दिसंबर से 15 दिसंबर तक किया जाएगा. इस बार कुल 7.32 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है, जबकि पहले चरण में 8.26 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था. वहीं, परीक्षा केंद्र के कोड की विस्तृत जानकारी 5 दिसंबर को उपलब्ध कराई जाएगी. बता दें कि 8 से 12 दिसंबर तक एक ही पाली में परीक्षा आयोजित की जाएगी. परीक्षा की अवधि ढाई घंटे की रहेगी. परीक्षा के लिए दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है. ये सभी परीक्षाएं प्रदेश भर के विभिन्न निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी.

अवैध वसूली के आरोप में 9 पुलिसकर्मियों हुए सस्पेंड

एजेंसी।पूर्णिया

पूर्णिया एसपी ने गश्ती दल के नौ पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है. सभी पर वाहनों से अवैध वसूली करने का आरोप है. दरअसल, एसपी आमिर जावेद को गुप्त सूचना मिली थी कि गश्ती दल के पुलिसकर्मी वाहनों से अवैध वसूली करते हैं. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी ने यातायात डीएसपी कौशल किशोर कमल के नेतृत्व में एक टीम गठित की थी. जांच टीम ने रात के समय औचक निरीक्षण किया और गश्ती दल के नौ पुलिसकर्मियों को वाहनों से अवैध वसूली करते हुए रंगेहाथों पकड़ लिया. अब इस मामले में एसपी ने सभी नौ पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. निलंबित किये गये पुलिसकर्मियों में वायसी थाना, डगररुआ थाना, सदर थाना और जलालगढ़ थाना पुलिस अकादमी के पुलिसकर्मी शामिल हैं.

कई दिनों से चल रहा था वसूली का खेल

पूर्णिया एसपी ने बताया कि जिले में कई दिनों से वाहनों से अवैध वसूली का खेल चल रहा था. उन्हें लगातार इसकी शिकायत भी मिल रही थी. इसी को देखते हुए एसपी ने यातायात डीएसपी के नेतृत्व में टीम का गठन किया था. जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए नौ पुलिसकर्मियों को वसूली करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया.

एक करोड़ की डकैती करने वाला दिल्ली में पकड़ाया

एजेंसी ।वैशाली

बिहार के एक्सिस बैंक की शाखा में एक करोड़ की डकैती करने वाले गैंग के सरगना को कनॉट प्लेस से गिरफ्तार किया है. बदमाश कनॉट प्लेस स्थित एक कैफे में गार्ड की नौकरी कर रहा था. बदमाश डकैती करने के बाद नेपाल भाग गया था और दो माह तक वहां रहने के बाद दिल्ली आ गया था. पुलिस ने सरगना की गिरफ्तारी की सूचना बिहार पुलिस को दे दी है. गिरफ्तार बदमाश की पहचान मणि कुमार के रूप में हुई है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि 28 नवंबर को उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ में तैनात सिपाही मोहित को बिहार में बैंक डकैती में शामिल बदमाश मणि कुमार के लाल किले के पास एक पार्किंग में छिपे होने की जानकारी मिली. इस सूचना पर निरीक्षक राज कुमार मलिक के नेतृत्व में पुलिस की तीन टीम गठित की गई. टीम ने परेड ग्राउंड पार्किंग, पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, दंगल मैदान, आईएसबीटी, हनुमान मंदिर, मोरी गेट, आईटीओ सहित लगभग 30 पार्किंगों की जांच की. लेकिन पुलिस को इन पार्किंग की तलाशी के दौरान बदमाश का कोई सुराग नहीं मिला. पुलिस ने जीबी पंत अस्पताल के सामने के भूमिगत पार्किंग की जांच की. यहां पुलिस ने एक रस्सी पर कुछ कपड़े देखे. वहीं एक अस्थायी बिस्तर भी पड़ा था.

पूछताछ करने पर पता चला कि 10 दिन पहले बिहार से एक व्यक्ति आया है, जो कनॉट प्लेस में कहीं सुरक्षा गार्ड का काम कर रहा है.

कारोबार

ई-कॉमर्स मंच पर डार्क पैटर्न पर प्रतिबंध लगाया

नयी दिल्ली । सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए ई-कॉमर्स मंचों पर डार्क पैटर्न के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है. कंपनियां या कारोबारी 'डार्क पैटर्न' के जरिए ग्राहकों को धोखा देने या उनके व्यवहार अथवा पसंद को प्रभावित करने की कोशिश करते है. केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 30 नवंबर को इस संबंध में 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशा निर्देश' के लिए गजट अधिसूचना जारी की. यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है.

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट का रुख है. ब्रेंट क्रूड का मूल्य 2 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 1.98 डॉलर यानी 2.45 फीसदी की गिरावट के साथ 78.88 डॉलर प्रति बैरल पर है. वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड भी 1.89 डॉलर यानी 2.49 फीसदी लुढ़कर 74.07 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है.

चाय उत्पादन अक्टूबर में 12% से अधिक बढ़ा

कोलकाता । देश में चाय उत्पादन इस साल अक्टूबर में 12.06 प्रतिशत बढ़कर 18.28 करोड़ किलो रहा. पिछले साल इसी माह में यह 16.31 करोड़ किलो था. चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन अक्टूबर में बढ़कर 5.49 करोड़ किलो रहा, जबकि 2022 के इसी माह में यह 4.97 करोड़ किलो था. देश के सबसे बड़े चाय उत्पादक राज्य असम में भी अक्टूबर में 10.43 करोड़ किलो से अधिक का उत्पादन हुआ. पिछले साल इसी महीने में राज्य में 9.07 करोड़ किलो चाय का उत्पादन हुआ था. ग्रीन टी का उत्पादन इस दौरान 21.4 लाख किलो रहा.

झोंगझी ग्रुप से जुड़ी कंपनियों के कई अधिकारी लापता हो चुके हैं

झोंगझी ग्रुप की चेयरपर्सन मा होंगयिंग भी हुए लापता

भाषा ।नयी दिल्ली

- जीडीपी में रियल एस्टेट की 25% हिस्सेदारी है
- **झोंगझी का रियल एस्टेट सेक्टर में भारी निवेश है**
- झोंगझी ग्रुप चीन की फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी है

पिछले कुछ महीनों से चीन में डगमगाती अर्थव्यवस्था का दायरा बढ़ता जा रहा है. चीन में पहले इसका असर रियल एस्टेट पर दिखा था. उसके बाद संकट का असर बैंकिंग सेक्टर पर तेजी से बढ़ता गया, जो अब दिखने लगा है. देश की प्रमुख वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी झोंगझी ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह अपना पूरा बिल चुकाने की स्थिति में नहीं है. इस ग्रुप से जुड़ी कंपनियों के कई अधिकारी पिछले कुछ दिनों में लापता हो चुके हैं. देश का रियल एस्टेट पिछले कई साल से संकट में है. जीडीपी में इसकी 25% हिस्सेदारी है. यह वजह है कि संकट के कारण पूरी इकॉनमी के डूबने की आशंका जताई जा रही है. इसने धीरे-धीरे दूसरे सेक्टर्स को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है. इसका पहला शिकार तीन ट्रिलियन डॉलर का शैडो बैंकिंग सेक्टर हुआ है. झोंगझी ने रियल एस्टेट सेक्टर में भारी निवेश कर रखा है.

झोंगझी ग्रुप चीन की बड़ी प्राइवेट कंपनियों में से एक है. इसका बिजनस फाइनेंशियल सर्विसेज, माइनिंग और इलेक्ट्रिक वीकल्स तक फैला है. इस ग्रुप की लिस्टेड एजुकेशन फर्म डालियन माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी की चेयरपर्सन मा होंगयिंग लापता हैं. इसी तरह जिनजियांग तिआंशियान एनिमल हसबैंडरी बायो-इंजीनियरिंग के चेयरमैन मा चेंगशुई भी गायब हैं. ये दोनों लोग कई साल से झोंगझी से जुड़े हैं. 38 साल की मा होंगयिंग 2015 से कंपनी की चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर थीं. उन्हें 2022 में डालियन माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी का चेयरपर्सन बनाया गया था. झोंगझी ने कुछ साल पहले इस कंपनी का अधिग्रहण किया था.

इसी तरह 59 साल के मा चेंगशुई अपनी कंपनी के प्रमुख होने के साथ-साथ झोंगझी में वाइस-प्रेसिडेंट थे. इससे पहले वह ग्रुप के चीफ रिस्क कंट्रोल ऑफिसर थे. बीजिंग के ग्रुप झोंगझी की करीब एक दर्जन कंपनियां और वेल्थ मैनेजमेंट फर्म हैं. यह चीन की तीन ट्रिलियन डॉलर की शैडो बैंकिंग इंडस्ट्री का हिस्सा है. कंपनी पर 65 अरब डॉलर यानी 460 अरब युआन की देनदारी चढ़ गई है जबकि उसके पास केवल 200 अरब युआन की एसेट्स हैं. कंपनी का कहना है कि लंबे समय से उसका पैसा डेट और इक्विटी इन्वेस्टमेंट में फंसा है. बताया जाता है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश की इकॉनमी पर सरकार की पकड़ को मजबूत करना चाहते हैं. इस कारण निजी कंपनियों पर सख्ती की जा रही है. इस साल टेक्नोलॉजी, फाइनेंस और रियल एस्टेट सेक्टर के एक दर्जन से अधिक अधिकारी मिसिंग हैं.

देश में चाय उत्पादन अक्टूबर में 12 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

कोलकाता । देश में चाय उत्पादन इस साल अक्टूबर में 12.06 प्रतिशत बढ़कर 18.28 करोड़ किलो रहा. पिछले साल इसी माह में यह 16.31 करोड़ किलो था. चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन अक्टूबर में बढ़कर 5.49 करोड़ किलो रहा, जबकि 2022 के इसी माह में यह 4.97 करोड़ किलो था. देश के सबसे बड़े चाय उत्पादक राज्य असम में भी अक्टूबर में 10.43 करोड़ किलो से अधिक का उत्पादन हुआ. पिछले साल इसी महीने में राज्य में 9.07 करोड़ किलो चाय का उत्पादन हुआ था. दक्षिण भारत में उत्पादन आलोच्य महीने में मामूली रूप से घटकर 1.88 करोड़ किलो रहा. एक साल पहले 2022 के अक्टूबर महीने में यह 1.89 करोड़ किलो था. आंकड़ों के अनुसार श्रेणीवार देखा जाए तो चाय की सीटीसी किस्म का उत्पादन अक्टूबर 2023 में 16.77 करोड़ किलो रहा जबकि उत्तर और दक्षिण भारत दोनों में परंपरागत तरीके से उत्पादित चाय का उत्पादन 1.29 करोड़ किलो था. ग्रीन टी का उत्पादन इस दौरान 21.4 लाख किलो रहा.

नेफरोकेयर किडनी के इलाज के लिए 22 केंद्र खोलेगी

एजेंसी ।कोलकाता

किडनी के इलाज से जुड़ी कंपनी नेफरोकेयर ने करीब 70 करोड़ रुपये के निवेश से मार्च 2026 तक 22 किडनी देखभाल केंद्र स्थापित करने की योजना बनायी है. नेफरोकेयर के अधिकारियों ने कहा कि विस्तार के लिये धन जुटाने को लेकर कंपनी संभावित आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) सहित अन्य विकल्पों पर गौर कर रही है. प्रस्तावित केंद्रों में कोलकाता क्षेत्र के श्यामबाजार और चंदननगर तथा उत्तरी पश्चिम बंगाल के केंद्र भी शामिल हैं. साथ ही कंपनी की अगले साल मार्च तक रायपुर में भी एक सेंटर खोलने की योजना है. इन केंद्रों का लक्ष्य लंबे समय से किडनी की बीमारी से पीड़ित मरीजों का उपचार करना, आधुनिक डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराना, बेहतर खान-पान के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना आदि है. नेफ्रोकेयर इंडिया के संस्थापक डॉ. प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा, भारत दुनिया की मधुमेह की राजधानी है. ऐसे में यहां किडनी मरीजों की संख्या सबसे अधिक है. वहीं उपयुक्त बुनियादी सुविधाएं और विशेष किडनी देखभाल क्लीनिकों की कमी है. उन्होंने कहा, इसको देखते हुए, हमने 70 करोड़ रुपये के निवेश से किडनी इलाज को लेकर मार्च 2026 तक 22 केंद्र खोलने की योजना बनायी है. नेफ्रोकेयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सोमनाथ चक्रवर्ती ने भारत में किडनी के इलाज को लेकर ऐसे केंद्रों की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर की बात कही. सेनगुप्ता ने कहा, हमारा अगले 10-15 साल में देश भर में 300 ऐसे केंद्र स्थापित करके लंबे समय से किडनी रोग से पीड़ित दस लाख मरीजों तक पहुंचने का लक्ष्य है. उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार देश में डायलिसिस बाजार 2022 में 2.11 अरब डॉलर का था. इसके 2030 तक बढ़कर 4.37 अरब डॉलर होने का अनुमान है.

बदलाव यह कार्यक्रम युवाओं के लिए पेशेवर करियर में बदलाव लाने की दिशा में सही कदम है

युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिये शुरू हुआ गुरुकुल

एजेंसी ।नयी दिल्ली

भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) ने युवाओं को हुनरमंद और पेशेवर बनाने के लिये गुणवत्ता गुरुकुल शुरू किया है. इस पहल का मकसद ऐसे कुशल युवाओं को तैयार करना है जो शिक्षा और उद्योग की जरूरत के बीच की कमी को दूर कर सके. परिषद ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि 8-सप्ताह का यह कार्यक्रम युवाओं के लिए पेशेवर करियर में बदलाव लाने की दिशा में उठाया गया कदम है. भारतीय गुणवत्ता परिषद के अध्यक्ष अक्षय शाह ने बयान में कहा, कार्यक्रम के माध्यम से हमारा लक्ष्य ऐसे उम्मीदवारों की पहचान करना है जो नवोन्मेष, कुछ करने का जुनून, विविधता और समावेश तथा प्रभावी संचार जैसे गुणों में निपुण हों. कार्यक्रम का मकसद ऐसे युवाओं का एक समूह तैयार करना है जो जिस भी क्षेत्र में काम करें उसमें गुणवत्ता, मानकीकरण और उत्कृष्टता के अगुवा बनें. गुणवत्ता गुरुकुल के छात्रों को प्रशिक्षण के दौरान 15,000 रुपये का वजीफा मिलेगा और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशिक्षण खत्म होने पर क्यूसीआई और इससे संबंधित निकायों के साथ काम करने का अवसर भी मिलेगा. गुणवत्ता गुरुकुल कार्यक्रम के प्रमुख सुब्रतो घोष ने कहा, यह कार्यक्रम कुशल युवाओं का एक समूह तैयार करेगा जो शिक्षा और उद्योग की तैयारी के बीच की कमी को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के दृष्टिकोण में एक अभिन्न हिस्सा बनेंगे. उन्होंने कहा कि किसी भी विषय में हाल ही में उत्तीर्ण हुए स्नातक और शून्य से दो साल तक का अनुभव रखने वाले युवा पेशेवरों के लिए तैयार गुणवत्ता गुरुकुल के तहत उन्हें पेशेवर यात्रा में सफलता दिलाने के लिये कौशल बढ़ाने पर ध्यान दिया जायेगा. पाठ्यक्रम में कैंपस से वर्कप्लेस, शोध, डेटा एनालिसिस, और गुणवत्ता मानकों को समझना और लागू करना शामिल हैं.

आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक ने जीडीपी वृद्धि दर को सराहा

एजेंसी ।न्यूयार्क

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार केवी सुब्रमण्यम ने नवंबर में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर और वस्तु एवं सेवा कर संग्रह की सराहना की है. सुब्रमण्यम ने शनिवार को मीडिया से कहा, मैं चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 7.6 फीसदी की जीडीपी वृद्धि को देखकर बहुत संतुष्ट हूं. यह वित्त वर्ष 2022-23 में 7.2 फीसदी की वृद्धि और पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की वृद्धि के बाद आया है. साल की पहली छमाही में अर्थव्यवस्था 7.7 फीसदी की दर से बढ़ी है, जो एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूद बाधाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शानदार प्रदर्शन है. सुब्रमण्यम ने नवंबर 2023 में भारत के प्रभावशाली जीएसटी संग्रह की सराहना की. उन्होंने कहा कि अगले डेढ़ से दो साल के भीतर जीएसटी संग्रह प्रति माह दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है. उन्होंने इस सफलता का श्रेय भारत सरकार की ओर से लागू की गई ठोस कर नीतियों को दिया. गौरतलब है कि नवंबर में जीएसटी संग्रह 1,67,929 लाख करोड़ रुपये रहा है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष मानसिक तनाव बढ़ सकता है. किसी से विवाद हो सकता है. बेकार की बहस से बचें. माता सुख में कमी हो सकती है. कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. मंदिर में जल का दान करें.

वृषभ समय उत्तम है. भाई का सहयोग प्राप्त होगा. साथ ही पराक्रम में वृद्धि होगा. मानसिक उलझन होगा. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. अपनों के साथ मौज मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे.

मिथुन दिन उत्तम है. किया गया कार्य लाभ देगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. छोटी यात्रा सुखद रहेगी. विष्णु भगवान का ध्यान पूजन करें.

कर्क मानसिक शांति मिलेगी. समय उत्तम है. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. अपनों का ध्यान रखें.

सिंह खर्च अधिक होगा. कोई धार्मिक यात्रा का योग है. दिन की शुरुआत खर्च के साथ होगी. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधीनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. विष्णु भगवान का ध्यान पूजन करें.

कन्या समय बहुत ही उत्तम है. आय भाव में चन्द्र है. कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुडी निजी बातें आज सामने आ सकती है. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. अन्न दान करें.

तुला पिता के कार्य से लाभ होगा. आप कर्म प्रधान है. प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे. अन्न का दान करें.

वृश्चिक ससुराल से कोई शुभ समाचार मिलेगा. भाग्य साथ है, पर स्वयं अपने आप पर से नियंत्रण खो देंगे. आपके किसी गलत व्यवहार से मित्रों से मतभेद हो सकते हैं. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग है. इष्ट बल मजबूत करें.

धनु समय थोड़ा उलझन वाला होगा. अपने प्रोफेशन से आप न खुश हैं, समय के साथ स्थिति आपके अनुकूल बनेगी. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है. गौ सेवा से लाभ होगा.

मकर जरूरत मंद लोगों की मदद करें. मांगलिक कार्यक्रमों की रूप रेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. यदि बहुत जरूरी हो तो यात्रा करें. पैसों का लेन देन संभव. खान पान पर ध्यान दें. स्वास्थ बिगड़ सकता है.

कुंभ घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे. विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमान हो सकता है. जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें. शनि का वस्तु का दान करें.

मीन संतान के कर्म से लाभ होगा. धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी. लोगों से प्रोत्साहन मिलेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. बुरी संगत छोड़ दें, अन्यथा नुकसान होगा. पिला वस्तु का दान करें.

जान जोखिम में डालकर डाल जाते बच्चे

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के त्रिवेणी संगम स्थल में अवस्थित प्लस टू उच्च विद्यालय और बहरागोड़ा महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जान जोखिम में डालकर शिक्षा ग्रहण के लिए आना-जाना पड़ता है. वहीं विद्यार्थियों के कहना है कि विद्यालय तथा महाविद्यालय सड़क निर्माण से पूर्व स्थापित हुआ था. लेकिन एनएचएआई के अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया. इस कारण तथा गलत रोड डिजाइनिंग के कारण विद्यार्थियों को चार सड़क को पार करके शिक्षा के मंदिर जाना पड़ रहा है. इसमें हमेशा द्रुत गति से भारी वाहनों का आवागमन होता रहता है. उक्त समस्या का निराकरण के लिए विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि द्वारा कोई पहल नहीं करने से विद्यार्थियों में काफी आक्रोश है.

भाजपा नेत्री ने उल्दा गांव में 100 कंबल बांटे

घाटशिला । जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेत्री देवयानी मुर्मू ने शनिवार को उल्दा गांव में 100 जरुरतमन्दों के बीच कंबल का वितरण किया. मौके पर श्रीमती मुर्मू ने कहा कि इस बार ठंड से निजात दिलाने के लिए पूर्व तैयारी की गई है. ग्रामीणों की मांग पर कम्बल उपलब्ध कराया गया है. हर गांव, हर टोले में जरूरतमंदों के बीच कम्बल का वितरण किया जायेगा. उन्होंने कहा कि सेवा का कोई दायरा नहीं होता है. मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है. सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना सर्वोपरि है.

रेल मार्ग : टिकट रिफंड कराने पर यात्रियों को पूरा पैसा मिलेगा, अधिकतर बीमार व उनके परिजन करते हैं सफर

चक्रवात मिचौंग के कारण पांच दिन रद्द रहेंगी एलेप्पी समेत दो जोड़ी ट्रेनें

संवाददाता । धनबाद

आंध्र प्रदेश में चक्रवात मिचौंग के कारण धनबाद से खुलने व यहां से गुजरनेवाली दो जोड़ी ट्रेनें 2, 3, 4, 6 और 7 दिसंबर को नहीं चलेगी. अप-डाउन में ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. रेलवे सूत्रों के अनुसार ट्रेन संख्या 13351 धनबाद-एलेप्पी एक्सप्रेस 03 और 04 दिसंबर, ट्रेन नंबर 13352 एलेप्पी-धनबाद एक्सप्रेस 06 और 07 दिसंबर, ट्रेन नंबर 03357 बरौनी-कोयंबटूर एक्सप्रेस स्पेशल 02 दिसंबर और ट्रेन नंबर 03358 कोयंबटूर-बरौनी एक्सप्रेस स्पेशल 06 दिसंबर को नहीं चलेगी. ट्रेनों के रद्द रहने से यात्रियों को काफी परेशानी होगी. इस ट्रेन से अधिकतर बीमार यात्री व उनके परिजन सफर करते हैं. टिकट रिफंड कराने पर यात्रियों को पूरा पैसा मिलेगा.

आज से 9 दिसंबर तक डायवर्ट होकर चलेगी गंगा-सतलज, दून व जम्मूतवी

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में पतरंगा–रौजागांव–रुदौली रेलखंड के बाराबंकी–अयोध्या कैंट–शाहगंज–जाफराबाद के बीच एनआई कार्य के कारण धनबाद–फिरोजपुर गंगा–सतलज, कोलकाता–जम्मूतवी और हावड़ा–योग नगरी ऋषिकेश दून एक्सप्रेस 3 से 9 दिसंबर तक डायवर्ट होकर चलेगी. 3 से 9 दिसंबर तक ट्रेन नंबर 13009 हावड़ा–योग नगरी ऋषिकेश दून एक्सप्रेस वाराणसी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–लखनऊ, ट्रेन नंबर 13010 योग नगरी ऋषिकेश– हावड़ा दून एक्सप्रेस, लखनऊ–मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–वाराणसी, ट्रेन नंबर 13307 धनबाद–फिरोजपुर कैंट, गंगा सतलज एक्सप्रेस, वाराणसी–मां बेल्हा

देवी धाम प्रतापगढ़–लखनऊ, ट्रेन नंबर 13308 फिरोजपुर कैंट–धनबाद गंगा सतलज एक्सप्रेस लखनऊ–मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–वाराणसी और ट्रेन नंबर 13151 कोलकाता–जम्मूतवी एक्सप्रेस जाफराबाद–सुल्तानपुर–लखनऊ होकर चलेगी.

आज धनबाद-टाटा स्वर्णरेखा समेत दो जोड़ी ट्रेनें रहेंगी रद्द

धनबाद. चक्रधरपुर मंडल में ट्रैफिक कम पावर ब्लॉक के कारण चार ट्रेनों को रद्द किया गया है. रेलवे सूत्रों के अनुसार चक्रधरपुर मंडल में कांड्रा–कुंकी के बीच री–गर्डरिंग कार्य के लिए और टाटा–चांडिल सेक्शन में मणिकुल–चांडिल सेक्शन के बीच आरयूबी कार्य के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा. इस दौरान 03 दिसंबर को ट्रेन नंबर 13301 धनबाद– टाटा स्वर्णरेखा एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 13302 टाटा–धनबाद स्वर्णरेखा एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 08152 बरकाकाना–टाटा पैसेंजर स्पेशल और ट्रेन नंबर 08151 टाटा–बरकाकाना पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेंगी.

इंस्टीच्यूट फॉर एजुकेशन का दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार प्रारंभ

दुनिया भर में चहुंमुखी विकास और सुधार जी-20 का उद्देश्य : अर्जुन मुंडा

आनंद मिश्रा । जमशेदपुर

सरायकेला स्थित इंस्टीच्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज की ओर से एवं श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (कैट) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार शनिवार को समारोहपूर्वक आरम्भ हुआ. सेमिनार का आयोजन बिष्टुपुर स्थित श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल प्रेक्षागृह में किया गया है. इसका विषय "जी-20 में युवाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, ई-कॉमर्स एवं नैतिकता : झारखंड के परिप्रेक्ष्य में संभावनाएं" है. दीप प्रज्ज्वलित कर सेमिनार की शुरुआत की गई. सेमिनार में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने विभिन्न राज्यों से आये शिक्षाविदों का मार्गदर्शन किया. उन्होंने कहा कि जी-20 का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य, पर्यावरण, भ्रष्टाचार, कृषि आदि पर विशेष चर्चा है, ताकि कैसे सुधार किया जा सके. उदघाटन सत्र के दौरान श्री मुंडा समेत अन्य अतिथियों ने कॉलेज के जनरल तथा सोवेनियर का विमोचन किया. यह इंस्टीच्यूट फॉर एजुकेशन महाविद्यालय का समस्त परिवार के लिए बहुत ही यादगार और गौरव का दिन रहा जो शिक्षा और समाज के विकास के लिए सफल प्रयास है. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के सलाहकार डॉ जगदीश पाटिल ने व्याख्यान प्रारूप प्रस्तुत किया. उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 की प्रसंगिकता और महात्ता पर प्रकाश डाला. साथ ही बताया कि महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों और शिक्षा की गुणवत्ता को कैसे सुधारा जा सके, जिससे अच्छा ग्रेड हासिल किया जाये और संस्थान, शिक्षक और छात्र सबों को विकास का अवसर प्राप्त हो.

सेमिनार में उपस्थित अतिथिगण एवं अन्य.

ताकि उत्तम समाज का निर्माण हो सके. इससे नैक की समस्त जानकारियों से सभी अवगत हुए और शंकाओं को दूर करने का अवसर प्राप्त हुआ. यह सभी संस्थान के लिए लाभप्रद रहा. इग्नू रांची के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ शुभकांत मोहन्ती ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा द्वारा भी एक साथ कई पाठ्यक्रम को पढ़ कर कौशल विकास किया जा सकता है. कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया इंडस्ट्री के राष्ट्रीय सचिव सुरेश सोन्थालिया ने युवाओं को तकनीकी से जोड़ कर आगे बढ़ाने की बात की. साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास करने का लक्ष्य पूरा करने के लिए हौसला देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की.

इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर अतिथियों का पारंपरिक नृत्य एवं गीत के साथ स्वागत किया गया. इंस्टीच्यूट फॉर एडुकेशन के निदेशक आरएन माहान्ती ने स्वागत भाषण किया. कोल्हान विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ शुक्ला माहान्ती सेमिनार का व्याख्यान दिया. उन्होंने कहा कि शिक्षा का विकास, ई-कार्मस, स्वास्थ्य तथा खेल-कूद को झारखंड राज्य को बढ़ाने के एक सफल प्रयास का पहला कदम के रूप में देखा जा सकता है. नई शिक्षा नीति का लाभ उठाकर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को लाभान्वित करने का प्रयास होगा. वहीं कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत व नृत्य प्रस्तुत किया. तत्पश्चात् अतिथियों को पुष्पगुच्छ, साल तथा स्मृति भेंट कर सम्मानित किया गया.

उद्घाटन सत्र के बाद सेमिनार के पहले दिन दो तकनीकी सत्र हुए. प्रथम सत्र का विषय ई-कार्मस था जिसके सभाध्यक्ष एक्सएलआरआई के प्रो वेणुगोपाल थे. इसमें रिर्पोटियर की भूमिका सिक्की कुमारी ने निभाई. इसमें डॉक्टर तूलिका मोहंती. डॉ मनोज कुमार पाठक, डॉ ऋचा पांडा एवं सिक्की कुमारी ने अपने पेपर प्रस्तुत किये. द्वितीय सत्र का विषय शिक्षा था. इसकी अध्यक्षता इग्नू देवघर के निदेशक डॉ सरोज कुमार मिश्रा ने की. रिर्पोटियर श्रावणी मुखर्जी रहीं. इसमें डॉ स्वीटी सिन्हा एवं वंदना कुमारी ने अपने पेपर प्रस्तुत किये. धन्यवाद ज्ञापन डॉ स्वीटी सिन्हा ने किया. राष्ट्रीय गान के साथ सेमिनार के पहले दिन की गतिविधियां संपन्न हुई.

खास बातें

- उत्तम समाज का निर्माण के लिए शिक्षण संस्थानों का गुणवत्तापूर्ण होना जरूरी : डॉ जगदीश पाटिल
- शिक्षा, स्वास्थ्य ओर खेलकूद को बढ़ावा झारखंड के विकास का एक सफल प्रयास : डॉ. शुक्ला माहन्ती

आओ जानें

झारखंड के वन

झारखंड में तीन प्रकार के वन हैं

उष्णकटिबन्धीय आर्द्र पतझड़ वन

- इन वनों का विकास राज्य के ऐसे क्षेत्रों में हुआ है, जहाँ औसत वार्षिक वर्षा 120 सेमी से अधिक होती है. राज्य में इन वनों का विस्तार गुमला, रांची, सरायकेला, सिमडेगा, पश्चिमी व पूर्वी सिंहभूम व सन्थाल परगना में मुख्य रूप से है .
- इन वनों का प्रमुख वृक्ष साल है, जिसे पर्णपाती वनों का राजा भी कहते हैं .
- इन वनों में पाए जाने वाले अन्य वृक्ष शीशम, पलाश, सेमल, जामुन, करमा, बांस इत्यादि हैं.
- ज्यादा वर्षा वाले क्षेत्र में पाए जाने के कारण इस प्रकार के वनों को आर्द्र प्रायद्वीपीय वन भी कहते हैं .

उष्णकटिबन्धीय शुष्क पतझड़ वन

- इन वनों का विस्तार राज्य के ऐसे क्षेत्रों में हुआ है, जहां औसत वार्षिक वर्षा 120 सेमी से कम होती है.
- इस प्रकार के वनों के प्रमुख वृक्ष अमलतास, साल, महुआ, शीशम, सेमल, पलाश, बाँस आदि हैं.
- इन वनों का विस्तार राज्य के तीन क्षेत्रों में मुख्य रूप से मिलता है
- (i) पलामू, गढ़वा एवं चतरा
- (ii) कोडरमा, देवघर, गिरिडीह व हजारीबाग.
- (iii) राजमहल पहाड़ी के पश्चिमी ढाल वाले क्षेत्र .

शुष्क प्रायद्वीपीय वन

- इन वनों का विस्तार राज्य के ऐसे क्षेत्रों में है, जहां वर्षा मध्यम श्रेणी की होती है.
- झारखण्ड में ऐसे वनों का विस्तार हजारीबाग पठार क्षेत्र, लातेहार, बोकारो, रांची, लोहरदगा व जामताड़ा, धनबाद, गुमला, सिमडेगा में है.
- इस वन क्षेत्र में साल वृक्षों की अधिकता है तथा साथ–साथ कुसुम, गुलर, जामुन, कटहल, आम, बाँस इत्यादि के वृक्ष भी पाए जाते हैं.

करीम सिटी कॉलेज में सुझाव सभा 'संभावना' का आयोजन

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज के आईक्यूएसी (इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल) तथा करियर प्लानिंग एंड गाइडेंस सेल के संयुक्त तत्वावधान में इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं के लिए ''संभावना'' नाम से एक सुझाव सभा का आयोजन किया गया. इसमें करीम सिटी कॉलेज (मानगो कैम्पस) के कला संकाय के विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए. यह सभा कॉलेज ऑडिटोरियम में हुई. मनोविज्ञान विभाग करीम सिटी कॉलेज के प्राध्यापक व काउंसेलर डॉ. जकि अख्तर तथा प्रो साकेत कुमार इस कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन थे. अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. यहिया इब्राहीम ने सभा को प्रारंभ करते हुए इसके उद्देश्यों से स्वागत कराया. उन्होंने कहा कि आज आप जीवन के जिस मकान पर खड़े हैं वह मुकाम अपने करियर के बारे में फैसला लेने का है. फैसला लेने का अधिकार आप ही को है. उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ाना है, अपने लिए मुनासिब विषय का चयन करना है और हमारा काम है कि हम आपका मार्गदर्शन करें. डॉ जाकिर अख्तर ने कहा कि यह मनुष्य का स्वभाव है कि वह जिस तरह की सोच अपने मस्तिष्क में डालता है, वैसा ही उसका व्यावहारिक रूप समाज के सामने आता है. हर आदमी सोच समझ कर अपने बारे में निर्णय लेता है, अपने लिए जीवन का क्षेत्र चुनता है और उसके लिए अपने आपको सक्षम बनाता है. जिसका निर्णय अच्छा होता है, उसका जीवन सफल होता है. उन्होंने कहा कि आज के युग में सभी लोग दूसरों को देखकर काम करते हैं परन्तु मेरा ख्याल है कि देखकर आगे बढ़ने से अच्छा है कि सोच कर आगे बढ़ें.

समारोह का संबोधित करते शिक्षक एवं उपस्थित छात्र छात्राएं.

प्रो साकेत कुमार ने बताया कि मैट्रिक के बाद आपने जिन्होंने आर्ट्स रखकर पढ़ने का फैसला किया है, वह फैसला गलत नहीं है, क्योंकि आर्ट्स के विद्यार्थियों के लिए भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं. सभा को डॉ नेहा तिवारी ने भी संबोधित किया और मास कम्युनिकेशन के बारे में बात करते हुए कहा कि आजका युग तो पत्रकारिता का युग है. सभा में छात्र-छात्राओं के अलावा दोनों कैंपस के शिक्षक भी मौजूद थे.

बात करने के लिए मांगा फोन और हो गया गायब

संवाददाता । धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक बार फिर मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं. शुक्रवार को एक मरीज के परिजन से फोन करने के नाम पर मोबाइल लेकर चोर चंपत हो गया. एसएनएमएमसीएच के सेंट्रल इमरजेंसी के वार्ड में गोविंदपुर थाना क्षेत्र के घोड़ामुर्गा के रहने वाले सुरेश भंडारी को सांप ने काट लिया था. उसके बाद उसकी पत्नी ज्योत्सना भंडारी उसे लेकर एसएनएमएमसीएच के सेंट्रल इमरजेंसी पहुंचीं. सेंट्रल इमरजेंसी वार्ड में सुरेश भंडारी स्ट्रेचर पर पड़ा हुआ था, उनकी पत्नी भी साथ में थीं. सुरेश अपने हाथ में मोबाइल लिए हुए था. इसी बीच एक युवक उनके पास पहुंचा और उसने सुरेश से मोबाइल मांगी.युवक ने कहा कि उसके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है और उसके पास मोबाइल नहीं है. यह बात सुनकर सुरेश ने उसे अपना मोबाइल फोन दे दिया. पत्नी अपने पति के इलाज के लिए परेशान थी. इसी बीच युवक मौके का फायदा उठाकर मोबाइल पर बात करने के बहाने वहां से निकल गया. थोड़ी देर बाद उस युवक को इधर-उधर खोजा गया, लेकिन आसपास उसका पता नहीं चला. इसके बाद मरीज सुरेश की पत्नी ने मोबाइल पर कई बार कॉल किया लेकिन मोबाइल तीन चार बार रिंग होने के बाद स्विच ऑफ बताने लगा. मामले की सूचना पुलिस को दी गई.

अरका जैन यूनिवर्सिटी

छात्र-छात्राओं ने सीखे गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र लिखने के नए-नए गुर

संवाददाता । जमशेदपुर

- यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के सहयोग से तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गम्हरिया स्थित अरका जैन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ नर्सिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के सहयोग से तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह आयोजन स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य प्रो जिनु एनी जोसेफ और अनुसंधान विभाग की प्रमुख डॉ सोनिया रियात द्वारा किया गया था. कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ कीर्तिमोय मिश्रा, डॉ अरविंद कुमार पांडे, डॉ सोनिया रियात, डॉ संतोष कुमार सिंह, सरबोजीत गोस्वामी, डॉ स्निग्धा रानी बेहरा, डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ ज्योति खुराना और डॉ श्वेता श्रीवास्तव उपस्थित थीं. एकस्टर्नल पर्सन डॉ ज्योति कठवाल (सहायक प्रोफेसर एम्स, बिलासपुर, एचपी) थे. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एक अच्छी गुणवत्ता वाला शोध पत्र लिखना था. कार्यक्रम को कुल 12 अलग-अलग सत्रों में विभाजित किया गया था. पूरा सत्र अभूतपूर्व और अद्भुत रहा.

कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में अनुसंधान प्रक्रिया का अवलोकन, अनुसंधान समस्या, गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान, अनुसंधान में नैतिक मुद्दे, साक्ष्य आधारित नर्सिंग अभ्यास, अनुसंधान डिजाइन और जनसंख्या, नमूना, नमूना तकनीक, डेटा संग्रह के उपकरण तरीके, साहित्य की समीक्षा और उपयोग रिसर्च में एमएस एक्सेल और इंडेक्सिंग जर्नल में प्रकाशन के महत्व पर गहन चर्चा हुई.

यूनिवर्सिटी के निदेशक सह कुलसचिव अमित श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में यह तीन दिन की रिसर्च कार्यशाला सम्पन्न हुई. उन्होंने इसी तरह आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया. कार्यक्रम का संचालन नर्सिंग विभाग की प्राचार्य प्रो जिनू एनी जोसेफ के मार्गदर्शन में किया गया.

समस्या बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं क्षेत्र के 1140 घरों में रहने वाले 20 हजार लोग

बागबेड़ा फिल्टर प्लांट का मोटर फिर जला, जलापूर्ति ठप

संवाददाता ।जमशेदपुर :

बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के फिल्टर प्लांट में लगा मोटर एक बार फिर से खराब हो गया है. इस कारण शुक्रवार की शाम से बागबेड़ा क्षेत्र में पानी की सप्लाई बंद है. बागबेड़ा की जनता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग एवं पंचायत के चक्कर लगाकर तंग आ चुकी है. प्रत्येक चार से पांच दिनों में मोटर जल जा रहा हैं. मोटर खराब हो जाने के कारण 1140 घरों में रहने वाले 20 हजार लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं. जबकि फिल्टर प्लांट निर्माण के लिए 1.88 करोड़ रुपये स्वीकृत हो गया है, इसके बावजूद फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है.

इस फंड में नया मोटर लगाने का भी फंड शामिल है. सांसद के प्रयास से उपायुक्त के आदेश पर एक और दूसरे मोटर के लिए भी स्वीकृति मिल चुकी है, जो विभाग के पास उपलब्ध है. नए मोटर लगाने के लिए 12 लाख 60 हजार रुपये का फंड फिर से मिला है. इस पर बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन यहां नहीं हो रहा है. सरकार एवं जिला प्रशासन के आदेश की भी अवहेलना की जा रही है.

बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के फिल्टर प्लांट का निरीक्षण करते स्थानीय लोग.

गंदा पानी पीने को विवश हैं लोग

सुबोध झा समेत स्थानीय लोगों ने बिष्टुपुर वोल्टास बिल्डिंग के सामने में बन रहे फिल्टर प्लांट का निरिक्षण किया. यहां अधूरे पड़े निर्माण कार्य को देखकर लोग आक्रोशित हो गए. वहीं, पुराने फिल्टर प्लांट से गंदा पानी की सप्लाई किये जाने पर नाराजगी जताई. सुबोध झा ने बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना पांच दिसंबर तक चालू नहीं करने पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता के कार्यालय में ताला जड़ने की चेतावनी दी है. उन्होंने बताया कि फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य एक दिसंबर से चालू करने का लिखित आश्वासन दिया गया था. बस्ती के लोगों के साथ निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पर पाया गया कि काम चालू नहीं हुआ है.

तीन नगर निकाय क्षेत्र में कल लगेंगे शिविर

संवाददाता । आदित्यपुर

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 4 दिसंबर 2023 दिन सोमवार को जिले के पांच प्रखंड के पांच पंचायत तथा 03 नगर निकाय क्षेत्र के चार वार्ड में पंचायत स्तरीय शिविर का आयोजन किया जाएगा. उक्त शिविर में विभिन्न विभागों के स्टाल लगाकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी तथा योग्य लाभुकों के आवेदन प्राप्त किए जाएंगे. इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित लाभकों के बीच परीसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा. इस संबंध में उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने समस्त जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि 'आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत जिले के सभी पंचायत में निर्धारित तिथि के तहत पंचायत स्तरीय शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करें तथा योग्यतनुसार योजनाओं के लाभ हेतु आवेदन करें. साथ ही अपने आस-पास के लोगो को भी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ लेने हेतु प्रेरित करें.

- सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ हेतु आवेदन करें : उपायुक्त
- 03 नगर निकाय क्षेत्र के चार वार्ड में पंचायत स्तरीय शिविर का आयोजन होगा

- इन पंचायत/वार्डों में आयोजित लगेंगे पंचायत स्तरीय शिविर
- सरायकेला– मुड़कुम *कुचाई–तिलोपदा
- राजनगर– गेंगेरुली
- गम्हरिया– नुवाग
- चांडिल– भादुडीह
- नीमडीह– गौरडीह
- नगर पंचायत सरायकेला– वार्ड संख्या–03
- नगर निगम आदित्यपुर– वार्ड संख्या 13, 14
- नगर परिषद कपाली– संख्या – 06 में

सऊदी अरब फुटबॉल प्रो लीग

रोनाल्डो की अल नास को अल हिलाल ने हराया

भाषा । रियाद (सऊदी अरब)

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर को सऊदी अरब फुटबॉल प्रो लीग में अल हिलाल के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद विजेता टीम के प्रशंसकों ने 'मेसी, मेसी' के नारे लगाकर पुर्तगाल के इस सुपरस्टार पर ताने कसे. लियोनेल मेसी का इस मैच से कोई लेना-देना नहीं था लेकिन पिछले दो दशक से रोनाल्डो और उनके बीच फुटबॉल के मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है. यहीं वजह थी कि पांच बार के बैलन डी''ओर विजेता रोनाल्डो जब मैदान से बाहर निकल रहे थे तो अल हिलाल के प्रशंसक अर्जेंटीना के सुपरस्टार का नाम लेकर उन्हें चिढ़ा रहे थे. रोनाल्डो इस मैच में अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि विजेता टीम की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने दो और सर्बिया के उनके साथी सर्गेज मिलिनकोविच सैविच ने एक गोल किया.

रियाद की इन दो टीमों के बीच मुकाबले से पहले हालांकि प्रशंसक रोनाल्डो के समर्थन में नारे लगा रहे थे. इनमें से अधिकतर दर्शक रोनाल्डो की सात नंबर की जर्सी पहनकर स्टेडियम में पहुंचे थे.

रोनाल्डो को हार के बाद सुनने पड़े 'मेसी, मेसी' के नारे

3-0 से जीती अल हिलाल की टीम | 02 गोल दागे अलेक्जेंडर मित्रोविच ने

ब्रीफ खबरें

टी-20 श्रृंखला जीतकर खुश हूं: गायकवाड़

रायपुर । सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ ने कहा कि आक्रामक और निर्भीक रवैये की बदौलत भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत दर्ज करने में सफल रही. उन्होंने साथ ही उम्मीद जतायी कि वनडे विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार के बाद खेल प्रेमियों के लिए यह खुशी का मौका होगा. भारत ने शुक्रवार को चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली.

किक बॉक्सिंग: विनय बने कार्यकारी अध्यक्ष

रांची । झारखंड एमेच्योर किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बीसी ठाकुर ने विनय सिन्हा दीपू को झारखंड एमेच्योर किक बॉक्सिंग एसोसिएशन का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया. इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बी सी ठाकुर ने कहा विनय सिन्हा का किक बॉक्सिंग खेल के प्रति लगाव और कार्यक्षमता को देखते हुए एसोसिएशन ने तय किया कि कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाये. इस अवसर पर रांची जिला किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव गुलाम जावेद,सहित अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी.

विश्व कप से बाहर होना निराशाजनक था: अक्षर

रायपुर । भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल ने स्वीकार किया कि चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप से बाहर होने से वह निराश थे और इससे उबरने में उन्हें एक सप्ताह का समय लगा. इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया था लेकिन एशिया कप के दौरान वह चोटिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा. उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन को विश्व कप की टीम में शामिल किया गया था. अक्षर कहा कि निश्चित तौर पर इससे किसी को भी निराशा होती. विश्व कप भारत में हो रहा था लेकिन मैं चोटिल हो गया.

पांचवा टी-20 : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला का अखिरी मुकाबला आज

श्रेयस व चाहर पर होंगी निगाहें

भाषा । बेंगलुरू

श्रृंखला में पहले ही अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका के दौरे को ध्यान में रखकर श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर के प्रदर्शन पर विशेष गौर करेगी. भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 10 सितंबर से टी-20 श्रृंखला खेलनी है जिसमें अय्यर और चाहर की भूमिका अहम होगी. अय्यर ने वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रायपुर में शुक्रवार को उन्होंने पिछले एक साल से भी अधिक समय में अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला. इस मैच में उन्होंने सात गेंद का सामना करके आठ रन बनाए जिनमें कोई बाउंड्री शामिल नहीं है. इसलिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले अय्यर चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे. उन्होंने कुछ दिन पहले ही वनडे विश्व कप में इस मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ शतक लगाया था. अय्यर की तरह चाहर ने भी चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी की है. रायपुर में खेला गया मैच उनका टी-20 प्रारूप में भारत की तरफ से पिछले साल अक्टूबर के बाद पहला मैच था. इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने टिम डेविड और मैथ्यू शॉर्ट के विकेट लेकर प्रभाव डाला, लेकिन उन्होंने अपने चार ओवर के कोटे में 44 रन दिए. चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच उनके अनुकूल नहीं हो सकती है लेकिन अपनी विविधता पूर्ण गेंदबाजी के कारण चाहर सफलता हासिल कर सकते हैं. भारत की तरफ से बल्लेबाजी में कप्तान सूर्यकुमार यादव, रुतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह, यशस्वी जयसवाल और इशान किशन ने अच्छा प्रदर्शन किया है. पिछले मैच में किशन की जगह खेलने वाले जितेश शर्मा ने भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है. गेंदबाजी में रवि बिश्नोई ने अभी तक सात विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है. दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है. उसकी टीम जीत के साथ श्रृंखला का अंत करके स्वदेश लौटना चाहेगी.

खास बातें

- मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा
- बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा मुकाबला

बल्लेबाजी के लिए अनुकूल होगी पिच

वाशिंगटन सुंदर को मिल सकता है मौका

दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले टीम प्रबंधन ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर को भी इस मैच में मौका दे सकता है. वाशिंगटन भी पिछले कुछ समय से चोटों से परेशान रहे हैं. उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है जिन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है.

टीमें

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान, मुकेश कुमार.

ऑस्ट्रेलिया : मैथ्यू वेड (कप्तान), जेसन बेहरेनडोर्फ, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, क्रिस ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, बेन मैकडरमॉट, जोश फिलिप, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, केन रिचर्डसन.

आओ जानें

प्रो कबड्डी लीग के टॉप रेडर्स

सीजन	वर्ष	रेडर्स	पॉइंट्स
सीजन 1	2014	अनुप कुमार	155
सीजन 2	2015	काशीलिंग अदाके	114
सीजन 3	2016 (जनवरी)	प्रदीप नरवाल	116
सीजन 4	2016 (जून)	राहुल चौधरी	146
सीजन 5	2017	प्रदीप नरवाल	369
सीजन 6	2018-19	पवन कुमार	271
सीजन 7	2019	पवन कुमार	346
सीजन 8	2021-22	पवन सहरावत	304
सीजन 9	2022	अर्जुन देशवाल	296

वेंचर स्किल क्रिकेट टूर्नामेंट

अंडर-14

- **रॉकमैन सीएवी बनाम एस हेहल किड्स**
- रॉकमैन सीए स्कोर : 228/9(35)
- शिवम सम्राट : 88, इशित तिवारी : 51, तेजस्वी चौहान : 29
- हर्ष कुमार : 37/5(7),
- हेहल किड्स का स्कोर :107/10(26.1)
- हर्ष कुमार : 37
- शिवम सम्राट :19/5(5.1), वर्नित सहदेव : 11/4(7)
- 121 रनों से जीता रॉकमैन सीए
- **आरसीए जूनियर बनाम अरविंदो सीए**
- आरसीए (जूनियर) 159/8/30
- अविराज-49, आदित्य-25, हर्ष-24
- जयेश-2/24, आदित्य-2/20,
- अरविंदो सीए कुल स्कोर-160/3/27.5
- आदित्य-68*, अंशिक-35
- पत्रुनी-1/10
- अरविंदो सीए ने 7 विकेट से जीत दर्ज की
- **अरगोड़ा किड्स बनाम जस्टिस सीए**
- जस्टिस सीए- 113/10 (24.2)
- हर्ष राज - 54, ऋषव - 10
- गेंदबाज - : मयंक- 10/3, आयुष- 11/3
- अर्गोडा किड्स- 114/0 (14.1)
- आर्यन कुमार - 61*, रॉकी कुमार - 25*
- 10 विकेट से जीता अरगोड़ा किड्स

अंडर-16

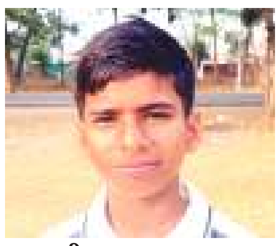

- **एसबीएम बनाम गुरुनानक स्कूल**
- एसबीएम : 170/10 (22.3)
- राजकुमार - 36, अक्षत - 30, विशाल-18, अनुराग-16
- आदित्य - 7-24-5
- रविराज - 5-39-2
- अमन - 4.3-32-2
- गुरुनानक स्कूल : 30.1 ओवर में 174/6
- आकाश - 45, शौर्य - 29, अरहम अली - 29*
- विशाल : 2.1-15-2, अक्षत - 7-48-1, आर्यन - 7-7-1, आर्यन -7-29-1
- चार विकेट से जीता गुरुनानक स्कूल

डब्ल्यूपीएल की नीलामी में शामिल होंगी 165 खिलाड़ी

भाषा । मुंबई

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नौ दिसंबर को यहां होने वाली नीलामी में कुल 165 खिलाड़ी शामिल होंगे. डब्ल्यूपीएल का दूसरा संस्करण अगले साल फरवरी मार्च में आयोजित किया जाएगा. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन 165 खिलाड़ियों में 104 खिलाड़ी भारत की और 61 खिलाड़ी विदेशों की हैं. विदेशी खिलाड़ियों में 15 खिलाड़ी एसोसिएट देशों की हैं. कुल 56 खिलाड़ी ऐसी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है जबकि 109 खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव नहीं है. विज्ञप्ति के अनुसार, सभी पांच टीमों में अधिकतम 30 स्थान खाली हैं जिनमें से 9 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं. वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डींड्रा डॉटिन और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज किम गार्थ ने अपना आधार मूल्य सबसे अधिक 50 लाख रुपये रखा है. ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहैम, इंग्लैंड की विकेटकीपर एमी जोन्स और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल चार खिलाड़ी हैं जिनका आधार मूल्य 40 लाख रुपये है. सभी पांच टीमों दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स, यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने कुल 60 खिलाड़ियों को रिटेन किया है जिनमें 21 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं.

महिला क्रिकेट

- नौ दिसंबर को होनी डब्ल्यूपीएल की नीलामी
- नीलामी में 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं

आईपीएल ने दबाव में शांत बने रहना सिखाया: रिंकू सिंह

भाषा । रायपुर

भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्तमान टी-20 श्रृंखला में दबाव की परिस्थितियों में भी शांत बने रहकर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने को दिया. रिंकू ने चौथे मैच में 29 गेंद पर 46 रन बनाए जबकि श्रृंखला में अपना पहला खेल रहे जितेश शर्मा ने 19 गेंद पर 35 रन की पारी खेली.

भारत की शुक्रवार को 20 रन से जीत के बाद रिंकू ने कहा कि मैं लंबे समय से खेल रहा हूं. मैं पिछले 5-6 साल से आईपीएल में खेल रहा हूं, जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा. मैं खुद पर भरोसा रखता हूं और शांत बने रहने की कोशिश करता हूं. जितेश ने स्वीकार किया कि जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे तो काफी दबाव में थे. उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं लग रहा था कि यह तुम्हारी (रिंकू) पहली श्रृंखला है. जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तो काफी दबाव में था लेकिन तुम बहुत शांत थे.

तैयारी शुरू | विभिन्न खेलों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय स्कूल गेम्स के लिए झारखंड की तैयारी जोरों पर

खेल संवाददाता । रांची

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय स्कूल गेम्स को लेकर झारखंड टीम की तैयारी जोरों पर है. झारखंड राज्य की भागेदारी को लेकर एथलेटिक्स,

फुटबॉल, बास्केटबॉल ,वॉलीबॉल, खो-खो, जिमनास्टिक, तीरंदाजी एवं बैंड के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 21 से 25 दिनों के लिए किया गया है. खिलाड़ियों के विकास के लिए उनके पढ़ाई के साथ साथ, पौष्टिक आहार, आवास आदि की सुविधा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के फ्लैट्स एवं खेल गांव एथलेटिक्स स्टेडियम में दी गई है. राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने बताया की खेलो झारखंड के तहत विद्यालय,प्रखंड, जिला स्तर एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर राज्य के चयनित बच्चों को कैंप में खेल के साथ-साथ शिक्षा की सुविधा भी दी जा रही है.

एथलेटिक्स

बालक एवं बालिका अंडर 14 वर्ष,17 वर्ष,19 वर्ष

प्रशिक्षण शिविर स्थल

बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, होटवार, खेलगांव, रांची

प्रतियोगिता स्थल

अंडर 14 बालक एवं बालिका वर्ग - 16 से 20 दिसंबर 2023 ,लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग - 26 से 30 दिसंबर चंद्रपुर (महाराष्ट्र)

फुटबॉल अंडर -17 बालक एवं बालिका वर्ग प्रशिक्षण स्थल - खेलगांव, रांची

खो-खो

अंडर-19 बालक एवं बालिका प्रशिक्षण - स्थल खेलगांव, रांची

राष्ट्रीय प्रतियोगिता अंडर-19 बालक एवं बालिका 12 से 16 दिसंबर ,नासिक (महाराष्ट्र)

बास्केटबॉल

अंडर 17 एवं 19 बालक

प्रशिक्षण शिविर स्थल - हरिवंश,टाना भगत ,खेलगांव, रांची

प्रतियोगिता स्थल- अंडर-19 बालक 6 से 11 जनवरी 2024 पटियाला (पंजाब)

वॉलीबॉल

अंडर 14 बालक एवं बालिका

प्रशिक्षण शिविर स्थल - हरिवंश ताना भगत, खेलगांव,

राष्ट्रीय प्रतियोगिता स्थल अंडर 14 बालक एवं बालिका 22 से 26 दिसंबर भुवनेश्वर (ओडिशा)

तीरंदाजी

अंडर 14 ,17 ,19 बालक एवं बालिका

प्रशिक्षण स्थल - सिल्ली, (रांची)

राष्ट्रीय प्रतियोगिता स्थल- अंडर 14 बालक एवं बालिका 13 से 14 दिसंबर नाडियाड (गुजरात)

अंडर- 17 बालक एवम बालिका 17 से 18 दिसंबर नाडियाड (गुजरात)

अंडर-19 - बालक एवम बालिका 9 से 10 दिसंबर नाडियाड (गुजरात)

जिमनास्टिक

अंडर 14 ,17 ,19 बालक एवं बालिका

प्रशिक्षण स्थल - सेरसा, (चाईबासा)

प्रतियोगिता स्थल 16 से 23 दिसंबर (नई दिल्ली)

बांग्लादेशी टीम ने अपने घर पर न्यूजीलैंड को पहली बार हराया

भाषा । सिलहट (बांग्लादेश)

बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने अपने करियर में दूसरी बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया, जिससे बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पहली बार अपने घर पर हराया. पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड 150 रन से करारी शिकस्त दी. ताइजुल ने पहली पारी में 109 रन देकर चार और दूसरी पारी में 75 रन देकर 6 विकेट लिए. न्यूजीलैंड की टीम 332 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए खेल के पांचवें और अंतिम दिन पहले सत्र में ही 181 रन बनाकर आउट हो गई. ताइजुल के अलावा बांग्लादेश की तरफ से ऑफ स्पिनर नईम हसन ने 40 रन देकर दो विकेट जबकि तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम (1-13) और ऑफ स्पिनर मेहदी हसन (1-44) ने एक-एक विकेट लिया. न्यूजीलैंड ने सुबह 7 विकेट पर 113 रन से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई. उसकी तरफ से डेरिल मिचेल ने सर्वाधिक 58 रन बनाए जबकि कप्तान टिम साउदी में 24 गेंद पर 34 रन की आक्रामक पारी खेली. ईश सोढ़ी ने 91 गेंद पर 22 रन की संघर्ष पूर्ण पारी खेली. दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 6 दिसंबर से मीरपुर में खेला जाएगा.

टेस्ट मैच

- 10 विकेट चटकाए बांग्लदेश के ताइजुल इस्लाम ने
- दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 6 से मीरपुर में खेला जाएगा

ब्रीफ खबरें

'एनिमल' ने एक दिन में कमाए 116 करोड़ रुपये

मुंबई। रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' ने अपनी रिलीज के पहले दिन दुनियाभर में 116 करोड़ रुपये कमाए हैं और इसके साथ ही यह पहले दिन कमाई के मामले में उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ फिल्म बन गई है. निर्माता टी सीरिज ने शनिवार को पहले दिन की कमाई के आंकड़े साझा किया. फिल्म को उसकी रिलीज से पहले केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने 'ए' प्रमाण पत्र दिया था. टी सीरिज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करने के लिए आया 'एनिमल'.

खराब मौसम के कारण 20 उड़ान मार्ग परिवर्तित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से कम से कम 20 उड़ानों के मार्ग परिवर्तित किए गए. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि उड़ानों को जयपुर, अमृतसर, लखनऊ, अहमदाबाद और चंडीगढ़ की ओर मोड़ा गया. उन्होंने बताया कि सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े 10 बजे के बीच उड़ानों के मार्ग परिवर्तित किए गए. अधिकारी ने बताया कि कुल 13 उड़ानों को जयपुर, चार को अमृतसर और एक-एक उड़ान को लखनऊ, अहमदाबाद और चंडीगढ़ भेजा गया.

सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है जिससे पहले राजनीतिक दलों के नेता शीतकालीन सत्र के एजेंडे पर चर्चा के लिए शनिवार को यहां बैठक कर रहे हैं. यह बैठक संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुलाई है और इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता फौजिया खान और आरएसपी नेता एन के प्रेमचंद्रन सहित अन्य वरिष्ठ नेता भाग ले रहे हैं.

2023 में 716 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया

अगरतला। त्रिपुरा में इस साल भारत-बांग्लादेश सीमा पर 112 रोहिंग्याओं और 319 बांग्लादेशियों सहित कुल 716 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपमहानिरीक्षक आर.के. सिंह ने शुक्रवार को यहां बल के त्रिपुरा फ्रंटियर मुख्यालय में कहा कि इसके विपरीत पिछले साल 150 बांग्लादेशियों, 160 भारतीयों और 59 रोहिंग्याओं समेत केवल 369 लोगों को पूर्वोत्तर राज्य में अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते हुए पकड़ा गया था.

रूसी पर्यटक की कार से टक्कर, तीन की मौत

पणजी। उत्तरी गोवा के एक गांव में एक रूसी पर्यटक ने अपनी कार से तीन अन्य पर्यटकों को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस उपाधीक्षक जिवबा दलवी ने संवाददाताओं को बताया कि दुर्घटना शुक्रवार की देर रात साढ़े तीन बजे अर्पोरा गांव में उस समय हुई, जब तीनों व्यक्ति अपनी गाड़ी में सवार होने वाले थे. उन्होंने बताया कि रूसी पर्यटक एंटोन बिचकोव (27) की तेज रफ्तार कार ने तीन पर्यटकों को टक्कर मार दी जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई.

अद्भुत नजारा

शुक्रवार की देर शाम को कैटेनिया के पास निकोलोसी से माउंट एटना पर दक्षिणपूर्व क्रेटर से लावा फूटते हुए देखा गया. लोगों ने कहा कि यह अद्भुत नजारा देखने लायक था. -फोटो: पीटीआई

सीजफायर खत्म होते ही इजरायल ने गाजा पट्टी पर दनादन दागे रॉकेट

हमले में 178 फिलिस्तीनी मारे गये

भाषा। तेल अवीव

फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम शुक्रवार को युद्धविराम समाप्त हो गया. युद्धविराम की समाप्ति के बाद इजराइल ने फिर से गाजा पट्टी में हवाई हमले किये. जिसमें 178 फिलिस्तीनियों के मारे जाने की खबर है. वहीं इस हवाई हमले में 200 से ज्यादा घरों और इमारतों को निशाना बनाया गया. इजरायल ने दक्षिणी गाजा के कुछ हिस्सों में पर्चे गिराये हैं, जिनमें लोगों से खान यूनिस शहर स्थित घरों को छोड़ने को कहा गया है. वहीं गाजा से चरमपंथियों ने इजराइल में भी रॉकेट दागे. स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी.

क्या है हमास के हमले का पूरा ब्लूप्रिंट? : अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि हमास के हमले का पूरा ब्लूप्रिंट इजरायल को एक साल पहले ही मिल गया था. ये सबकुछ दस्तावेजों, ईमेल और इंटरव्यू से पता चलता है. लेकिन इजरायली सेना और खुफिया अधिकारियों ने इसे ये मानकर खारिज कर दिया कि हमास के लिए इस हमले को अंजाम दे पाना बेहद मुश्किल होगा. लेकिन हकीकत ये है कि 40 पन्नों के इस पूरे दस्तावेज में जो कुछ जैसे लिखा है, उसे हमास के लड़ाकों ने 7 अक्टूबर को बिल्कुल वैसे ही अंजाम दिया था. इजरायल ने इस दस्तावेज को 'जेरिको वॉल' का कोड नेम दिया था. दस्तावेज में पहले रॉकेटों की बरसात से आयरन डोम को नाकाम करने, इंटेलिजेंस टावर को उड़ाने, और फिर ड्रोन से हमले करने की जानकारी थी, उसे वैसे ही लागू किया गया. यही नहीं, पैरा ग्लाइडर से आतंकियों के आने की तैयारी, पिकअप ट्रकों, मोटरसाइकिल और पैदल लड़ाकों के इजरायल में दाखिल होने के जो निर्देश लिखे थे, उसे भी हमाल के लड़ाकों ने वैसे ही अंजाम दिया. इतना ही नहीं इसमें इजरायली सेना के लेकर भी अहम जानकारी थी.

7 दिन तक चला संघर्ष विराम : आपको बता दें कि इजरायल और हमास के बीच चार दिन का युद्ध विराम समझौता 24 नवंबर से 30 नंवबर तक चला था. इसके बाद सीजफायर को दो दिनों के लिए और बाद में और एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया था. इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से बंधकों और कैदियों को रिहा किया गया. सीजफायर में कतर की अहम भूमिका रही थी.

इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम खत्म हो चुका है.

युद्ध जारी

- इजरायल ने दक्षिणी गाजा के कुछ हिस्सों में पर्चे गिराये
- लोगों से खान यूनिस शहर स्थित घरों को छोड़ने को कहा
- गाजा से चरमपंथियों ने इजराइल में भी दागे रॉकेट

गाजा में मरने वालों की संख्या 15,200 से अधिक

खान यूनिस। हमास ने इजराइल पर सात अक्टूबर को अप्रत्याशित हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था. इसके बाद जवाबी कार्रवाई में इजराइल ने भी गाजा पट्टी पर हमला किया. हमास ने अपने 30000 लड़ाकों के साथ इस हमले में भाग लिया था. हमास के लड़ाके 5 ब्रिगेड और 24 बटालियन में बंटे थे. हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल के साथ युद्ध में गाजा में मरने वालों की संख्या 15,200 से अधिक हो गई है, जिनमें 70 फीसदी महिलाएं और बच्चे हैं. मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किद्रा ने शनिवार को आंकड़े जारी किये. मंत्रालय द्वारा जारी किये गये पिछले आंकड़े में मृतकों की संख्या 13,300 से अधिक बताई गई थी. मंत्रालय ने मृतकों के आंकड़े में आम नागरिकों और लड़ाकों की संख्या अलग-अलग नहीं बताई है.

हमास की खुली पोल, नेतन्याहू ने कहा हमास का खेल खत्म

8 बंधकों में से एक मिया शेम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मिया शेम को रिहा करने से पहले हमास ने ये बयान दिलवाया कि उसे सारी सुविधा मिली और उसके साथ हमास का रवैया बहुत अच्छा था. लेकिन, हकीकत यह है कि इस लड़की की सर्जरी हमास ने जानवरों के एक डॉक्टर से करवाई. जब ये लड़की आजाद होकर अपनी मां से मिली तो हमास की पोल खुल गई. इसी बीच पीएम नेतन्याहू ने एक बार फिर हमास को पूरी तरह से साफ करने की बात कही है.

137 फिलिस्तीनी अभी भी हमास के पास बंधक

गौरतलब है कि इजराइल के साथ हमास ने चार दिनों का युद्ध विराम का समझौता किया था. हालांकि युद्ध विराम समझौते की अवधि को दो दिन बढ़ा दिया गया था. युद्ध विराम के दौरान चरमपंथियों ने 100 बंधकों की रिहा करने के बदले में 300 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा था. हालांकि हमास ने अभी भी 115 पुरुष, 20 महिलाएं और दो बच्चों को बंधक बनाया हुआ है. ऐसे में कतर एक बार फिर युद्धविराम को लागू करने का प्रयास कर रहा है.

आओ जानें

वयस्क पुरुषों की औसत ऊंचाई

नीदरलैंड : 182 .54 सेमी	यूके : 177 .49 सेमी
बेल्जियम : 181 .70 सेमी	ऑस्ट्रिया : 177 .41 सेमी
एस्टोनिया : 181 .59 सेमी	पाकिस्तान : 166 .95 सेमी
लातविया : 181 .42 सेमी	दक्षिण अफ्रीका : 166 .68 सेमी
डेनमार्क : 181 .39 सेमी	नाइजीरिया : 165 .91 सेमी
क्रोएशिया : 180 .78 सेमी	भारत : 164 .95 सेमी
सर्बिया : 180 .57 सेमी	इंडोनेशिया : 163 .55 सेमी
आइसलैंड : 180 .49 सेमी	नेपाल : 162 .32 सेमी
चेकिया : 180 .10 सेमी	यमन : 159 .89 सेमी
जर्मनी : 179 .88 सेमी	विश्व : 171.28 सेमी
कनाडा : 178 .09 सेमी	एनसीडी रिससी, ह्यूमन हाइट, 2017 के अनुसार
इटली : 177 .77 सेमी	

कोविड-19 के दौरान ऑक्सीजन संयंत्र लगाया गया था

ईडी ने धोखाधड़ी मामले में धन शोधन का मामला किया दर्ज

भाषा। मुंबई

खास बातें

- बीएमसी को छह करोड़ रुपये की चपत लगाने का आरोप
- समय पर काम नहीं होने पर जुर्माना का था प्रावधान

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान अस्पतालों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने में कथित धोखाधड़ी के संबंध में धन शोधन का एक मामला दर्ज किया है.

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 24 नवंबर को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को छह करोड़ रुपये की चपत लगाने के आरोप में मैसर्स हाईवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठेकेदार रोमिल छेदा को गिरफ्तार किया था. उन्होंने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को धोखाधड़ी के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया है. उन्होंने बताया कि रोमिल को बीएमसी द्वारा संचालित नौ अस्पतालों और दो वृहद कोविड-19 केंद्रों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने का ठेका दिया गया था. अनुबंध के अनुसार, काम 30 दिनों में पूरा करना था और तय समय-सीमा के भीतर काम पूरा नहीं करने पर ठेकेदार को हर हफ्ते की देरी के लिए अनुबंध राशि का एक प्रतिशत जुर्माना देना था.

न्यायाधीशों ने मध्यस्थता प्रणाली को जकड़ रखा है : उपराष्ट्रपति

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने देश की मध्यस्थता प्रणाली को जकड़ रखा है और अन्य योग्य लोगों को मौका नहीं मिलता है. उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अब हमें आत्मनिरीक्षण करने और आवश्यकता पड़ने पर कानून बनाने समेत आवश्यक बदलाव लाकर आगे बढ़ने की जरूरत है.

धनखड़ ने कहा कि ग्रह पर कहीं भी, किसी अन्य देश में, किसी अन्य प्रणाली में, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने मध्यस्थता प्रणाली को इतना नहीं जकड़ रखा है. हमारे देश में, यह बड़े पैमाने पर है. उन्होंने देश में मध्यस्थता प्रणाली पर प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की साहसिक टिप्पणियों की भी सराहना की. उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति देश में न्यायपालिका के परिदृश्य को बदल रहा है. धनखड़ ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश ने मध्यस्थों की नियुक्ति में विविधता की कमी पर विचार किया है.

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले दंतेवाड़ा में आईईडी ब्लास्ट

सीआरपीएफ के दो जवान घायल

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले दंतेवाड़ा में आज सुबह एक आईईडी ब्लास्ट हुआ है. बारसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत बारसूर पल्ली मार्ग पर बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 195 बटालियन के दो जवान घायल हुए हैं. घायल जवानों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया.

2 से आठ दिसंबर तक पीएलजीए सप्ताह मना रहे हैं नक्सली : बता दें कि नक्सली पिछले वर्ष विभिन्न कारणों से अपनी जान गंवाने वाले 54 नक्सलियों को याद में आज 2 दिसंबर से आठ दिसंबर तक 'पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) सप्ताह' मना रहे हैं. यह पीएलजीए सप्ताह का 23वां अवलोकन होगा. पीएलजीए सप्ताह के दौरान वह घटनाओं को अंजाम देने की कोशिश करते हैं. इसलिए सुरक्षाबलों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है.

बम नष्ट करने के दौरान हुआ विस्फोट

जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों को आज शनिवार को इलाके में नक्सली गतिविधियों की जानकारी मिली. जिसके बाद सीआरपीएफ की 195वीं बटालियन के जवानों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया. दल के जवान जब अभियान में थे, तब उन्हें इंद्रावती नदी के पुल के पास कुछ पैकेट में बम होने की सूचना मिली. बम निरोधक दस्ता जब बम को नष्ट करने की कोशिश कर रहा था, तभी बम में विस्फोट हो गया और सीआरपीएफ के दो जवान घायल हो गये.

बांग्लादेश में 5.6 तीव्रता का भूकंप, प. बंगाल व लद्दाख में भी कांपी धरती

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में शनिवार सुबह पड़ोसी बांग्लादेश में आये 5.6 तीव्रता के भूकंप के कारण झटके महसूस किये गये. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सुबह करीब नौ बजकर पांच मिनट पर आया, जिसका केंद्र दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में 55 किलोमीटर गहराई में था. लद्दाख में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये हैं. एनसीएस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 2 दिसंबर की सुबह भारतीय समयानुसार 9:05:31 पर बांग्लादेश और भारत में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया. इसका केंद्र सतह से 55 किलोमीटर नीचे 23.15 डिग्री अक्षांश और 90.89 डिग्री देशांतर में था. पश्चिम बंगाल आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि फिलहाल राज्य में कहीं से किसी नुकसान की खबर नहीं मिली है. इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि हमें अभी तक अंतिम रिपोर्ट नहीं मिली है. भूकंप से फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है.

'मेलोडी सेल्फी'

इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी ने दुबई में सीओपी28 जलवायु शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम मोदी के साथ एक सेल्फी पोस्ट की. जो वायरल हो गई और लोगों के बीच चर्चा के केंद्र में रही. मेलोनी ने पोस्ट में लिखा कि 'सीओपी28 में अच्छे दोस्त. #मेलोडी.'

ऐतिहासिका यात्रा | पीएम मोदी विश्व जलवायु शिखर सम्मेलन में शामिल हो लौटे स्वदेश, कहा-

यह एक सार्थक सीओपी28 शिखर सम्मेलन रहा

भाषा। नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) की ऐतिहासिक यात्रा समाप्त कर शुक्रवार देर रात दिल्ली लौट आये. वे सीओपी28 के विश्व जलवायु शिखर सम्मेलन में शामिल होने गये थे. पीएम की यात्रा को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक्स पर एक पोस्ट किया.

प्रधानमंत्री की यात्रा को वैश्विक नेताओं के साथ सार्थक बातचीत और वैश्विक जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने के लिए अग्रणी पहलों द्वारा परिभाषित किया गया. पीएम मोदी ने यूएई यात्रा के क्रम में कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों पर जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव पड़ा है.

बोले पीएम

- मुझे किंग चार्ल्स से बातचीत करने का मौका मिला
- ग्लोबल साउथ के देशों पर जलवायु का प्रभाव पड़ा है

किंग चार्ल्स तृतीय और वियतनाम के पीएम से मिले मोदी: पीएम मोदी ने कहा कि मुझे किंग चार्ल्स से बातचीत करने का मौका मिला. वे हमेशा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति भावुक रहे हैं. वह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण आवाज हैं. दुबई में पीएम मोदी की मुलाकात वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह से भी हुई. मोदी ने कहा कि वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह से मुलाकात हुई और विभिन्न शानदार बातचीत हुई.

प्रधानमंत्री मोदी ने सीओपी28 का वीडियो शेयर किया

प्रधानमंत्री मोदी ने सीओपी28 का एक वीडियो शेयर किया है. उन्होंने एक बेहतर ग्रह के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. वीडियो में पीएम की द्विपक्षीय बैठकें, वैश्विक नेताओं के साथ चर्चा और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सभी देशों के योगदान पर केंद्रित उनका भाषण नजर आया. पीएम मोदी ने लिखा, धन्यवाद, दुबई! यह एक सार्थक सीओपी28 शिखर सम्मेलन रहा, आइए हम सभी एक बेहतर ग्रह के लिए मिलकर काम करते रहें.

मतगणना आज, तैयारियां पूरी

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश में वोटों की गिनती से एक दिन पहले शनिवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों दलों ने विधानसभा चुनाव में विजयी होने का भरोसा जताया. एक शीर्ष चुनाव अधिकारी के अनुसार, प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीट के लिए वोटों की गिनती कड़ी सुरक्षा के बीच आज सुबह आठ बजे 52 जिला मुख्यालयों पर शुरू होगी. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया कि उनकी पार्टी भाजपा भारी बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखेगी, जबकि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ ने कहा कि उन्हें राज्य के मतदाताओं पर पूरा भरोसा है. कई एग्जिट पोल ने भाजपा को कांग्रेस से आगे रखा है.

चौहान ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि भाजपा भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रही है. उन्होंने कहा कि मोदी जी के प्रति प्यार और विश्वास, केंद्र और राज्य की योजनाओं, मध्य प्रदेश के अभूतपूर्व विकास के कारण भाजपा को कहीं ज्यादा सीट मिलेंगी. एग्जिट पोल के अनुमानों के बारे में पूछे जाने पर, कमलनाथ ने संवाददाताओं से कहा कि मेरा (ऐसे) सर्वेक्षणों से कोई लेना-देना नहीं है. मुझे मध्य प्रदेश के मतदाताओं पर भरोसा है. पार्टी के बागियों और निर्दलीय उम्मीदवारों (त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में) तक पहुंचने के बारे में एक सवाल के जवाब में, उन्होंने कहा कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं होगी.

मप्र चुनाव

- कई एग्जिट पोल ने भाजपा को कांग्रेस से आगे रखा है
- कमलनाथ को राज्य के मतदाताओं पर पूरा भरोसा है

वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा..

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा...

शहादत जिंदा रहती है.शहीद होने वाले अमर हो जाते हैं. वीर सैनिकों का जज्बा अनंत होता है.उनका उत्साह खुले आसमान सा होता है. यहा परिंदों की तरह भावनाओं को उड़ने की इजाजत है, लेकिन आखें तरेर कर देखने वालों के लिए तीखे तेवर भी हैं. वीर सेना और शहादत देने वाले हमारे शहीद जवान हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहते हैं.राजधानी रांची के सबसे व्यस्त चौराहे में शुमार अलबर्ट एक्का चौक. यहां खड़ी एक आदम कद प्रतिमा भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 की जंग की दास्तां बयां कर रही है. वह आदमकद प्रतिमा किसी और की नहीं लांस नायक अलबर्ट एक्का की है.जिन्होंने 1971 के भारत पाकिस्तान जंग में अपने प्राणों की आहुती देकर मां भरती के सिर को ऊंचा रखा.जब दुनिया के मानचित्र पर एक नए देश का उदय हो रहा था, तब तक झारखंड के गुमला का यह सूरज अपनी छाप छोड़कर अस्त हो गया था. इस वीर को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया.

बांग्लादेश के निर्माण में कई वीरों ने दी प्राणों की आहुति

गंगा सागर की जीत के बाद दक्षिणी और दक्षिणी पश्चिमी छोर से अखौरा तक पहुंचना भारतीय सेना के लिए आसन हो गया. इसका नतीजा यह हुआ कि भारतीय सेना के हमले के आगे दुश्मन को अखौरा भी छोड़कर भागना पड़ा. तीन दिसंबर से 16 दिसंबर, 1971 तक यह युद्ध चला और बांग्लादेश का उदय हुआ. इस नए देश के निर्माण में झारखंड के इस सपूत के साथ रांची और आसपास के करीब 26 जवानों ने अपनी जान की आहुति दी थी.

पुण्यतिथि पर विशेष

20 से अधिक गोलियां खाकर दुश्मनों के छक्के छुड़ाये

03 दिसंबर, 1971 की वह काली रात थी जब चारों ओर गोलियां चल रही थीं. कहीं से आग के गोले निकल रहे थे, तो कहीं से हैंड ग्रेनेड व मोर्टार छोड़े जा रहे थे. अलबर्ट का मोर्चा गंगा सागर के पास था. यहीं पास में रेलवे स्टेशन था, जहां 165 पाकिस्तानी घुसपैठिए अड्डा जमाए थे. 03 दिसंबर की रात 2.30 बजे अलबर्ट और उनके साथी रेलवे पार गए. उस वक्त अलबर्ट 29 साल के थे. जैसे ही उन्होंने रेलवे स्टेशन पार किया, पाकिस्तानी सेना के एक संतरी ने उन्हें रूकने के लिए कहा, उन्होंने उसे गोली मारकर दुश्मन के इलाके में घुस गए। उन्होंने पाक सेना का बंकर उड़ा दिया, 65 पाक सैनिकों को मार गिराया और 15 को कैद कर लिया. रेलवे के आउटर सिग्नल इलाका को कब्जे में लेने के बाद वापस आने के दौरान टाप टावर मकान के ऊपर में खड़ी पाक सेना ने अचानक मशीनगन से उन पर हमला कर दिया. इसमें 15 भारतीय सैनिक मारे गए. तब अलबर्ट दौड़ते हुए टाप टावर पर चढ़ गए और मशीनगन को कब्जे में लेकर दुश्मनों को तहस-नहस कर दिया.

शिकार के खेल से सीखा

अलबर्ट एक्का का जन्म झारखंड के गुमला जिले के जारी गांव में 27 दिसंबर 1942 को हुआ था. उनके पिता का नाम जूलियस एक्का और मां का नाम मरियम एक्का था, जो आदिवासी जनजाति से थे. शिकार करना इस जनजाति का सामान्य खेल था, जिसमें एक्का की बचपन से ही बहुत रुचि और दक्षता थी. उनका यही अनुभव उन्हें बहुत ही कामयाब और सक्षम सैनिक बनाने में मददगार साबित हुआ. लांस नायक अलबर्ट एक्का गुमला जिले के जारी गांव के थे, जहां उरांव जनजाति के लोग अधिक संख्या में रहते थे. पहले गुमला रांची का हिस्सा था. अब जिला बन गया. अलबर्ट एक्का जब सेना में भर्ती हुए थे, उस वक्त उनका सबसे पहले पाला चीन से पड़ा था. उन दिनों वह बिहार रेजिमेंट में थे. इसके बाद 1962 की लड़ाई के नौ साल बाद पाकिस्तान के जबड़े से कराहते बांग्लादेश को आजाद कराने निकल पड़े. तब वह 14 गार्ड रेजीमेंट के लांस नायक बन चुके थे. ऐसा बहुत कम सैनिकों को नसीब हुआ, जिन्होंने चीन के साथ भी युद्ध किया और पाकिस्तान को भी धूल चटाई. यह खुशनसीबी अलबर्ट एक्का के हिस्से आयी. उनकी बहादुरी के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया.

डॉ राजेंद्र प्रसाद की 139 वीं जयंती पर विशेष

डॉ राजेंद्र प्रसाद का हजारीबाग से आजीवन गहरा लगाव बना रहा

विजय केसरी

देश के प्रथम राष्ट्रपति देश रत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद का हजारीबाग से आजीवन गहरा लगाव बना रहा था.डॉ राजेंद्र प्रसाद स्वाधीनता आंदोलन के एक अप्रतिम योद्धा थे.वे 1932 से लेकर 1944 तक तीन बार हजारीबाग के सेंट्रल जेल में लगभग 432 दिनों तक बंद रहे थे.इस जेल यात्रा में उनके साथ खान अब्दुल गफ्फार खां, डॉ राहुल सांस्कृत्यायन, महामाया प्रसाद सिंह, कृष्ण बल्लभ सहाय, बाबू राम नारायण सिंह,जगत नारायण लाल,स्वामी सहजानंद सरस्वती,विपिन बिहारी शर्मा,रामवृक्ष बेनीपुरी सहित कई स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े नेता बंद थे. इस जेल यात्रा के दौरान डॉ राजेंद्र प्रसाद का ज्यादातर समय अध्ययन, सूत काटने और जेल में बंद स्वाधीनता सेनानियों के साथ जेल से निकलने के बाद स्वाधीनता आंदोलन को कैसे और तेज गति दी जाए के विचार विमर्श में बीतता था. इसी कालखंड में उन्होंने अपने साहित्यिक मित्रों राहुल सांस्कृत्यायन,रामवृक्ष बेनीपुरी, बाबू राम नारायण सिंह आदि के साथ मिलकर एक हस्तलिखित पत्र भी निकाला था.इस हस्तलिखित पत्र में स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारियों के नाम संदेश दर्ज होता था. डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में हजारीबाग जेल यात्रा का बहुत ही शानदार तरीके से उल्लेख किया है.आज भी हजारीबाग सेंट्रल जेल में उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर जिस कमरा में डॉ राजेंद्र प्रसाद बंद रहे थे,उन्हें याद किया जाता है. राष्ट्रपति बनने के बाद भी उनका हजारीबाग जेल में बंद क्रांतिकारियों से संबंध बना रहा था.हजारीबाग के प्रथम सांसद बाबूराम नारायण सिंह के साथ उनका बराबर पत्र व्यवहार होता रहता था.आज भी ये पत्र उनके पौत्र डॉ प्रमोद सिंह के पास सुरक्षित हैं. हजारीबाग सहित झारखंड के कई स्वाधीनता संग्राम से जुड़े नेता गण राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं को लेकर डॉ राजेंद्र प्रसाद से मिला करते थे.राष्ट्रपति भवन सदैव झारखंड के स्वाधीनता सेनानियों के लिए खुला रहता था. डॉ राजेंद्र प्रसाद झारखंड के हर एक नेता से बहुत ही शालिनता और सम्मान के साथ मिलते थे. वे, उनसे देश की राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं पर चर्चा किया करते थे. इन राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं का निदान कैसे हो ? इस पर भी डॉ राजेंद्र प्रसाद मार्ग प्रशस्त किया करते थे. डॉ राजेंद्र प्रसाद का संपूर्ण जीवन स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्र के नवनिर्माण में बीता था.

डॉ राजेंद्र बाबू का व्यक्तित्व और कृतित्व निराला था

डॉ राजेंद्र प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व दोनों निराला था.उनका जीवन सदा लोगों को प्रेरित करता रहेगा.देश के सबसे शीर्ष राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बावजूद उनके व्यवहार में कोई कमी नहीं आया था.वे राष्ट्रपति बनने से पूर्व जिस तरह रहते थे, राष्ट्रपति बनने के बाद भी उनका रहन-सहन उसी तरह बना रहा था.उनकी वेशभूषा में कोई तब्दीली नहीं हुई थी.वे आमजन के नेता थे. वे जीवन के अंतिम क्षण तक आमजन के ही नेता बने रहे थे.आज की बदली परिस्थिति में राजनीति एक व्यवसाय बनकर रह गया है. लोग राजनीति में इसलिए प्रवेश करना चाहते हैं, ताकि अधिक से अधिक धन उपार्जन कर सकें, अपने नाम और शोहरत को बढ़ा सकें. जबकि डॉ राजेंद्र प्रसाद की राजनीति इससे बिल्कुल अलग थी.

स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर वे वकालत से सदा सदा के लिए त्यागपत्र देकर सीधे स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े थे . बापू की तरह डॉ राजेंद्र प्रसाद भी सत्य अहिंसा के प्रबल समर्थक थे.वे आजीवन सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते रहे थे .स्वाधीनता आंदोलन में कूदने के पश्चात आंदोलन ही उनके जीवन का सहचर बन गया था.अगर वे चाहते तो वकालत कर एक बेहतर जीवन जी सकते थे.उन्होंने इस बेहतर जीवन का त्याग कर स्वाधीनता संघर्ष का ही मार्ग चुना था.इससे प्रतीत होता है कि उनके मन में राष्ट्र भक्ति कूट-कूट कर भरी थी.भारतीय राजनीति में उनका प्रवेश एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में हुआ था.उनकी विलक्षण प्रतिभा और कर्तव्य परायणता ने उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया था.जब सुभाष चंद्र बोस ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था.ऐसे वक्त में पुनः डॉ राजेंद्र प्रसाद को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बनाया था.वे दो - दो बार अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे.उन्होंने कांग्रेस संगठन को बहुत ही तीव्र गति से आगे बढ़ाया था. वे देखने में जितने साधारण, सहज और सरल लगते थे.उनका निर्णय उतना ही सटीक और सार्थक होता था.वे विपरीत परिस्थितियों में भी बिल्कुल घबराते नहीं थे.

कई भाषाओं के ज्ञाता थे

वे विभिन्न भाषाओं के ज्ञाता थे.उनकी प्रारंभिक शिक्षा उर्दू में हुई थी.उन्होंने कम उम्र में ही फारसी का ज्ञान भी अर्जित कर लिया था . हिंदी उनकी मातृभाषा थी.वे हिंदी से बहुत प्रेम किया करते थे.बांग्ला भाषा पर उन्हें कमांड था.उनका अंग्रेजी का ज्ञान देखकर लोग हतप्रभ रह जाते थे.वे इन भाषाओं के अतिरिक्त गुजराती,मराठी आदि भाषाएं भी बहुत ही सहजता से बोल लेते थे. जिस संविधान पर हर एक भारतवासियों को गर्व है.संविधान निर्माण में उनकी भूमिका सदा देशवासियों को गौरवान्वित करती रहेगी.संविधान निर्माण कोई साधारण कार्य नहीं था .वे अपने संविधान सभा के सदस्यों के साथ मिलकर संविधान निर्माण की पेचीदगियों का बारिकी से संवारा था.संविधान निर्माण में उनकी भूमिका सदा देशवासियों को अपनी ओर आकृष्ट करता रहेगा .

कोलकाता विश्वविद्यालय के सीनेटर का पद त्यागा

स्वाधीनता आंदोलन के सिपाही होने के नाते उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय के सीनेटर का पद त्याग दिया था.गांधी जी ने जब विदेशी संस्थाओं के बहिष्कार की अपील की थी,तो उन्होंने अपने पुत्र मृत्युंजय प्रसाद जो एक अत्यंत मेधावी छात्र थे,उन्हें कोलकाता विश्वविद्यालय से हटाकर बिहार विद्यापीठ में दाखिल करवाया था.वे चाहते तो ऐसा नहीं भी कर सकते थे लेकिन वे अपने कर्तव्य से बंधे हुए थे.उन्होंने अपने पुत्र को कोलकाता विश्वविद्यालय से हटाकर बिहार विद्यापीठ में दाखिल करवाने के निर्णय पर तनिक भी विलंब नहीं किया था.बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि डॉ राजेंद्र प्रसाद एक स्तंभकार भी थे.वे स्वाधीनता आंदोलन विषय को लेकर कई लेख देश के विभिन्न अखबारों में लिखा करते थे.उनका लेख देशभर में पढ़ा जाता था.देशीय अखबारों का प्रकाशन अनवरत चलता रहे, इसलिए वे अखबारों के लिए धन भी जुटाया करते थे.

और देश के प्रथम राष्ट्रपति बने : देश की आजादी के बाद जब देश में संविधान लागू हुआ था. तब वे देश के पहले राष्ट्रपति बने थे . राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने कभी भी अपने संवैधानिक अधिकारों में प्रधानमंत्री अथवा कांग्रेस को दखलअंदाजी का मौका नहीं दिया था . उन्होंने हमेशा स्वतंत्र रूप से कार्य किया . हिंदू अधिनियम बिल पारित करते समय उन्होंने काफी कड़ा रुख अपनाया था . राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने कई ऐसे दृष्टांत छोड़े जो बाद में उनके प्रवृत्तियों के लिए उदाहरण बन गया था. यहां यह लिखना जरूरी समझता हूं कि भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी बहन भगवती देवी का निधन हो गया था . लेकिन वे भारतीय गणराज्य की स्थापना की रसम के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गए थे .

कॅरियर-काउंसिलिंग

फूड साइंस की पढ़ाई कर युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर / रजनीश प्रसाद । फूड साइंस के क्षेत्र में करियर बनाने के कई ऑप्शन हैं. इसके लिए 12वीं के बाद ही तैयारी शुरु हो जाती है. 12वीं के बाद आप फूड साइंस में करियर बना सकते हैं, जिसमें आपको डीप रिसर्च का मौका मिलता है.फूड साइंटिस्ट/टेक्नोलॉजिस्ट नई और मौजूदा इनग्रेडिएंटस का उपयोग करके नई रेसिपी पर रिसर्च करने के लिए प्रोडक्शन टीम के साथ मिलकर काम करते हैं. इन्हें यह सुनिश्चित करने की जरूरत होती है कि सभी फूड प्रोडक्ट सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरते हैं. ये करियर स्वच्छता और सुरक्षा के उच्च मानकों, उत्कृष्ट समस्या-समाधान कौशल और एक टीम में अच्छी तरह से काम करने की क्षमता के साथ-साथ रचनात्मक होने की भी मांग करती है. हम बहुत सारी कंपनियों के फूड प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं और इस बात का पता लगाते हैं कि कौन सी कंपनी के प्रोडक्ट गुणवत्तापूर्ण है. यही कारण है कि फूड कंपनियों के द्वारा समय-समय पर फूड टेक्नोलॉजी एक्सपोर्ट की खोज की जाती है, ताकि उस कंपनी के फूड प्रोडक्ट की डिमांड बढ़े. यदि आप फूड टेक्नोलॉजी में अपना करियर बनाना चाहते हैं. तो हमारे द्वारा नीचे आप सभी को स्टेप बाय स्टेप इसकी जानकारी दी गई है.

एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी

अगर आप किसी अच्छे कॉलेज में फूड साइंस से रिलेटेड कोर्स करना चाहते हैं, तो आपको इसके लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होगा. एग्जाम की तैयारी आपको 12वीं क्लास से ही करनी होगी, तभी आप एंट्रेंस क्लियर करने में सक्षम हो सकते हैं. इस एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी करने के लिए आप इंटरनेट की सहायता ले सकते हैं. कुछ ऐसे भी कॉलेज होते हैं. जहां आपको बिना एंट्रेंस एग्जाम के 12वीं के नंबरों की मेरिट के आधार पर एडमिशन मिल जाता है. इसलिए हम कह सकते हैं कि अलग-अलग संस्थानों में अलग-अलग नियमानुसार आपको एडमिशन दिया जाता है.

फूड टेक्नोलॉजी के लिए क्वालिफिकेशन

- सबसे पहले आपको अपनी 12वीं की कक्षा अच्छे नंबरों के साथ पास करनी होगी. 12वीं में आपको साइंस स्ट्रीम यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथमेटिक्स के साथ पढ़ाई करनी होगी और तथा कम से कम 50% अंक लाकर 12वीं कक्षा पास करना होगा.
- यदि आपको साइंस स्ट्रीम कठिन लगती हो, तो आप 12वीं क्लास में होम साइंस विषय से भी पढ़ाई कर सकते हैं.
- इसके बाद आपको फूड टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री हासिल करनी होगी.
- फूड टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री लेने के बाद आपको इसी क्षेत्र में मास्टर डिग्री भी लेनी होगी. ताकि आप इस क्षेत्र में अच्छी पोस्ट पर अपना करियर बना सके.
- ऊपर दी गई संपूर्ण योग्यता फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रत्येक अभ्यर्थी के अंदर होनी चाहिए.

फूड टेक्नोलॉजिस्ट कार्य

- एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट के द्वारा भोजन की रसायनिक, भौतिक और जैविक संरचना का अध्ययन किया जाता हैं.
- इस क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के द्वारा भोजन की पैकेजिंग, भोजन को सुरक्षित रखने आदि की नई-नई तकनीकें विकसित की जाती है.
- भोजन के स्वाद और पोषण मूल्यों को फूड टेक्नोलॉजिस्ट के द्वारा और भी बेहतर बनाया जाता है.
- फूड टेक्नोलॉजिस्ट द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि उनकी कंपनी के उत्पाद उद्योग और सरकारी मानकों पर खरा उतरते हैं या नहीं.

भारत के टॉप कॉलेज

- इंडियन इंस्टिट्यूट आफ क्रॉप प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी
- फूड एंड ड्रग टॉक्सिकोलॉजी साइंस रिसर्च सेंटर
- इंटरनेशनल लाइफ साइंसेज इंस्टिट्यूशन इंडिया
- डिपार्टमेंट ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टिट्यूट
- नेशनल इंस्टिट्यूट आफ न्यूट्रिशन
- सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट
- नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट
- आईआईएससी
- भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर

फूड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले

- बीए ऑनर्स इन फूड टेक्नोलॉजी (3 साल)
- बीटेक इन फूड टेक्नोलॉजी (4 साल)
- एमबीए (2 साल)
- एमटेक इन फूड टेक्नोलॉजी (2 साल)
- पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (1-4 साल)

फूड टेक्नोलॉजी के लिए आवश्यक स्किल

- तकनीकी कौशल
- संपूर्ण समस्या को सुलझाने का कौशल
- समय प्रबंधन
- व्यावहारिक गुण
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण
- खाद्य विज्ञान में रुचि
- खाद्य और पोषण में रुचि

फूड टेक्नोलॉजी के लिए करियर स्कोप

- होटल्स
- परचेसिंग मैनेजर
- फूड प्रोसेसिंग यूनिट
- रिटेल कंपनी
- रिसर्च साइंटिस्ट
- एग्री प्रोडक्ट
- क्वालिटी मैनेजर
- साइंटिफिक लैबोरेट्री टेक्निशियन
- रेगुलेटरी अफेयर्स ऑफिस
- प्रोडक्शन मैनेजर

टॉप रिक्रूटर्र

- अमूल
- मिल्क फूड
- कैडबरी इंडिया लिमिटेड
- ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- एमटीआर फूड्स लिमिटेड
- आईटीसी लिमिटेड
- पार्ले प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
- एग्रो टेक फूड्स
- गिट्स फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
- डाबर इंडिया लिमिटेड

फूड टेक्नोलॉजी के फायदे

- आपको बहुत कम समय में इस क्षेत्र में नौकरी मिल सकती है.
- आपको खाने के साथ-साथ अच्छी क्वालिटी की भी पहचान होगी. साथ ही खाने से संबंधित अधिक चीजों की जानकारी हो जाती है.
- इस क्षेत्र में आपको नौकरी के बहुत सारे अवसर मिलते हैं. साथ ही एक अच्छी सैलरी भी मिलती है.
- इस क्षेत्र में कार्यरत होने पर आपको सम्मान भी मिलता है.
-

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)